शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी, सेंसेक्स 790 अंक चढ़ा - 10

सरकार ने लगायी रोक, 30 सितंबर तक विदेश नहीं जाएगी भारत की चीनी - 10

पति की मौत पर भावुक किताब लिखी, खुद निकली उसकी कातिल - 11

लगातार शून्य पर आउट होने से नर्वस था, रन नहीं बनने से बेचैन हो जाता हूं : कोहली - 12

आज का मौसम
37.0⁰ अधिकतम तापमान
26.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.22
सूर्यास्त 06.55

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ, बरेली, कानपुर, मुरादाबाद, अयोध्या, हल्द्वानी

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष त्रयोदशी 05:11 उपरांत अमावस्या विक्रम संवत 2083

शुक्रवार, 15 मई 2026, वर्ष 36, अंक 97, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

न्यायमूर्ति स्वर्णकांता ने केजरीवाल के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही की शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी

- दिल्ली हाईकोर्ट की जज ने कहा- कानूनी उपायों का सहारा लेने के बजाय उन्हें बदनाम करने के लिए सुनियोजित अभियान चलाया, अब दूसरी पीठ करेगी सुनवाई

दिल्ली उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी के नेताओं अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, दुर्गेश पाठक, संजय सिंह, सौरभ भारद्वाज और अन्य के खिलाफ आबकारी नीति मामले के संबंध में उनके विरुद्ध सोशल मीडिया पर अपमानजनक पोस्ट करने के लिए आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू की।

न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कानूनी उपायों का सहारा लेने के बजाय उन्हें बदनाम करने के इरादे से सोशल मीडिया पर एक सुनियोजित अभियान चलाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी आरोपियों को आरोपमुक्त किए जाने के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर अब दूसरी पीठ सुनवाई करेगी। न्यायाधीश ने अवमानना के आरोपियों द्वारा सोशल मीडिया पर किए गए कई पोस्ट पर आपत्ति जताई, जिनमें उन पर 'राजनीतिक निष्ठा' का आरोप लगाया गया था और वाराणसी के एक शैक्षणिक संस्थान में दिए गए उनके भाषण के 'संपादित' वीडियो को पोस्ट करके कथित तौर पर उन्हें निशाना बनाया गया था। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा, अरविंद केजरीवाल ने मेरे द्वारा मामले से खुद को अलग करने से इनकार करने के बाद कानूनी उपायों का सहारा लेने के बजाय मेरी प्रतिष्ठा धूमिल करने की कोशिश की। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में अदालत के अधिकार को कम करने के जानबूझकर किए गए प्रयास को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।'

42 महीने के उच्च स्तर पर थोक महंगाई दर, 8.3% पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया संकट के कारण थोक मुद्रास्फीति में जबर्दस्त उछाल

- ईंधन, बिजली एवं कच्चे पेट्रोलियम की कीमतों में तेज वृद्धि का असर
- थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति मार्च में 3.88 प्रतिशत थी

पश्चिम एशिया संकट से ईंधन, बिजली एवं कच्चे पेट्रोलियम की कीमतों में तेज वृद्धि के कारण अप्रैल में थोक मुद्रास्फीति सालाना आधार पर पांच प्रतिशत बढ़कर 42 महीने के उच्चतम स्तर 8.3% पर पहुंच गई। थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति मार्च में 3.88 प्रतिशत थी। थोक मुद्रास्फीति में क्रमिक वृद्धि इस श्रृंखला में अब तक की सबसे अधिक रही है।

वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तीव्र वृद्धि ने मुख्य मुद्रास्फीति दर में उछाल आया। धातुओं, रसायनों और वस्त्रों की विनिर्माण लागत में वृद्धि के कारण मुख्य थोक मुद्रास्फीति सालाना आधार पर पांच प्रतिशत तक बढ़ गई। पश्चिम एशिया युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य में अवरोध ने भारत में कच्चे पेट्रोलियम के आयात को बाधित कर दिया है। मंत्रालय ने बयान में कहा, अप्रैल, 2026 में मुद्रास्फीति खनिज तेल, कच्चे पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस, मूल धातु, अन्य विनिर्माण और गैर-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण अधिक रही। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य पदार्थों में मुद्रास्फीति दर अप्रैल में 1.98 प्रतिशत रही जबकि मार्च में यह 1.90 प्रतिशत थी। गैर-खाद्य पदार्थों में मुद्रास्फीति अप्रैल में बढ़कर 12.18 प्रतिशत हो गई जो पिछले महीने 11.5 प्रतिशत थी। विनिर्मित उत्पादों में मुद्रास्फीति अप्रैल में 4.62 प्रतिशत रही जबकि पिछले महीने यह 3.39 प्रतिशत थी। ईंधन और बिजली श्रेणी में, एलपीजी में मुद्रास्फीति दर अप्रैल में 10.92 प्रतिशत रही। पेट्रोल में महंगाई दर 32.40 प्रतिशत रही, जो पिछले महीने 2.50 प्रतिशत थी।

वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत वृद्धि

डीजल में महंगाई दर अप्रैल में 25.19 प्रतिशत रही जबकि मार्च में यह 3.26 प्रतिशत थी। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद सरकार ने अब तक पेट्रोल और घरेलू एलपीजी की कीमतों को स्थिर रखा है ताकि उपभोक्ताओं को कीमतों में बढ़ोतरी के असर से बचाया जा सके। वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हालांकि वृद्धि की गई है। इसका असर अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति की 3.48 प्रतिशत की दर में स्पष्ट नजर आया।

ब्रीफ न्यूज

सतीशन होंगे केरल के मुख्यमंत्री, राज्यपाल को समर्थन पत्र सौंपा

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पद के लिए नामित वीडी सतीशन ने गुरुवार को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से मुलाकात कर समर्थन पत्र सौंपा। शपथ समारोह 18 मई को होने की संभावना है। राज्यपाल से मुलाकात के दौरान केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रमुख सनी जोसेफ और राज्य की कांग्रेस प्रभारी दीपा दासमुंसी सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे। सतीशन को कांग्रेस विधायक दल के नेता के रूप में सर्वसम्मति से चुने गए।

रिलायंस कम्युनिकेशंस धोखाधड़ी मामले में सात परिसरों में तलाशी

नई दिल्ली। सीबीआई ने अनिल धीरूभाई अंबानी समूह की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले में सात परिसरों में तलाशी अभियान चलाया। सीबीआई ने कहा कि मुंबई, गुरुग्राम और बेंगलुरु में कंपनी के तत्कालीन सीईओ, सीएफओ और निदेशकों के आवासीय परिसरों पर तलाशी ली गई जिन्होंने 2015-2017 की अवधि के दौरान अपनी सेवाएं दीं। इस दौरान आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए और इस संबंध में जांच जारी है।

भारत पश्चिम एशिया और होर्मुज संकट से निपटने में हर योगदान देने को तैयार

ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में बोले जयशंकर, कहा- व्यावहारिक रास्ते खोजने होंगे

- भारत ने की बैठक की अध्यक्षता, ईरान रूस, ब्राजील और समूह के कई सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों ने भाग लिया

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने गुरुवार को पश्चिम एशिया के संकट और होर्मुज में तेल आपूर्ति तथा समुद्री स्थिरता पर इसके प्रभाव पर गंभीर चिंता जताते हुए ब्रिक्स देशों से भू-राजनीतिक उथल-पुथल से बेहतर ढंग से निपटने के लिए व्यावहारिक तरीके खोजने का आग्रह किया। साथ ही कहा कि भारत इस संकट से निपटने में हर योगदान देने को तैयार है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यह टिप्पणी यहां आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में की जिसमें ईरान, रूस, ब्राजील और समूह के कई अन्य सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों ने भाग लिया।

उन्होंने किसी देश विशेष का नाम लिए बिना कहा कि अंतर्राष्ट्रीय संबंध संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर आधारित होने चाहिए और किसी संघर्ष के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति ही सतत मार्ग प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि शांति टुकड़ों में नहीं हो सकती और अंतर्राष्ट्रीय कानून का पालन करना, आम लोगों की रक्षा करना और सार्वजनिक ढांचे को निशाना बनाने से बचना जरूरी है। विदेश मंत्री ने होर्मुज व लाल सागर से सुरक्षित और निर्बाध समुद्री आवाजाही सुनिश्चित करने की भी जोरदार वकालत की और गाजा में लड़ाई के गंभीर मानवीय असर पर चिंता जताई। ब्रिक्स दुनिया की 11 प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं का समूह है जो वैश्विक व्यापार का 26 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करता है।

नई दिल्ली : ब्रिक्स की बैठक में शामिल हुए विदेश मंत्रियों के साथ एस जयशंकर।

भारत की मेजबानी में हुई बैठक के कई मायने

भारत की मेजबानी में हुई यह बैठक इसलिए और भी जरूरी हो गई है क्योंकि यह प्रभावशाली समूह प. एशिया संकट के आर्थिक नतीजों, खासकर ऊर्जा आपूर्ति में भारी रुकावटों और व्यापार तथा शुल्क पर अमेरिका की नीति से जूझ रहा है। जयशंकर ने कहा, संघर्ष पर खास ध्यान देने की जरूरत है। लगातार तनाव, समुद्री यातायात के लिए जोखिम और ऊर्जा ढांचे में रुकावटें स्थिति की नाजुकता को दिखाती हैं। निर्बाध आवागमन वैश्विक आर्थिक भलाई के लिए अहम हो गया है।

इजराइल-अमेरिका की निंदा करे ब्रिक्स

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान अवैध विस्तारवाद और युद्धोन्माद का शिकार है तथा ब्रिक्स देशों को अंतर्राष्ट्रीय कानून के उल्लंघन को लेकर अमेरिका तथा इजराइल की स्पष्ट रूप से निंदा करनी चाहिए। ये घिनौनी बातें हैं जिनका आज की दुनिया में कोई स्थान नहीं है। भारत द्वारा आयोजित इस बैठक का महत्व और भी बढ़ गया क्योंकि प्रभावशाली गुट पश्चिम एशिया संकट के आर्थिक नतीजों से जूझ रहा है, युद्ध से ऊर्जा आपूर्ति में आई गंभीर बाधाओं के चलते।

रूस के विदेश मंत्री लावरोव ने मोदी से कई मुद्दों पर की चर्चा

नई दिल्ली। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने यूक्रेन और पश्चिम एशिया की स्थिति समेत पारस्परिक हित के विभिन्न क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री ने भारत आए सभी देशों के विदेश मंत्रियों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने लावरोव के साथ बैठक में भारत के उस दृढ़ रुख को दोहराया कि संवाद और कूटनीति ही आगे बढ़ने का बेहतर मार्ग है। मोदी ने संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के उद्देश्य से किए जा रहे प्रयासों के प्रति भारत का निरंतर समर्थन दोहराया। कहा कि हमने यूक्रेन और प. एशिया की स्थिति व अन्य मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

- पीएम ने भारत आए विदेश मंत्रियों से की मुलाकात

ईरान ने यूएई को धमकाया इजराइल से साठगांठ पड़ेगी महंगी

सम्मेलन के दो सत्रों में से एक के दौरान अराघची और यूएई के विदेश मामलों के राज्य मंत्री खलीफा शाहीन अल मरार के बीच तीखी बहस हुई और रूसी विदेश मंत्री लावरोव ने स्थिति को शांत कराने के लिए हस्तक्षेप किया। अराघची ने इस्राइल से किसी भी प्रकार की गुप्त साठगांठ के खिलाफ सख्त चेतावनी जारी की है।

दिल्ली : महिला का अपहरण कर चलती बस में गैंगरेप

नई दिल्ली, एजेंसी

- सड़क पर फेंककर भागे दरिंदे नांगलोई में हुई वारदात, ड्राइवर और कंडक्टर गिरफ्तार

दिल्ली में एक बार फिर से निर्भया जैसा कांड हो गया। यहां के मंगोलपुरी इलाके में काम से घर लौट रही 30 वर्षीय एक शादीशुदा महिला को एक निजी स्लीपर बस के अंदर घसीटकर ले जाया गया और चालक व परिचालक ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। इसके बाद उसे बस से बाहर फेंक दिया गया। इस बाबत दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। 14 साल बाद फिर से हुई इस खौफनाक वारदात ने लोगों को हिलाकर रख दिया है।

साल 2012 के निर्भया सामूहिक दुष्कर्म कांड की याद दिलाने वाली यह घटना 11 मई को हुई। पुलिस सूत्रों ने घटना का ब्यौरा देते हुए बताया कि महिला मंगोलपुरी इलाके की एक फैक्टरी में काम करने के बाद घर लौट रही थी और सरस्वती विहार के बी-ब्लॉक बस स्टैंड के पास पहुंचते ही उसने आरोपियों में से एक को बस के दरवाजे के पास खड़ा देखा और उससे समय पूछा। इसके बाद आरोपी ने उसे बस के अंदर खींच लिया और बस को नांगलोई की ओर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। विवाहिता और तीन बच्चों की मां के बयान के अनुसार, दोनों पुरुषों ने बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जिस समय महिला पर हमला हुआ उस समय बस नांगलोई मेट्रो स्टेशन के पास खड़ी थी। बस को जब्त कर लिया गया है।

डीसीपी विक्रम सिंह ने कहा, रानी बाग थाने में हमें एक महिला के साथ गैंपरेप की सूचना मिली। घटना की जानकारी सबसे पहले पीसीआर कॉल से मिली जिसमें उसने आरोप लगाया था कि दो व्यक्तियों ने यौन उत्पीड़न किया है।

महिला को पीटा, चेहरे और हाथ पर आई चोट

पीड़िता के पति ने बताया कि घटना के दौरान महिला को पीटा गया था और उसके चेहरे और हाथों पर चोटें आई थीं। उन्होंने कहा, महिला के एक रिश्तेदार ने उसे एस ब्लॉक के पास छोड़ा था। हमें पता चला कि उसे जबरदस्ती बस के अंदर ले जाया गया और दो लोगों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। हमें पुलिस से पूरा सहयोग मिल रहा है। सूत्रों ने बताया कि पुलिस पीड़ित को बस के अंदर घसीटे जाने के क्षण से लेकर बस जहां जहां गई उस पूरे मार्ग का नक्शा बनाने की योजना बना रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि घटना के समय वहां कोई और मौजूद था या नहीं।

16 राज्यों व 3 केंद्र शासित प्रदेशों में होगी एसआईआर

नई दिल्ली, एजेंसी

- यहां 36.73 करोड़ वोटर्स, 30 मई से 23 दिसंबर के बीच होगा वेरिफिकेशन, पंजाब-उत्तराखंड और मणिपुर में अगले साल चुनाव

निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में 30 मई से चरणबद्ध तरीके से मतदाता सूची के एसआईआर के तीसरे दौर की शुरुआत की घोषणा की, जो 23 दिसंबर तक चलेगी।

निर्वाचन आयोग ने कहा कि इस चरण में दिल्ली, ओडिशा, मिजोरम, सिक्किम, मणिपुर, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, तेलंगाना, पंजाब, कर्नाटक, मेघालय, महाराष्ट्र, झारखंड, नगालैंड, त्रिपुरा, दादर और नगर हवेली तथा दमन और दीव में एसआईआर होगा।

पंजाब, झारखंड, कर्नाटक और तेलंगाना उन विपक्ष शासित राज्यों में हैं जहां एसआईआर की प्रक्रिया संचालित होगी। एसआईआर के तीसरे चरण के दौरान 3.94 लाख से अधिक बूथ स्तरीय अधिकारी 36.73 करोड़ मतदाताओं से घर-घर जाकर जानकारी जुटाएंगे। उनकी सहायता के लिए राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त 3.42 लाख बूथ स्तरीय एजेंट होंगे। हिमपात वाले क्षेत्रों हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए एसआईआर का कार्यक्रम बाद में घोषित किया जाएगा। एसआईआर के तीसरे चरण का कार्यक्रम इस समय जारी जनगणना में मकानों की गिनती की प्रक्रिया में लगे कर्मियों के अनुरूप तय किया गया है।

एसआईआर के तीसरे चरण में पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लें : ज्ञानेश

एसआईआर के इस चरण को लेकर अपने संदेश में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, मैं सभी मतदाताओं से अपील करता हूं कि वे एसआईआर के तीसरे चरण में पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लें और अपने फॉर्म भरें। एसआईआर इस उद्देश्य के साथ किया जा रहा है कि सिर्फ पात्र मतदाताओं के नाम सूची में रहें और कोई भी अपात्र नाम नहीं रहे।

होर्मुज में एक और भारतीय जहाज 'हाजी अली' डूबा

- सभी 14 क्रू मेंबर्स सुरक्षित्र, ड्रोन या मिसाइल जहाज से टकराई

नई दिल्ली। ईरान जंग के बीच होर्मुज स्ट्रेट में गुजरात का एक और मालवाहक जहाज डूब गया।

हाजी अली नाम का जहाज 13 मई की सुबह ओमान के समुद्री क्षेत्र से गुजर रहा था, तभी उससे ड्रोन या मिसाइल जैसा हथियार से हमला हुआ। हादसे के बाद जहाज में आग लग गई, हालांकि ओमान कोस्टगार्ड ने सभी 14 क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बचा लिया। जहाज मालिक सुलतान अहमद अंसार ने बताया कि हाजी अली जहाज बेरबेरा पोर्ट से शारजाह जा रहा था। सुबह 3:30 बजे ओमान के समुद्री तट के पास जहाज हादसे का शिकार हो गया।

एलपीजी लदे दो टैंकरों ने पार किया होर्मुज

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत के लिए एलपीजी लेकर आ रहे दो टैंकर ने होर्मुज को पार कर लिया है। 'सिमी' नामक एलपीजी टैंकर 13 मई को जलडमरूमध्य पार कर गया, जबकि 'एनवी सनशाइन' टैंकर ने गुरुवार को सुरक्षित रूप से इस मार्ग को पार किया। अब तक कुल 13 भारतीय पोत इस मार्ग से निकल चुके हैं।

जिनपिंग ने ताइवान मुद्दे पर ट्रंप को दी चेतावनी

बीजिंग। ईरान युद्ध, ऊर्जा सुरक्षा व व्यापार जैसे व्यापक मुद्दों पर विस्तृत चर्चा के बीच चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने गुरुवार को राष्ट्रपति ट्रंप को चेतावनी दी कि ताइवान मुद्दे को गलत तरीके से संभालने से दोनों देशों के बीच टकराव और यहां तक कि संघर्ष की स्थिति पैदा हो सकती है।

बीजिंग में दो घंटे तक हुई वार्ता के पहले दौर के समापन के बाद, ट्रंप ने जिनपिंग और उनकी पत्नी को 24 सितंबर को व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया। बैठक के बाद जिनपिंग ने कहा, मैंने राष्ट्रपति ट्रंप के साथ रणनीतिक स्थिरता के रचनात्मक चीन-अमेरिका संबंधों के निर्माण के एक नए दृष्टिकोण पर सहमति व्यक्त की है। एजेंसी शिन्हुआ ने जिनपिंग के हवाले से कहा कि अगर स्थिति को सही ढंग से संभाला गया तो द्विपक्षीय संबंध कुल मिलाकर स्थिर रहेंगे, अन्यथा, टकराव और संघर्ष का सामना करना पड़ सकता है, जिससे द्विपक्षीय संबंध गंभीर खतरे में पड़ जाएंगे। (संबंधित देश-दुनिया पर)

अपील मुख्यमंत्री ने कहा- प. एशिया संकट पर सामूहिक जिम्मेदारी निभानी होगी, ईंधन बचत, कार पूलिंग और रिन्यूएबल एनर्जी अपनाने का आह्वान

देश रहेगा तो हम सब रहेंगे, यूपी अब विकास यात्रा का इंजन : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि देश रहेगा तो हम सब रहेंगे, प्रदेश सुरक्षित रहेगा तो हम सब सुरक्षित रहेंगे। संकट के समय देशहित सर्वोपरि होना चाहिए। प्रधानमंत्री की अपील को गंभीरता से पढ़कर और समझकर ही निष्कर्ष निकालना चाहिए। पश्चिम एशिया में उत्पन्न संकट का असर ईंधन, खाद्य और उर्वरक आपूर्ति पर पड़ सकता है। ऐसे समय कोविड-19 की तरह सामूहिक जिम्मेदारी निभाने के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है।

लखनऊ के एक होटल में गुरुवार को आयोजित कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री योगी ने नागरिकों से पब्लिक ट्रांसपोर्ट, कार पूलिंग, मेट्रो, इलेक्ट्रिक व्हीकल और रिन्यूएबल एनर्जी अपनाकर आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश को प्रश्न प्रदेश बना दिया गया था। दंगे, माफिया राज, भ्रष्टाचार, पलायन और किसानों की बदहाली आम बात थी। डबल इंजन सरकार बनने के बाद कानून व्यवस्था, बिजली, सड़क, सिंचाई और निवेश पर फोकस किया गया। आज विकास केवल लखनऊ, वाराणसी और गोरखपुर तक सीमित नहीं, बल्कि सभी 75 जिलों और 58 हजार ग्राम पंचायतों तक पहुंचा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उप्र अब बीमारू राज्य नहीं, बल्कि देश की विकास यात्रा का इंजन बन चुका है। देश के 60% एक्सप्रेसवे यूपी में हैं। पूर्वांचल, बुंदेलखंड और गंगा एक्सप्रेसवे तैयार हैं। जेवर में देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनकर तैयार है और 15 जून से उड़ानें शुरू होंगी। कृषि वृद्धि दर 8 से बढ़कर 18% तक पहुंची है व गन्ना किसानों का 92 प्रतिशत भुगतान किया जा चुका है। प्रदेश में 96 लाख एमएसएमई इकाइयां सक्रिय हैं, जिनसे करीब तीन करोड़ लोगों को रोजगार मिला है। 75 हजार एकड़ का लैंड बैंक तैयार किया गया है और 34 सेक्टरों के लिए अलग-अलग नीतियां बनाई गई हैं। अब यूपी निवेश का सबसे भरोसेमंद गंतव्य बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 9 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है और पेपर लीक व नकल को संज्ञेय अपराध बनाकर कड़ी सजा का प्रावधान किया गया है।

बालिग होती पीढ़ी को सही जानकारी देना आवश्यक

मुख्यमंत्री ने कहा कि बालिग होती पीढ़ी को प्रदेश के बारे में सही जानकारी देना आवश्यक है। 500 से 1500 वर्ष पूर्व तक भारत की विश्व अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी 44-45 प्रतिशत थी, कारण था जीवन के हर क्षेत्र में सामूहिकता, समन्वय और परस्पर सहयोग। भारतीय कारीगर और व्यापारी विश्व बाजार तक अपनी वस्तुओं को पहुंचाते थे। खेती, मैन्युफैक्चरिंग और पर्यटन की व्यापक संभावनाओं के कारण भारत विश्व की आर्थिक महाशक्ति बना।

आक्रमणों के बावजूद भारत अस्तित्व बचाने में सफल

मुख्यमंत्री ने कहा कि हजार वर्षों के आक्रमणों, अत्याचारों और शोषण के बावजूद भारत अपने अस्तित्व और संस्कृति को बचाए रखने में सफल रहा, जो दुनिया में कम ही देखने को मिलता है। जब हमने अपने संसाधनों, ज्ञान और नवाचार पर विश्वास करना छोड़ दिया, रिसर्च एवं डेवलपमेंट को उपेक्षित किया तो पिछड़ते गए। उस समय जीवन इस तरह व्यवस्थित था कि कोई किसी पर बोझ न बने। यही कारण था कि भारत विश्व गुरु बना।

सभी को मिलेगा मुफ्त एआई प्रशिक्षण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रदेश में 'एआई फॉर ऑल' अभियान लागू
- कोर्स पूरा करने पर मिलेगा प्रमाण-पत्र

अमृत विचारः प्रदेश सरकार ने युवाओं और आम नागरिकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की जानकारी देने के लिए प्रदेशभर में 'एआई फॉर ऑल' अभियान लागू किया है। इस पहल के तहत कोई भी इच्छुक व्यक्ति घर बैठे निःशुल्क ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकता है।

प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के निर्देशन में उत्तर प्रदेश स्किल डवलपमेंट मिशन द्वारा यह कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसमें ओरेकल यूनिवर्सिटी सहयोग कर रहा है। उन्होंने कहा

कि एआई तेजी से रोजगार और उद्योगों का स्वरूप बदल रहा है। ऐसे में युवाओं को इस तकनीक से परिचित कराना समय की जरूरत है। मालूम हो कि इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 13 अप्रैल 2026 को मुजफ्फरनगर में आयोजित रोजगार मेले के दौरान किया था। सरकार का उद्देश्य युवाओं, विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को नई तकनीक से जोड़ना है।

तीन घंटे का ऑनलाइन कोर्स

'एआई फॉर यू: ट्रेनिंग एंड असिस्मेंट' नामक यह कोर्स लगभग तीन घंटे का है। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद ऑनलाइन मूल्यांकन होगा और सफल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र दिया जाएगा, जो करियर विकास में उपयोगी होगा। मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी मिशन की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर 'एआई फॉर ऑल' टैब के माध्यम से नि:शुल्क पंजीकरण कर सकते हैं।

आपदा प्रबंधन में भारत बना ग्लोबल लीडर : अमित शाह

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गाजियाबाद

- गाजियाबाद में एनडीआरएफ को मिला 'प्रेसिडेंट्स कलर'
- गृह मंत्री बोले- अब लक्ष्य 'जीरो कैजुअल्टी'

अमृत विचारः केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में "ग्लोबल लीडर" और "फर्स्ट रिस्पॉन्डर" बनकर उभरा है। बीते 20 वर्षों में एनडीआरएफ ने अपने साहस, समर्पण और परिश्रम से देश की 140 करोड़ जनता का भरोसा जीता है। उन्होंने कहा कि आपदा के समय एनडीआरएफ के जवानों को देखते ही लोगों में सुरक्षा और भरोसे का भाव पैदा होता है।

गाजियाबाद में गुरुवार को 8वीं वाहिनी एनडीआरएफ को 'प्रेसिडेंट्स कलर' प्रदान किए जाने के समारोह में अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार आपदा प्रबंधन को केवल राहत आधारित व्यवस्था तक सीमित नहीं रख रही, बल्कि "रिएक्टिव" से "प्रिवेंटिव और प्रोडक्टिव" मॉडल की ओर ले गई है। अब सरकार का लक्ष्य "मिनिमम कैजुअल्टी" से आगे बढ़कर "जीरो कैजुअल्टी" हासिल करना है। उन्होंने कहा कि आपदा के समय एनडीआरएफ के जवानों ने अब तक 1.5 लाख से अधिक लोगों की जान बचाई और 9 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया है।

गाजियाबाद में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 8वीं वाहिनी एनडीआरएफ को उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित करते गृहमंत्री अमित शाह।

गृह मंत्री ने कहा कि यह सम्मान केवल एनडीआरएफ का नहीं, बल्कि एसडीआरएफ, पंचायतों, एनसीसी, एनएसएस और हजारों आपदा मित्रों की सेवाओं की भी स्वीकृति है। उन्होंने कहा कि 116 करोड़ रुपये से अधिक लागत की छह परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी किया गया है, जिससे आपदा प्रबंधन तंत्र और मजबूत होगा। अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने आपदा प्रबंधन के लिए 10 सूत्रीय एजेंडा और 360 डिग्री अप्रोच अपनाई है। रिस्क मैपिंग, अर्ली वार्निंग, कम्युनिटी पार्टिसिपेशन और गाइडलाइंस निर्माण के जरिए भारत ने वैश्विक स्तर पर नई पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि "वसुधैव कुटुंबकम्" की भावना को धरातल पर उतारते हुए भारत दुनिया में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय हीट वेव जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए भी व्यापक तैयारी कर चुका है और सरकार हीट वेव से होने वाली मृत्यु दर को शून्य तक लाने की दिशा में काम कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

वाहन और डीएल संबंधी ऑनलाइन सेवाएं प्रभावित

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश ही नहीं, देशभर में पिछले कुछ दिनों से 'वाहन' पोर्टल तकनीकी कारण से प्रभावित हैं। जिसकी वजह से प्रदेश में पोर्टल आधारित ड्राइविंग लाइसेंस समेत वाहन संबंधी ऑनलाइन सेवाएं प्रभावित हैं। उप्र. के परिवहन आयुक्त आशुतोष निरंजन ने बताया कि पोर्टल को पुराने सिस्टम से नए क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर पर माइग्रेट करने के दौरान यह समस्या उत्पन्न हुई है। परिवहन आयुक्त ने बताया कि इस संबंध में एनआईसी मुख्यालय, नई दिल्ली के उप-महानिदेशक एवं विभागाध्यक्ष (ई-ट्रांसपोर्ट) तथा एनआईसी लखनऊ के तकनीकी निदेशक ने यह जानकारी दी है। परिवहन आयुक्त ने कहा कि संबंधित तकनीकी विशेषज्ञ और एनआईसी की विशेष टीम सिस्टम को पूरी तरह स्थिर और सुचारू बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने नागरिकों से धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए असुविधा पर खेद जताया है।

बिजली दरों पर निर्णायक बैठक अब 20 को

अमृत विचार, लखनऊ: उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने नई बिजली दरों पर निर्णय के लिए राज्य सलाहकार समिति की बैठक 20 मई को बुलाई है। इस बैठक में राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद 35 लाख गरीब उपभोक्ताओं को राहत देने का प्रस्ताव रखेगा। परिषद अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि प्रदेश में लाखों लोग घर के एक हिस्से में छोटी दुकान चलाकर आजीविका कमाते हैं। वर्तमान व्यवस्था में ऐसे लोगों पर व्यावसायिक बिजली कनेक्शन लेने का दबाव बनाया जाता है और कई बार कार्रवाई भी होती है। परिषद की मांग है कि छोटे घरेलू व्यवसाय करने वाले गरीब उपभोक्ताओं को घरेलू श्रेणी में ही बिजली उपयोग की अनुमति दी जाए। परिषद का दावा है कि बिजली कंपनियों पर उपभोक्ताओं का 51 हजार करोड़ रुपये से अधिक सरप्लस है, इसलिए दरों में कमी संभव है।

कृष्ण मृग अभयारण्य में ईको पार्क का 70 फीसदी काम पूरा

अमृत विचार, लखनऊ: कृष्ण मृग अभयारण्य में 4.99 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे ईको पार्क का करीब 70 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो गया है। परियोजना के तहत प्रवेश द्वार, पार्किंग, शौचालय, कैंटीन, वॉच टावर, सेल्फी प्वाइंट और बच्चों के लिए एक्टिविटी एरिया विकसित किया जा रहा है। साथ ही बर्ड जोन, लैंडस्केपिंग और फेंसिंग का काम भी चल रहा है। पर्यटन विभाग के अनुसार अब तक 3.62 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं। जयवीर सिंह ने कहा कि इससे क्षेत्र में पर्यटन बढ़ेगा।

शाह और नबीन से मिले योगी संगठन-सत्ता समन्वय पर मंथन

नए मंत्रियों के विभाग, आयोग-निगम नियुक्तियां और चुनावी रणनीति बैठक के केंद्र में रहीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः प्रदेश में हालिया मंत्रिमंडल विस्तार के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गुरुवार का दिल्ली दौरा राजनीतिक दृष्टि से बेहद अहम माना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से करीब एक घंटे चर्चा के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात कर मिशन-2027 की रणनीति समेत संगठन-सत्ता समन्वय पर मंथन किया। माना जा रहा है कि मंत्रियों के विभाग बंटवारे का पेंच सुलझ गया, साथ ही आयोगों, निगमों और बोर्डों में समायोजित करने को लेकर भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली में अमित शाह के आवास पहुंचकर उनसे करीब एक घंटे तक बातचीत की। गृह मंत्रालय ने इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा कीं, जिसमें मुख्यमंत्री गृह मंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट करते नजर आए। सूत्रों के मुताबिक बैठक में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद विभागों के बंटवारे, सरकार-संगठन समन्वय और आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई।

नई दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन से मुलाकात करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

मंत्रिमंडल विस्तार से बढ़ी संगठनात्मक हलचल

मंत्रिमंडल विस्तार के बाद भाजपा संगठन में नई सक्रियता देखी जा रही है। पार्टी नेतृत्व अब सरकार और संगठन के बीच बेहतर तालमेल के साथ विधानसभा चुनाव 2027 की जमीन तैयार करने में जुट गया है। आयोगों, निगमों और बोर्डों में नियुक्तियों को भी इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

दरअसल, 10 मई को हुए मंत्रिमंडल विस्तार में छह नए चेहरों को मंत्री बनाया गया था, जबकि दो राज्य मंत्रियों का कद बढ़ाकर कैबिनेट मंत्री किया गया। हालांकि शपथ ग्रहण के कई दिन बाद भी नए मंत्रियों को विभाग नहीं मिल सके हैं। मंत्रियों को कक्ष आवंटित हो चुके हैं, लेकिन विभागों के बंटवारे में शीर्ष नेतृत्व स्तर पर मंथन जारी है। माना जा रहा है कि विभागों के आवंटन में प्रशासनिक जरूरतों के साथ मिशन-2027 के चुनावी समीकरणों को भी ध्यान में रखा जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि भाजपा संगठन में लंबे समय से सक्रिय कार्यकर्ताओं को आयोगों, निगमों और बोर्डों में समायोजित करने को लेकर भी चर्चा हुई। पार्टी आगामी चुनाव से पहले संगठनात्मक संतुलन मजबूत करने और विभिन्न सामाजिक समूहों को साधने की रणनीति पर काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने भाजपा मुख्यालय पहुंचकर राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से भी शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट कर मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष का आभार जताया। माना जा रहा है कि इस बैठक में प्रदेश भाजपा संगठन की नई टीम, संगठनात्मक फेरबदल और चुनावी तैयारियों पर भी चर्चा हुई।

आंधी-तूफान से 111 मौतें, सीएम ने दिए राहत राशि देने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रयागराज, मिर्जापुर और संत रविदास नगर में सबसे ज्यादा हुई जनहानि
- मुख्यमंत्री ने डीएम व प्रभारी मंत्रियों को प्रभावित परिवारों से मिलने भेजा

अमृत विचारः प्रदेश में बीते 24 घंटे के दौरान आंधी-तूफान, ओलावृष्टि और आकाशीय बिजली ने भारी तबाही मचाई है। राहत आयुक्त के अनुसार, 26 जिलों में हुई प्राकृतिक आपदा में अब तक 111 लोगों की मौत, 72 लोगों के घायल होने, 170 पशुओं की मौत और 227 मकानों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना है। सबसे अधिक 21 मौतें प्रयागराज में हुईं, जबकि मिर्जापुर में 19, संत रविदास नगर में 16 और फतेहपुर में 11 लोगों की जान गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटनाओं का संज्ञान लेते हुए सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रभावित परिवारों का तत्काल सत्यापन कर 24 घंटे के भीतर सहायता राशि वितरित की जाए।

किसानों और पशुपालकों को कितनी मदद

प्राकृतिक आपदा में मृत्यु पर 4 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। 33 प्रतिशत से अधिक फसल नुकसान पर किसानों को 8500 रुपये से लेकर 22,500 रुपये प्रति हेक्टेयर तक मुआवजा मिलेगा। दुधारू पशु की मृत्यु पर 37,500 रुपये और भेड़-बकरी की क्षति पर चार हजार रुपये प्रति पशु सहायता तय की गई है।

सबसे ज्यादा प्रभावित जिले

प्रयागराज, मिर्जापुर, संत रविदास नगर, फतेहपुर, बाराबंकी, बहराइच, कानपुर देहात, बस्ती, संभल, हरदोई, उन्नाव समेत 19 जिलों में जनहानि, पशुहानि और फसल हानि की जानकारी सामने आई है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से प्रभावित परिवारों से सीधे संवाद स्थापित कर अन्य आवश्यक मदद भी उपलब्ध कराने को कहा है। मुख्यमंत्री ने सभी प्रभारी मंत्रियों को भी राहत कार्यों की समीक्षा और प्रभावित परिवारों से मुलाकात करने के निर्देश दिए हैं।

राहत आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रभावित जिलों के जिलाधिकारियों और अपर जिलाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए कि अधिकारी स्वयं प्रभावित परिवारों से मिलें और राहत में देरी न होने दें।

छात्राओं को दें रोजगारपरक प्रशिक्षण : राज्यपाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आनंदीबेन पटेल ने रज्जू भैया विवि से संबद्ध कॉलेजों की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

अमृत विचार : राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि महाविद्यालयों को नैक और एनआईआरएफ रैंकिंग में बेहतर प्रदर्शन के लिए कमियों को समयबद्ध ढंग से दूर करना होगा। उन्होंने छात्राओं को कौशल एवं रोजगारपरक प्रशिक्षण देने, पुस्तकालय संस्कृति विकसित करने और सुरक्षित शैक्षिक वातावरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

कुलाधिपति गुरुवार को जनभवन में प्रो.राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैया) यूनिवर्सिटी से संबद्ध शासकीय एवं वित्तपोषित महाविद्यालयों के कार्यों की समीक्षा कर रही थीं। बैठक में उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री तक सीमित न रहे, बल्कि विद्यार्थियों को मल्टीटास्क और कौशल आधारित बनाया जाए। इसके लिए निर्देश दिया कि छात्रावासों में रहने वाली छात्राओं को सिलाई, कढ़ाई, कंप्यूटर, गृह प्रबंधन और अन्य रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण दिया जाए। साथ ही छात्रावासों में बाहरी भोजन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने को कहा।

आनन्दीबेन पटेल ने कहा कि विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए पुस्तकालयों को सक्रिय बनाया जाए। पढ़ी गई पुस्तकों पर टिप्पणी, भाषण, वाद-विवाद और सामूहिक अध्ययन जैसी गतिविधियां नियमित कराई जाएं।

प्रधानमंत्री की अपील पर विधान परिषद समितियों के सभी अध्ययन दौरे स्थगित

अमृत विचार, लखनऊः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन और विदेशी मुद्रा की बचत संबंधी अपील का असर अब प्रदेश में तेजी से दिखाई देने लगा है। विधानसभा के बाद विधान परिषद ने भी संसदीय समितियों के सभी पूर्व निर्धारित अध्ययन दौरों को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया है। परिषद सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह के निर्देश पर जारी आदेश में प्रमुख सचिव डॉ. राजेश सिंह ने बताया कि संसदीय समितियों के सभी तयशुदा भ्रमण कार्यक्रम तत्काल प्रभाव से निरस्त किए जाते हैं। यह निर्णय प्रधानमंत्री की 10 मई को की गई अपील के क्रम में लिया गया है।

बरेली-बदायूं में पर्यटन परियोजनाओं के लिए 52 करोड़ रुपये की सौगात

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/बरेली

- मंदिरों के कायाकल्प से लेकर द्रौपदी स्वयंवर थीम पार्क तक, कई नई योजनाओं का शिलान्यास

अमृत विचार : पश्चिमी उत्तर प्रदेश में धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार ने बरेली और बदायूं में 52 करोड़ रुपये से अधिक की पर्यटन परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बरेली में 3.27 करोड़ रुपये की तीन परियोजनाओं का लोकार्पण किया, जिनमें श्री खुराफात धाम, प्राचीन शिव मंदिर और नवाबगंज स्थित भगवान शिव मंदिर का विकास शामिल है। साथ ही 22.53 करोड़ रुपये की 14 नई परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। इनमें अहिच्छत्र के समेकित पर्यटन विकास, लीलौर झील का ईको-टूरिज्म विकास और महाभारत कालीन द्रौपदी स्वयंवर थीम पार्क जैसी योजनाएं प्रमुख हैं। इसके अलावा त्रिवटीनाथ मंदिर, बड़ा बाग हनुमान मंदिर, रामजानकी मंदिर और चित्रगुप्त मंदिर के सौंदर्यीकरण कार्य भी किए जाएंगे।

वहीं बदायूं में 4.10 करोड़ रुपये की चार परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया। इनमें गंगा देवी मईया मंदिर, दुर्गा देवी भवन मंदिर, परी माता मंदिर और मलाई देवी मंदिर के विकास कार्य शामिल हैं। इसके साथ ही 22.36 करोड़ रुपये की छह परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। इनमें सबसे बड़ी परियोजना कछला गंगा घाट के विकास की है, जिस पर लगभग 17.92 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

नाथ कॉरिडोर का भी लिया जायजाः पर्यटन मंत्री ने बरेली में 60 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली नाथ कॉरिडोर परियोजना का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध ढंग से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

बिजली कर्मचारियों का मुख्यालय पर प्रदर्शन

निजीकरण और उत्पीड़न के विरोध में आंदोलन तेज करने की चेतावनी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर गुरुवार को मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के अंतर्गत आने वाले विभिन्न जनपदों के बिजली कर्मचारियों, संविदा कर्मियों, जूनियर इंजीनियरों और अभियंताओं ने मध्यांचल मुख्यालय पर विरोध-प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने निजीकरण और उत्पीड़न के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रबंधन के खिलाफ आक्रोश जताया। संघर्ष समिति के केंद्रीय पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि शांतिपूर्ण आंदोलन के बावजूद बिजली कर्मियों पर की गई

मध्यांचल मुख्यालय में विरोध-प्रदर्शन करते संघर्ष समिति के पदाधिकारी और कर्मचारी।

उत्पीड़नात्मक कार्रवाईयां वापस नहीं ली गईं तो प्रदेशव्यापी आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

विरोध-प्रदर्शन के दौरान समिति के संयोजक शैलेन्द्र दुबे ने बताया कि मार्च-23 में हुए आंदोलन के बाद ऊर्जा मंत्री ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रबंधन को कर्मचारियों के खिलाफ की गई सभी कार्रवाई वापस लेने के निर्देश दिए थे। बावजूद इसके, तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी संबंधित कार्रवाईयां समाप्त नहीं की गई हैं, जिससे कर्मचारियों में नाराजगी है। उन्होंने आगे कहा कि निजीकरण के विरोध में पिछले 533 दिनों से जारी आंदोलन के दौरान बिजली कर्मचारियों ने उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए कार्यालय समय के बाद ही सभाएं और प्रदर्शन किए। इसके बावजूद कर्मचारियों का लगातार उत्पीड़न किया जा रहा है, जिससे ऊर्जा निगमों में औद्योगिक अशांति का माहौल बन रहा है। मध्यांचल मुख्यालय पर आयोजित विरोध सभा को संघर्ष समिति के प्रमुख पदाधिकारियों जितेन्द्र सिंह गुर्जर, महेन्द्र राय, पीके दीक्षित, सुहेल आबिद, श्रीचंद, मोहम्मद वसीम, मोहम्मद इलियास, सनाउल्लाह, सरजू त्रिवेदी, केएस रावत, आरसी पाल और जय गोविन्द ने भी संबोधित किया।

देरी प्रस्ताव मांगते-मांगते चार महीने बीत गए, लेकिन अभी तक ढंग से प्रस्ताव नहीं पहुंच पाया

आईपीएस बनने को अभी फाइलों में संघर्ष कर रहे पीपीएस

वीके सिंह, लखनऊ

- पत्रावलियों की औपचारिकता पूर्ण करना बना टेढ़ी खीर

अमृत विचारः उप्र. पुलिस के वरिष्ठ पीपीएस अधिकारियों को आईपीएस बनने में अभी समय लगेगा। इसका कारण पत्रावलियों की औपचारिकता पूर्ण करना मात्र है। प्रस्ताव मांगते-मांगते चार महीने बीत गया, लेकिन अभी तक ढंग से प्रस्ताव नहीं पहुंच पाया है। एक बार पहुंचा भी तो इसलिए वापस कर दिया गया कि एनेक्जर में सूचनाएं मंगल फांट में नहीं हैं। कभी एसीआर में पाई गई कमियों के आधार पर पुलिस मुख्यालय वापस कर दिया गया। अब जब प्रस्ताव विधिवत आएगा तभी पदोन्नति की फाइल आगे बढ़ेगी।

5 फरवरी 2026 को गृह विभाग से पुलिस मुख्यालय को पत्र लिखकर प्रांतीय पुलिस सेवा से भारतीय पुलिस सेवा (यूपी संवर्ग) में पदोन्नति के लिए सेलेक्ट लिस्ट निर्मित करने के संबंध में पत्र लिखा था। 23 मार्च को शासन द्वारा भेजे गए पत्र में पुलिस मुख्यालय से कहा गया कि प्रस्ताव मंगल फांट में अविलंब भेजा जाए। एक माह बीतने के बाद पुनः 24 अप्रैल को पुलिस मुख्यालय को पत्र भेजा गया कि प्रस्ताव मंगल फांट में नहीं आया है, ठीक करके भेजिए। 4 मई 2026 को लिखे गए एक अन्य पत्र के सापेक्ष 11 मई को फिर पत्र सिलेक्ट लिस्ट 2025 निर्मित किए जाने के संबंध में कमियों का निराकरण करने के लिए लिखा गया। कुल मिलाकर कभी फांट, कभी कॉलम में मांगी गई औपचारिकताओं तो कभी अन्य कारणवश पीपीएस अफसरों के पदोन्नति में लगातार देरी की जा रही है। इससे पीपीएस संवर्ग में आक्रोश की स्थिति है। अधिकारियों का कहना है कि पहले से ही समय पर पदोन्नति नहीं हो रही है। अब जब 29 रिक्तियों के सापेक्ष नाम मांगे जा रहे हैं तो ठीक से प्रस्ताव में ही चार, छह महीने लग जा रहे हैं।

इन अधिकारियों के एसीआर, डोजियर व एनेक्जर में मिली थीं कमियां

पुलिस मुख्यालय से शासन को 87 पीपीएस अफसरों का प्रस्ताव बनाकर भेजा गया था। इसमें भी तमाम कमियां उजागर हुई हैं। करीब 40 पीपीएस अधिकारी हैं, जिनके प्रस्ताव को लेकर आपत्तियां लगी हैं। इन अधिकारियों का नाम उनके कॉलम के साथ ठीक से भेजने को कहा गया है। जिन अधिकारियों के नाम के आगे कमियां पाई गई हैं, उनमें वीरेंद्र कुमार, शोएब इकबाल, राहुल मिठास, महेश सिंह अत्रि, विनीत भटनागर, जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव, ज्ञानेंद्र नाथ प्रसाद, मधुवन कुमार सिंह, बलवंत कुमार चौधरी, राजेश कुमार पांडेय, विकास चंद्र त्रिपाठी, पूर्णेन्दु सिंह, हरेंद्र कुमार, अभयनाथ त्रिपाठी, डॉ पवित्र मोहन त्रिपाठी, देवेश कुमार शर्मा, प्रशांत कुमार प्रसाद, प्रवीन सिंह चौहान, असीम चौधरी, राहुल मिश्रा, राजेश कुमार श्रीवास्तव, मनीष कुमार मिश्र, कुमार रणविजय सिंह, दिनेश कुमार द्विवेदी, मनोज कुमार पांडेय, चिरंजीव मुखर्जी, राजेंद्र प्रताप यादव, मनीषा सिंह, शिवराज, प्रज्ञा मिश्रा, अयोध्या प्रसाद सिंह, उमेश कुमार यादव, राधे श्याम राय, राम अर्ज, अखिलेश भदौरिया, संजय कुमार यादव, दिनेश कुमार द्विवेदी, कमल किशोर, अनूप कुमार, सीताराम शामिल हैं। कमियां दुरुस्त करके पुन: वापस भेजने को कहा गया है।

पीएमएस एसो. चुनाव को समिति गठित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- छह साल बाद सभी जिलों में एक साथ होंगे चुनाव, डॉ. गयासुद्दीन खान बनाए गए समिति अध्यक्ष

अमृत विचारः आखिरकार उत्तर प्रदेश के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने प्रोविंशियल मेडिकल सर्विसेज (पीएमएस) एसोसिएशन के चुनाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है। फर्म्स, सोसाइटी एवं चिट्स, लखनऊ के डिप्टी रजिस्ट्रार के निर्देश के बाद स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ.पवन कुमार अरूण ने चुनाव को संपन्न कराने के लिए डॉ.गयासुद्दीन खान के नेतृत्व में पांच सदस्यीय निर्वाचन समिति का गठन किया है।

महानिदेशक के आदेश में कहा गया है कि एसोसिएशन का चुनाव प्रदेश के सभी 75 जिलों में एक साथ उसके अनुमोदित नियमों और उपनियमों के अनुसार कराया जाएगा। चुनाव के परिणाम डिप्टी रजिस्ट्रार को भेजे जाएंगे।

समिति के सदस्यों को सौंपी गई जिम्मेदारीः चुनाव प्रक्रिया के समन्वय और संचालन के लिए बनाई गई समिति की अध्यक्षता मेडिकोलीगल,सेल के डॉ. गयासुद्दीन खान करेंगे। साथ ही संयुक्त निदेशक मलेरिया डॉ. विकास सिंघल, जेडी परिवार कल्याण डॉ. अश्वनी, बीआरडी चिकित्सालय, लखनऊ के डॉ. मनीष शुक्ला और एसएमओ, बाराबंकी डॉ. विकास यादव को सदस्य बनाया गया है।

छह साल बाद होंगे चुनावः पीएमएस एसोसिएशन के चुनाव करीब छह वर्ष बाद कराए जा रहे हैं। मौजूदा कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ.सचिन वैश्य के अनुसार, पिछला चुनाव वर्ष 2019-20 में हुआ था। उन्होंने बताया कि कार्यकाल पूरा होने से पहले ही कोविड-19 महामारी के कारण प्रदेशभर में संगठन की गतिविधियां प्रभावित हो गईं और लगभग 3 वर्षों तक चुनाव प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। इसके बाद मामला न्यायालय पहुंच गया। फर्म्स, सोसाइटी एवं चिट्स, लखनऊ के डिप्टी रजिस्ट्रार ने वर्तमान कार्यकारिणी को कार्यवाहक के रूप में मान्यता दी थी। अब नए आदेश के तहत 10 जुलाई 2026 तक एसोसिएशन के चुनाव संपन्न कराए जाने हैं।

मिलते-जुलते नामों, डिज़ाइन व कलर स्कीम से भ्रमित न हों
केवल असली होलोग्राम युक्त एम. के. बन्धानी हींग ही खरीदें
पाँच पीढ़ी की विश्वसनीय हींग परम्परा
पुण्यश्लोक गोलोकवासी बाबू किशोर चन्द कपूर "किशोर" जी के आशीर्वाद से अभिसिंचित एवम् संचालित
एम. के. बन्धानी हींग
श्री के. एम. डिस्ट्रीब्यूटर

विक्रय केन्द्र : नारायन प्लाजा, 51/71 नयागंज कानपुर 208001, फोन – 9519456555, 9695416555

पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के छोटे पुत्र प्रतीक यादव की अंतिम यात्रा उनके आवास विष्णुपद से निकली, सड़क पर पहुंचते ही शव वाहन के पीछे हजारों वाहनों का हुजूम शामिल हो गया। बैकुंठधाम में पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने चिता में लकड़ियां रखकर नम आंखों से भाई को अंतिम विदाई दी।

पंचतत्व में विलीन हुए प्रतीक, ससुर ने दी मुखाग्नि

बैंकुंठ धाम में किया गया अंतिम संस्कार, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक के अलावा मंत्री, विधायक, सांसद भी पहुंचे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के भाई प्रतीक यादव गुरुवार को पंच तत्व में विलीन हो गए। बैंकुठ धाम में ससुर अरविंद सिंह बिष्ट ने चिता को मुखाग्नि दी।

विक्रमादित्य स्थित विष्णुपद आवास से सुबह करीब 11.58 बजे प्रतीक यादव की अंतिम यात्रा निकाली। अर्थी उठते ही लोगों की आंखें नम हो गई। पत्नी अपर्णा यादव और बेटियां प्रथमा यादव व पद्मजा यादव फूट-फूट कर रोने लगीं। अपर्णा ने दोनों बेटियों को सीने से लगा कर संभाला। समाजवादी पार्टी कार्यालय के पास फूलों से सजो वाहन पर शव को रखकर बैकुंठ धाम ले जाया गया। शव यात्रा में पूर्व सीएम अखिलेश यादव, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, बृजेश पाठक, मंत्री ओम प्रकाश राजभर, बेबी रानी मौर्य, पूर्व सांसद कौशल किशोर, विधायक जय देवी, मंत्री सतीश शर्मा, विधायक राजेश्वर सिंह, नीरज सिंह, प्रतीक के चाचा शिवपाल यादव, भाभी डिंपल यादव, भाई धर्मेंद्र यादव, आदित्य यादव व अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद, शामिल रहे। शव यात्रा निकलने के कुछ देर के बाद अपर्णा भी दोनों बेटियों को लेकर बैकुंठ धाम पहुंच गई। चिता के पास बेटियां बेसुध हालत में पहुंची। उन्हें परिवार के लोगों ने संभाला। बैकुंठ धाम पर हर जुबान पर एक ही बात थी कि अर्थी का मुखाग्नि कौन देगा? परिवार से चाचा और रिश्ते के भाई सब मौजूद थे। इसी दौरान प्रतीक के ससुर अरविंद सिंह बिष्ट अर्थी तक पहुंचे, तब जाकर लोगों को पता चला कि मुखाग्नि वह देंगे। इसके बाद दोपहर 1.54 मिनट पर ससुर ने चिता को मुखाग्नि दी।

बैंकुंठ धाम में दामाद प्रतीक यादव की चिता को मुखाग्नि देते ससुर अरविंद सिंह बिष्ट। अमृत विचार

स्वामी अवधेशानंद गिरि।

वाहनों से पटीं सड़कें

- प्रतीक के घर की सड़कें सुबह से ही वाहनों से पट गई। समाजवादी पार्टी दफ्तर से लेकर प्रतीक यादव के घर तक वाहनों की कतार लगी थी। गौतमपल्ली पुलिस और ट्रैफिक पुलिस यातायात को संभालने में जुटी थी। घर से जब शव यात्रा शुरू हुई तो बैकुंठ धाम तक वाहनों की लाइन लग गई। बैकुंठ धाम से लेकर गोमती बैराज और बालू अड्डे तक वाहन दोनों साइड पर खड़े थे। इस दौरान शव वाहन के आगे पुलिस की गाड़ियां चलती रही।

सपा कार्यालय पर कुछ देर के लिए रखा गया पार्थिव शरीर

- प्रतीक के पार्थिव शरीर को कुछ समय के लिए रास्ते में समाजवादी पार्टी के कार्यालय में भी रखा गया। यह उस पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार किया गया, जिसके तहत श्मशान घाट पहुंचने से पहले पार्थिव शरीर को पांच बार जमीन पर रखा जाता है। शव यात्रा में बड़ी संख्या में सपा और भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी शिरकत की। दोपहर करीब पौने एक बजे प्रतीक की शव यात्रा ''बैकुंठ धाम'' श्मशान घाट पहुंची और उनके पार्थिव शरीर के अंतिम संस्कार की प्रक्रिया शुरू की गयी।

अखिलेश ने भतीजी को दुलराया, दी चॉकलेट

- प्रतीक की अचानक हुई मौत ने परिवार के हर शख्स को तोड़ कर रख दिया है। बैकुंठ धाम में अखिलेश यादव आगे की पंक्ति में शिवपाल यादव के साथ बैठे थे, जबकि पांच वर्षीय भतीजी पद्मजा उनके बगल में बैठी थीं। वहीं बड़ी भतीजी प्रथमा शिवपाल यादव के पास बैठी थीं। अखिलेश यादव की आंखों में भी आंसू थे। इस दुख की घड़ी में अखिलेश यादव घर के बड़े सदस्य होने का फर्ज भी निभाते नजर आए। अपने पिता के निधन से बेखबर छोटी बेटी के सिर पर अखिलेश यादव ने उनके सिर पर हाथ फेरा और दुलार किया। अखिलेश यादव ने पद्मजा को एक चॉकलेट दी। बच्ची जब उसका रैपर खोलने में असमर्थ रही, तो उसने इशारे से अपनी परेशानी बताई। इसके बाद अखिलेश ने रैपर खोलकर चॉकलेट उसे वापस दे दी, जिस पर बच्ची ने उन्हें धन्यवाद कहा।

भतीजी पद्मजा यादव को दुलराकर ढांढस बंधाते अखिलेश।

शव वाहन पर भी दिखा प्रतीक यादव का पशु प्रेम

- प्रतीक यादव को पशुओं से काफी प्रेम था। वह स्ट्रीट डॉग्स की देखभाल किया करते थे। प्रतीक का पशु प्रेम उनके शव वाहन पर नजर आया। उनके शव वाहन को खास तरीके से सजाया गया था। सफेद फूलों से सजाए गए वाहन के दोनों साइड पर बड़े-बड़े बैनर लगे थे। बैनरों में जानवरों के साथ प्रतीक यादव की तस्वीर भी लगाई गई थी, जो उनके पशु प्रेमी होने की गवाही दे रही थी।

पिता को अंतिम विदाई देने बाबा शिवपाल सिंह यादव के साथ बैकुंठधाम जाती प्रतीक की बड़ी बेटी प्रथमा यादव।

अंतिम दर्शन किए

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक।

न्यूज ब्रीफ

महिला सफाईकर्मी से छेड़छाड़, विरोध पर पीटा

अमृत विचार, लखनऊ: बुद्धेश्वर इलाके की रहने वाली महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया है। आरोप है कि इलाके के एक निजी स्कूल में साफ-सफाई के साथ चपरासी का काम करती है। 12 मई की सुबह 9 .30 बजे स्कूल के पार्क में झाड़ लगा रही थीं। इसी बीच पार्क से सटे मकान का रहने वाले लोगों ने गालियां देनी शुरू की। सफाई करने से मना कर दिया। विरोध करने पर बंटी उर्फ अनुराग नाम के युवक के साथ सात-आठ लोग अंदर घुस आये। उसके साथ छेड़छाड़ की और जातिसूचक गालियां दी। विरोध करने पर उसकी पिटाई की। शोर मचाने पर स्कूल के गार्ड, शिक्षक, प्रबंधक और उनके बेटे पहुंचे और बीच-बचाव किया। इस पर आरोपियों ने उन लोगों के साथ भी मारपीट की। कई लोग चोटिल हो गये हैं। इंस्पेक्टर पारा सुरेश सिंह के मुताबिक तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

वृद्धा की गुम चेन को पड़ोसियों ने समझा लूट

अमृत विचार, लखनऊ: ऐशबाग के तिलकनगर निवासी रंजना निगम के अनुसार उनकी 94 वर्षीय चाची सरला निगम उम्र अधिक होने के कारण अक्सर बातें भूल जाती हैं और घर से बाहर भी नहीं निकलतीं। गुरुवार सुबह उन्होंने गले में हाथ लगाया तो चेन गायब मिली। काफी तलाश के बाद भी चेन नहीं मिली तो वह घर के बाहर जाकर खड़ी हो गईं। इसी दौरान टहलने निकले लोगों को उन्होंने चेन गायब होने की बात बताई, जिसे लोगों ने लूट की घटना समझ लिया और डॉयल-112 पर सूचना दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने पूछताछ की। बाद में भतीजी रंजना ने पुलिस को बताया कि चाची अक्सर सामान रखकर भूल जाती हैं और उनके साथ कोई लूट नहीं हुई है। इंस्पेक्टर बृजेश सिंह ने बताया कि लूट की सूचना गलत थी। परिजनों ने लिखित प्रार्थना पत्र भी दिया है।

चाचा पर किया धारदार हथियार से वार

अमृत विचार, उन्नाव: पारिवारिक भूमि विवाद मामले में कोर्ट के निर्देश पर पहुंची राजस्व व पुलिस टीम के सामने भतीजे ने चाचा पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इसमें वह गंभीर घायल हो गया। पुलिस कर्मियों ने हमलावर को हिरासत में लिया है। फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के हयासपुर गांव निवासी गणेश पुत्र स्व. रामकुमार ने वर्षों पूर्व एक मंदिर बनवाया था। जिसकी जमीन को लेकर उसका चाचा ओमकार से विवाद था। इसी विवाद को निपटाने के लिये गुरुवार को कोर्ट के आदेश को तामील कराने सफीपुर तहसील की राजस्व टीम फोर्स के साथ मौके पर पहुंची थी। इससे वहां मौजूद दोनों पक्षों में पुन: विवाद शुरू हो गया था। बात बढ़ी तो इसी बीच गणेश ने अपने चाचा पर धारदार हथियार से हमला कर दिया।

निवेश से पहले पोर्टल पर देखें परियोजना

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पारदर्शिता बढ़ाने के लिए रेरा ने खरीदारों को दी जांच की सलाह

अमृत विचार : भू सम्पदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) ने घर खरीदारों के हितों की सुरक्षा और रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए जरूरी जांच करने की सलाह दी है।

ऑनलाइन पोर्टल को और मजबूत बनाया है, ताकि परियोजनाओं से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण जानकारी आम जनता को आसानी से उपलब्ध हो सके। अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने बताया कि जानकारी के लिए आधिकारिक वेबसाइट up-rera.in पर जाएं और रजिस्टर्ड प्रोजेक्ट सेक्शन पर क्लिक करके परियोजना का नाम या पंजीकरण नंबर डालकर खोज सकते हैं। ब्ल्यू आइकन पर क्लिक करते ही परियोजना का विवरण खुल जाएगा।

इसमें परियोजना की मूल जानकारी जैसे प्रारंभ और पूर्णता तिथि, पंजीकरण संख्या, डिटेल, प्रमोटर की जानकारी मिलेगी। इसी विकल्प में प्रोजेक्ट डिटेल में जाकर विकास कार्य, बैंक विवरण, भूमि विवरण, अपलोड दस्तावेज आदि की पूरी जानकारी देखें। इसके अलावा हेल्प डेस्क नंबर 9151602229, 9151642229 पर संपर्क कर सकते हैं।

बंद घरों में चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

25 हजार रुपये व जेवर बरामद, दो वारदातों का खुलासा

अमृत विचार : बंद मकानों को निशाना बनाने वाले तीन शातिर चोरों को ठाकुरगंज पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 25 हजार नगद और सोने-चांदी के जेवर बरामद किए हैं। पुलिस ने दो वारदातों का खुलासा करते हुए आरोपियों को जेल भेज दिया है।

ठाकुरगंज इंस्पेक्टर ओमवीर सिंह चौहान ने बताया कि 18 अप्रैल को बसंतकुंज सेक्टर आई निवासी कमरून निशा ने घर में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़िता ने बताया था कि वह 16 अप्रैल को घर में तालाबंद कर अपने पूरे परिवार के साथ बाराबंकी गई थी। दो दिन बाद घर लौटकर आई तो मेन गेट का ताला टूटा हुआ था। इसके अलावा 9 मई को बसंतकुंज सेक्टर आई निवासी गीता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बताया था कि वह 7 मई को परिवार संग गोंडा गई थी। इसी बीच चोरी हुई।

छानबीन के दौरान गुरुवार को पुलिस ने मूसाबाग खंडहर के पास तीन आरोपियों को दबोच लिया। पूछताछ में अपना नाम नूर मोहम्मद उर्फ बाबू, मोहम्मद हमजा और आनन्द यादव बताया।

तीनों सेक्टर आई बसंतकुंज योजना ठाकुरगंज के निवासी है। पुलिस ने तीनों को जेल भेज दिया है।

दरोगा समेत तीन के खाते से उड़ाए 2.15 लाख

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- गोमतीनगर और कृष्णानगर में दर्ज हुए मुकदमे

अमृत विचार : साइबर जालसाजों ने अलीगंज थाने में तैनात उपनिरीक्षक समेत तीन लोगों के खातों से 2.15 लाख रुपये उड़ा लिए। कहीं गुम मोबाइल के जरिए खाते से रकम निकाली गई तो कहीं ऑनलाइन शॉपिंग और व्हाट्सएप कॉल के जरिए ठगी की गई। पुलिस ने गोमतीनगर और कृष्णानगर थानों में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अलीगंज थाने में तैनात उपनिरीक्षक अजय बहादुर सिंह का मोबाइल 9 मई को गोमतीनगर क्षेत्र में कहीं गिर गया था। मोबाइल में नेट बैंकिंग चालू थी। देर रात मिनी स्टेटमेंट चेक करने पर खाते से चार बार में 95 हजार रुपये निकाले जाने की जानकारी हुई। उन्होंने गोमतीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। गोमतीनगर के ग्वारी गांव निवासी महेंद्र कुमार से व्हाट्सएप कॉल के जरिए 50 हजार रुपये ठग लिए गए। वहीं कृष्णानगर के प्रेमनगर निवासी विपिन सोनी की पत्नी ने फेसबुक लिंक से ऑनलाइन खरीदारी की थी। कपड़े खराब मिलने पर रिफंड के नाम पर एप डाउनलोड कराई गई, जिससे मोबाइल हैक हो गया और खाते से 70 हजार रुपये निकाल लिए गए। पुलिस साइबर सेल की मदद से जांच कर रही है।

यूआरकेयू ने उठाईं कर्मियों की मांगें

अमृत विचार, लखनऊ: उत्तर रेलवे कर्मचारी यूनियन (यूआरकेयू) के पदाधिकारियों ने गुरुवार को आठवें वेतन आयोग के समक्ष रेलवे कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों और मांगों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। यूनियन ने रेलवे के विभिन्न संगठनों और कर्मचारियों से प्राप्त मांग-पत्रों को समाहित करते हुए कर्मचारियों की समस्याओं को विस्तारपूर्वक आयोग के सामने रखा। बैठक में टेक्नीशियन, जूनियर इंजीनियर, सीनियर सेक्शन इंजीनियर, लोको पायलट, चीफ लोको इंस्पेक्टर, रिजर्वेशन स्टाफ, फार्मासिस्ट, ट्रैकमैन, पॉइंट्समैन और चीफ लॉ असिस्टेंट सहित विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों की पदोन्नति, वेतनमान, कैडर संरचना और सेवा संबंधी समस्याओं पर चर्चा की गई।

मनमानी

मलिहाबाद में 85 .70 करोड़ रुपये से बनी मंडी में इस बार भी नहीं होगा आम का कारोबार

चेतावनी के बाद भी हाईवे पर सजने लगी आम की अवैध मंडी

संवाददाता, लखनऊ/मलिहाबाद

- हाईवे के दोनों तरफ कब्जा करके व्यापारी बनाने लगे दुकान लगेगा जाम

अमृत विचार : मलिहाबाद में 85.70 करोड़ रुपये की लागत से बनी वातानुकूलित मंडी में इस बार भी आम का कारोबार नहीं होगा। हर साल की तरह कारोबारियों ने लखनऊ-हरदोई राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवैध आम की मंडी सजाना शुरू कर दिया है। हाईवे के दोनों तरफ कब्जा करके तिरपाल, पन्नी व बास-बल्ली लगाकर करीब 60 दुकानें लगा ली हैं। जबकि बुधवार को एसडीएम और मंडी प्रशासन ने अवैध आम मंडी लगाने पर कार्रवाई की चेतावनी दी है, जिसका आढ़तियों पर कोई असर नहीं पड़ा है। इनके अवैध कारोबार और वाहनों की धमा-चौकड़ी से दो माह तक हाईवे जाम रहेगा और दुर्घटना की आशंका बनी रहेगी।

मंडी परिषद ने मलिहाबाद में केवल आम का कारोबार करने के लिए हाईटेक मंडी बनाई थी। लेकिन, आढ़तियों ने लाइसेंस नहीं लिए और हाईवे पर अवैध मंडी सजाकर देशभर में आम का कारोबार करते रहे। इससे करोड़ों की मंडी शोपीस बनी रही। ऐसे में शासन ने मंडी को फल, सब्जी समेत अन्य जिंस का कारोबार करने की अनुमति दे दी। पिछले वर्ष व्यापारियों ने लाइसेंस लिए और दुकानें भी आवंटित कराई। लेकिन, आम का कारोबार हाईवे पर अवैध मंडी लगाकर किया। इससे मंडी शुल्क को करोड़ों का नुकसान हुआ। दुकान सजाने से पहले पुलिस, प्रशासन और मंडी समिति ने कार्रवाई के प्रयास किए थे, लेकिन दबाव में सख्त कार्रवाई नहीं कर पाए। इस बार भी अफसरों की चेतावनी का कोई असर नहीं दिखा।

लखनऊ-हरदोई राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे बन रही अवैध मंडी। अमृत विचार

> बैठक में सभी को स्थाई मंडी में दुकानें लगाने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद भी हाईवे पर मंडी लगती है तो कार्रवाई करेंगे। यदि कोई किसान किराये पर अस्थाई मंडी के लिए जमीन देता है तो उस पर भी कार्रवाई करेंगे।
>
> **-अंकित कुमार,** एसडीएम मलिहाबाद

> आढ़तियों की मांग थी कि मंडी में टिनशेड और चबूतरा नहीं है जो बना दिए गए। बराबर अपील के बाद भी आढ़ती हाईवे किनारे अस्थाई मंडी लगा रहे हैं। इन पर कार्रवाई करके जुर्माना वसूल करेंगे। एसडीएम ने बैठक में कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।
>
> **-सुभाष सिंह,** मंडी सचिव

मलिहाबाद मंडी के 25 फर्मों के लाइसेंस निलंबित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लाइसेंस के नियमों का उल्लंघन करने पर की गई कार्रवाई

अमृत विचार : उप मंडी स्थल मलिहाबाद का लाइसेंस लेकर दुबग्गा मंडी में कारोबार करने वाली 25 फर्मों के लाइसेंस मंडी सचिव ने निलंबित कर दिए हैं। इनके द्वारा लाइसेंस के नियमों का उल्लंघन करके कारोबार किया गया। इससे मंडी शुल्क को करोड़ों का नुकसान हुआ है।

मंडी सचिव सुभाष सिंह ने बताया कि मैसर्स अनिल चौरसिया फ्रूट एंड वेजीटेबुल, एस मौर्या फ्रूट कंपनी, एसके एंड संस, गुफरान अहमद एंड संस, ज्ञान सिंह एंड संस, जय मां लक्ष्मी एंड कंपनी, जय मां दुर्गे, आदर्श चौरसिया फ्रूट एंड वेजीटेबुल, अनूप ट्रेडिंग कंपनी, ओम प्रकाश एंड कंपनी, शिवशक्ति फ्रूट कंपनी, प्रकाश एंड संस, आशुतोष बाबू लाल एंड कंपनी, मुनीर अहमद एंड ब्रदर्स, बब्लू एंड संस, अमीन एंड ब्रदर्स, बाला जी फ्रूट कंपनी, कुलदीप एंड संस, हरी शंकर एंड कंपनी, रामभरोसे लोधी एंड संस, चेतराम एंड संस, रिंकू एंड कंपनी, शुभम फ्रूट एंड वेजीटेबुल, आबाद खान एंड ब्रदर्स ,गौरव फ्रूट कंपनी के लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। इन फर्मों ने नोटिस का जवाब भी नहीं दिया।

यूपीएससी की तर्ज पर दो चरण में हो नीट, अलग एजेंसी कराए परीक्षा

पेपर लीक से उठे सवालों पर चिकित्सा विशेषज्ञों और शिक्षाविदों ने परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की बताई जरूरत

पद्माकर पाण्डेय, लखनऊ

अमृत विचार: मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी को लेकर लगातार सामने आ रहे विवादों ने देश की चिकित्सा शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। पेपर लीक, संगठित नकल गिरोह और परीक्षा प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के बीच चिकित्सा विशेषज्ञों और शिक्षाविदों ने परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की जरूरत बताई है।

डॉ.राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान,लखनऊ के हृदय रोग विभागाध्यक्ष डॉ.भुवन चंद्र तिवारी ने कहा कि नीट परीक्षा को यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन(यूपीएससी) की तर्ज पर दो चरणों में आयोजित किया जाना चाहिए। उनका सुझाव है कि दोनों चरणों के संचालन की जिम्मेदारी अलग-अलग एजेंसियों को दी जाए। पहले चरण के परिणाम के तुरंत बाद उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को दूसरे चरण का प्रवेश पत्र जारी किया जाए, ताकि परीक्षा की शुचिता और विश्वसनीयता बढ़े।

- मेरिट से समझौता देश की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए घातक

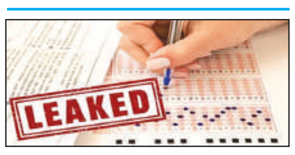

सिर्फ परीक्षा नहीं, भविष्य के डॉक्टरों की गुणवत्ता का सवाल

मेरठ के चिकित्सा विशेषज्ञ प्रो.(डॉ.) अनिल नौसरान ने कहा कि मेडिकल प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और मेरिट आधारित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश पाने वाले छात्रों की गुणवत्ता ही भविष्य की स्वास्थ्य व्यवस्था तय करती है। यदि अयोग्य अभ्यर्थी अनुचित साधनों से प्रवेश प्राप्त करते हैं, तो अंततः इसका नुकसान मरीजों और पूरे समाज को उठाना पड़ता है।

दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग

पूर्व आईएमए अध्यक्ष लखनऊ एवं केजीएमयू के पीडियाट्रिक सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ.जेडी रावत का कहना है कि नीट यूजी परीक्षा का पेपर लीक होना शर्मनाक स्थिति है, छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ है। उन्होंने कहा कि पता चला है कि पेपर प्रिंटिंग मशीन से ही लीक हो गया था, इसके लिए चुस्त-दुरुस्त व्यवस्था स्थापित करनी होगी। बताया कि पूर्व में हम लोग (केजीएमयू) सीपीएमटी की सफलतापूर्वक परीक्षाएं करा चुके हैं। दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए ताकि दुबारा कोई दुस्साहस न कर सके। उन्होंने कहा कि दुबारा परीक्षा कराना क्षतिपूर्ति नहीं है, जरूरी नहीं है बच्चे का हर पेपर अच्छा हो।

छात्रों का भरोसा हुआ कमजोर, लागू करें पुरानी व्यवस्था

लखनऊ आईएमए के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पैथोलॉजिस्ट डॉ.पीके गुप्ता का कहना है कि हर वर्ष विवाद सामने आने से छात्रों का भरोसा कमजोर हुआ है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को भंग कर देना चाहिए, साथ ही सुझाव दिया कि परीक्षा आयोजन की पुरानी व्यवस्था का पुनर्गठन किया जाना चाहिए। इससे एक दिक्कत से पूरे देश की परीक्षा प्रभावित नहीं होगी।

एनटीए और एनएमसी पर उठे सवाल

बरेली के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ.अतुल अग्रवाल का कहना है कि दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है, इस देश में एक परीक्षा ठीक से नहीं हो सकती है। इससे 22.50 लाख बच्चे और उनका परिवार प्रभावित हुआ है। केंद्रीय मंत्री धमेन्द्र प्रधान को नैतिकता के आधार पर तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए, दोषियों के खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए,भविष्य में किसी की हिम्मत न पड़े। डॉ.अतुल अग्रवाल ने इस देश की दो महत्वपूर्ण संस्थाए, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) और नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) को खत्म करने की मांग की है।

पिकअप ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत

आशीष रावत

अमृत विचार, सरोजनीनगर: बिजनौर के बंथरा-बिजनौर रोड पर स्थित कासिम खेड़ा में वेयरहाउस के सामने गुरुवार देर शाम को बेकाबू पिकअप ने सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। चालक ने रफ्तार धीमी नहीं की, बाइक सवार को रौंदता हुआ निकला गया। हादसे में बंथरा के चनखरा निवासी आशीष रावत (27) की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद कुछ दूरी पर चालक पिकअप छोड़कर भाग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं पिकअप को कब्जे में ले लिया। पुलिस के मुताबिक चार माह पूर्व आशीष की शादी हुई थी। हादसे के वक्त वह ससुराल जा रहा था।

बंथरा के चनखरा निवासी आशीष रावत की करीब 4 माह पहले फरवरी में मोहनलालगंज के कोड़रा गांव में रहने वाली सिमरन के साथ शादी हुई थी। आशीष लखनऊ एयरपोर्ट पर कैंटीन में काम करता था। आशीष शाम करीब 7 बजे बाइक से ससुराल जा रहा था। मृतक के परिवार में उसके पिता प्यारेलाल और उसकी मां के अलावा एक बड़ा भाई सरोज और दो विवाहित बड़ी बहनें हैं।

न्यूज ब्रीफ

पॉलीटेक्निक प्रवेश परीक्षा के आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

अमृत विचार, लखनऊ: संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद, उप्र. ने पॉलीटेक्निक प्रवेश परीक्षा (जेईईसीयूपी-2026) के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 17 मई कर दी है। पहले आवेदन की अंतिम तिथि 14 मई निर्धारित थी। परिषद के सचिव संजीव कुमार सिंह ने बताया कि अभ्यर्थियों और विभिन्न संस्थाओं की मांग को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। इससे पहले अंतिम तिथि 30 अप्रैल थी, जिसे बढ़ाकर 11 मई किया गया था। उन्होंने कहा कि इच्छुक अभ्यर्थी जेईईसीयूपी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। परीक्षा से संबंधित जानकारी के लिए परिषद के हेल्पलाइन नंबर 0522-2630106, 2630695, 2630667 और 2636589 पर संपर्क किया जा सकता है। परिषद के अनुसार, 11 मई तक 2,71,093 सीटों के सापेक्ष चार लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है।

पीएम की अपील को बनाएं जनआंदोलन

अमृत विचार, लखनऊ: भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील का समर्थन करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों, किसानों, निजी संस्थानों और आम लोगों से राष्ट्रहित में जीवनशैली में बदलाव अपनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों और आर्थिक चुनौतियों के बीच सादगी, बचत और स्वदेशी भावना को अपनाना समय की जरूरत है।

नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

अमृत विचार, लखनऊ: पीसीएस रिटायर्ड ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसिएशन, उप्र. की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कैंट रोड स्थित संगठन भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में वरिष्ठ सदस्य अवधेश नारायण सिंह द्वारा निर्वाचित और मनोनीत पदाधिकारियों व सदस्यों को शपथ दिलाई गई। शपथ लेने वाली एसोसिएशन के नई कार्यकारिणी में टीएन दिवेदी को अध्यक्ष, अनिल कुमार मिश्रा को कार्यवाहक अध्यक्ष, एसपी राय को उपाध्यक्ष, अमृत लाल साहू को महासचिव, प्रहलाद सिंह को सचिव और अशोक कुमार शुक्ला को मीडिया सचिव बनाया गया। ओमप्रकाश गुप्ता को अस्थायी रूप से कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके बाद वरिष्ठ सदस्य चद्रमणि मिश्र ने कार्यकारिणी सदस्यों और मंडलीय संयोजकों को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह के बाद आयोजित बैठक में आठवें वेतन आयोग को भेजे जाने वाले ज्ञापन पर चर्चा कर उसे ध्वनिमत से पारित किया गया।

काकोरी में वारंटी हुआ गिरफ्तार

अमृत विचार, काकोरी: न्यायालय में पेश न होने वाले एक वारंटी को काकोरी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ लूट, चोरी और धोखाधड़ी समेत कई गंभीर धाराओं में मामले दर्ज हैं। आरोपी संजय रैदास निवासी ग्राम दोना काकोरी के खिलाफ अलग-अलग मुकदमों में कोर्ट ने वारंट जारी किया गया था।

छुट्टा पशु से टकरा कर बाइक सवार घायल

अमृत विचार, निगोहां: थाना क्षेत्र के सुदौली मोड़ पर गुरुवार को छुट्टा पशु से टकराकर बाइक सवार दो मजदूर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को एनएचआई एंबुलेंस से सीएचसी मोहनलालगंज भेजवाया, जहां उनका उपचार जारी है। घायल देशराज और मनीष कनकहा के रंजीतखेड़ा के रहने वाले हैं।

84 पीसीएस अफसरों के तबादले

सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था मजबूत करने के लिए किए व्यापक बदलाव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नगर निगम, विकास प्राधिकरण और राजस्व विभाग में फेरबदल
- पांच पृष्ठों की सूची जारी कर सौंपी नई जिम्मेदारियां

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने गुरुवार देर रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 84 पीसीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया। नियुक्ति विभाग के सचिव एम. देवराज द्वारा जारी तबादला आदेश में कई जिलों के अपर जिलाधिकारी, नगर आयुक्त, विकास प्राधिकरणों के सचिव, नगर मजिस्ट्रेट और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

जारी सूची के अनुसार वाराणसी में तैनात अपर जिलाधिकारी (नगर) आलोक कुमार वर्मा को मुख्य राजस्व अधिकारी सुल्तानपुर बनाया गया है। हरदोई की अपर जिलाधिकारी (वि/रा) प्रियंका सिंह को कमांडेंट नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान लखनऊ भेजा गया है। बदायूं में तैनात अपर जिलाधिकारी (वि/रा) अजीत कुमार सिंह को मुजफ्फरनगर का अपर जिलाधिकारी (वि/रा) बनाया गया है। गौतमबुद्धनगर के अपर जिलाधिकारी (वि/रा) अतुल कुमार प्रथम को संयुक्त निदेशक (प्रशासन) नागरिक उद्यान निदेशालय एवं संयुक्त सचिव लखनऊ विकास प्राधिकरण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जालौन के अपर जिलाधिकारी (वि/रा) राजेंद्र कुमार वर्मा को सचिव आगरा विकास प्राधिकरण बनाया गया है। आगरा विकास प्राधिकरण की सचिव श्रद्धा शांडिल्यायन को परीक्षा नियंत्रक उत्तर प्रदेश विशेषज्ञ चिकित्सक एवं चिकित्सा शिक्षक भर्ती बोर्ड लखनऊ बनाया गया है। उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल संघ के प्रधान प्रबंधक शादाब असलम को अपर नगर आयुक्त नगर निगम प्रयागराज की जिम्मेदारी दी गई है। संतकबीरनगर के अपर जिलाधिकारी (वि/रा) यश कुमार को अपर आयुक्त गोरखपुर मंडल बनाया गया है, जबकि नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान लखनऊ की कमांडेंट नीता को अपर आयुक्त प्रयागराज मंडल भेजा गया है। श्रावस्ती के अपर जिलाधिकारी (वि/रा) अमरेन्द्र कुमार वर्मा को अपर जिलाधिकारी (प्रोटोकॉल) आगरा बनाया गया है। गोरखपुर के अपर जिलाधिकारी (वि/रा) विनीत कुमार सिंह को सचिव प्रयागराज विकास प्राधिकरण नियुक्त किया गया है। प्रयागराज के अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) एल्मा मिश्रा को अतिरिक्त मिशन निदेशक उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन बनाया गया है, जबकि प्रयागराज मंडल की अपर आयुक्त रजोलिया को अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सुल्तानपुर भेजा गया है। महोबा में नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति परियोजना में तैनात मोहम्मद इरशाद को प्रधान प्रबंधक उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल संघ बनाया गया है। वाराणसी के अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) विपिन कुमार को अपर जिलाधिकारी (वि/रा) इटावा तथा इटावा के अपर जिलाधिकारी (वि/रा) अभिषेक रंजन श्रीवास्तव को अपर नगर आयुक्त नगर निगम लखनऊ बनाया गया है। मेरठ में तैनात सुखवीर निरंजन को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति महोबा भेजा गया है। आजमगढ़ के अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) राहुल कश्यप विवेकानंद को सचिव अलीगढ़ विकास प्राधिकरण बनाया गया है। लखनऊ नगर निगम के अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र को प्रधानाचार्य स्पोर्ट्स कॉलेज लखनऊ तथा सचिव प्रबंध समिति उत्तर प्रदेश स्पोर्ट्स कॉलेज सोसाइटी बनाया गया है। गाजियाबाद के नगर मजिस्ट्रेट डॉ. संतोष कुमार उपाध्याय को उप निदेशक (प्रशासन) खेल निदेशालय की जिम्मेदारी दी गई है। स्टेट एजेंसी फॉर कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सविता को वाराणसी नगर निगम का अपर नगर आयुक्त बनाया गया है। गोरखपुर के अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सहदेव कुमार मिश्र को अपर जिलाधिकारी (वि/रा) रायबरेली भेजा गया है। इसके अलावा हरदोई की उप जिलाधिकारी यादव भूमिका राजबहादुर को प्रधान प्रबंधक उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल संघ बनाया गया है। मेरठ विकास प्राधिकरण के सचिव आनंद कुमार सिंह को अपर जिलाधिकारी (वि/रा) रामपुर, मऊ के अपर जिलाधिकारी (वि/रा) सर्वप्रिय सिंह को संभल, गाजीपुर के अपर जिलाधिकारी (वि/रा) दिनेश कुमार को ललितपुर तथा मेरठ के अपर जिलाधिकारी (नगर) बुजेश कुमार सिंह को अपर जिलाधिकारी (वि/रा) सीतापुर भेजा गया है। सरकार द्वारा जारी पांच पृष्ठों की इस सूची में नगर निगम, विकास प्राधिकरण, राजस्व, खेल, पर्यटन, स्वास्थ्य और सहकारी विभागों से जुड़े अधिकारियों के बड़े पैमाने पर तबादले किए गए हैं।

पीसीएस अधिकारियों के आईएएस बनने का रास्ता साफ, 33 पद आवंटित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 2010-11 बैच के अधिकारियों को मिलेगा लाभ, 2012 बैच के कुछ नाम भी दौड़ में

अमृत विचार: प्रदेश के पीसीएस अधिकारियों के लिए बड़ी राहत और खुशखबरी आई है। केंद्र सरकार ने चयन वर्ष 2025 के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में पदोन्नति कोटे के तहत प्रदेश को 33 पद आवंटित किए हैं। इससे वर्ष 2010 और 2011 बैच के पीसीएस अधिकारियों के आईएएस बनने का रास्ता लगभग साफ हो गया है। साथ ही 2012 बैच के कुछ अधिकारियों को भी पदोन्नति का लाभ मिलने की संभावना जताई जा रही है।

केंद्र से पद आवंटित होने के बाद प्रदेश के नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग ने पदोन्नति प्रक्रिया तेज कर दी है। विभाग संभावित अधिकारियों की वार्षिक गोपनीय प्रविष्टियां (एसीआर) और सेवा अभिलेख जुटाने में लगा है। इसके बाद प्रस्ताव तैयार कर संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को भेजा जाएगा। यूपीएससी में प्रस्ताव पहुंचने के बाद विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक आयोजित होगी, जिसमें पात्र अधिकारियों के नामों पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। डीपीसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद चयनित अधिकारियों को औपचारिक रूप से आईएएस कैडर में प्रोन्नत किया जाएगा।

इस बार अपेक्षाकृत अधिक पद मिलने से लंबे समय से प्रमोशन का इंतजार कर रहे पीसीएस अधिकारियों में उत्साह का माहौल है। माना जा रहा है कि आने वाले कुछ महीनों में पदोन्नति प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

कैसे होती है पदोन्नति : राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को सेवा अवधि, एसीआर, वरिष्ठता और कार्य प्रदर्शन के आधार पर आईएएस में पदोन्नति दी जाती है। राज्य सरकार प्रस्ताव तैयार कर यूपीएससी को भेजती है, जिसके बाद डीपीसी की बैठक में अंतिम चयन होता है।

नहर में उतराते मिले युवक-युवती के शव, आंखें मूंदे रही पुलिस

अमृत विचार, गोसाईगंज : थाना क्षेत्र के सिठौली पुल के पास गुरुवार को राहगीरों ने एक युवक और एक युवती के शव नहर में उतराते देखे। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो गया, लेकिन पुलिस की ओर से कोई तत्परता नहीं दिखी। आरोप है कि शवों को जानबूझकर आगे बहने दिया गया, ताकि जिम्मेदारी पड़ोसी थानों या जिलों पर आ जाए।

वीडियो में साफ दिख रहा है कि दोनों शव इंदिरा नहर में अचली खेड़ा बैराज की ओर बह रहे हैं। वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर आक्रोश फूट पड़ा। कई यूजर्स ने लखनऊ पुलिस को "गैर जिम्मेदार" करार दिया। इसके बाद नगराम पुलिस ने शवों को सलेमपुर अचाका बैराज के बाद रायबरेली बॉर्डर की ओर जाने दिया।

अपहृता बरामद आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, काकोरी: थाना क्षेत्र में पुलिस ने अपहृत किशोरी को सकुशल बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। 8 मई को पीड़िता के पिता की तहरीर पर काकोरी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की थी। छानबीन के दौरान पुलिस टीम ने ग्राम बेहटा क्षेत्र से पीड़िता को बरामद कर लिया। वहीं आरोपी प्रवीन निवासी ग्राम लुधौसी काकोरी को भी गिरफ्तार कर लिया।

सप्ताह में एक दिन पब्लिक ट्रांसपोर्ट जरूर अपनाएं : योगेंद्र उपाध्याय

वीडियो कांफ्रेंसिंग से हों बैठकें, यात्रा कम करने की पहल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने अपने विभागीय अधिकारियों से कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी सप्ताह में कम से कम एक दिन सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करते हुए कार्यालय आएं और जाएं, जिससे ईंधन की बचत के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान सुनिश्चित हो सके।

उच्च शिक्षा मंत्री गुरुवार को विधानसभा स्थित अपने कार्यालय कक्ष में विभागीय अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने विभागीय कार्यप्रणाली में भी बदलाव लाने पर बल देते हुए निर्देशित किया कि यह पहल केवल प्रशासनिक व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे जन-आंदोलन का स्वरूप दिया जाना आवश्यक है।

उच्च शिक्षा मंत्री ने घटाया काफिला

अमृत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसाधनों की बचत संबंधी आह्वान का समर्थन करते हुए उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने अपने सरकारी काफिले को घटाकर एक वाहन तक सीमित कर दिया है। उन्होंने कहा कि अनावश्यक ईंधन और विदेशी मुद्रा व्यय को कम करना राष्ट्रहित में जरूरी है।

नौकरी दिलाने का झांसा देकर जालसाज ने 20 हजार ठगे

अमृत विचार, माल : सीएमओ के चालक पद पर नौकरी दिलाने के नाम पर जालसाज ने 20 हजार ऐंठ लिए। अकबरपुर गांव निवासी तारा शंकर ने बताया कि बीकेटी थाना क्षेत्र के मदारीपुर गांव निवासी चंद्रशेखर ने बेटे मनीष कुमार की सीएमओ के गाड़ी चालक की नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया। जाल में फंसाकर 20 रुपये व अन्य जरूरी दस्तावेज लेकर 15 दिन में नौकरी लगवाने की बात कहकर चला गया। दो सप्ताह से अधिक समय बीत जाने पर जब पीड़ित ने फोन किया तो टालमटोल की। इंस्पेक्टर माल नवाब अहमद ने बताया कि जांच की जा रही है।

प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारियों के साथ स्टडी कम कल्चरल टूर कार्यक्रम के तहत मुलाकात करते डीजीपी राजीव कृष्ण। अमृत विचार

प्रशिक्षु अफसरों को सिखाए महाकुंभ प्रबंधन के गुर

- डीजीपी से मिलने पहुंचे प्रशिक्षु आईपीएस

अमृत विचार, लखनऊ: डीजीपी ने गुरुवार को 48वें आईपीएस इंडक्शन प्रशिक्षण कोर्स के 10 प्रशिक्षु अधिकारियों से प्रदेश में प्रस्तावित स्टडी कम कल्चरल टूर कार्यक्रम के अंतर्गत मुलाकात की। प्रशिक्षु अधिकारियों में से चार आंध्र प्रदेश कैडर, दो कर्नाटक कैडर, एक तेलंगाना कैडर, एक मिजोरम कैडर व दो मणिपुर कैडर के अधिकारी थे।

पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण ने कहा कि वर्तमान समय में "प्रो-एक्टिव पुलिसिंग" की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल घटना होने के बाद कार्रवाई करना नहीं, बल्कि अपराध एवं अव्यवस्था की संभावनाओं को पूर्व में चिन्हित कर प्रभावी रोकथाम सुनिश्चित करना होना चाहिए। इसके लिए तकनीकी संसाधनों, इंटेलिजेंस इनपुट, सामुदायिक सहभागिता एवं सतत संवाद का उपयोग आवश्यक है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों को जनविश्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संवेदनशील, जवाबदेह एवं त्वरित पुलिसिंग की दिशा में कार्य करने को प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रशिक्षु अधिकारियों ने प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ-2025 के दौरान की गई अचूक पुलिस व्यवस्थाओं के साथ-साथ उत्तर प्रदेश पुलिस की विभिन्न कार्यप्रणालियों एवं व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई तथा पुलिस महानिदेशक के साथ अपने अनुभव साझा किये। प्रयागराज महाकुंभ-2025 के आयोजन के दौरान यूपी पुलिस द्वारा की गई व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी ने प्रशिक्षु अधिकारियों को संक्षेप में ब्रीफ किया।

उपलब्धि | योगी सरकार का दावा, 9 साल में 3.21 लाख करोड़ का भुगतान

गन्ना क्षेत्र में 10 लाख लोगों को मिला रोजगार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 30 रुपये प्रति कुंतल की बढ़ोतरी का 48 लाख किसानों मिला सीधा लाभ

अमृत विचार: योगी सरकार का दावा है कि मिलों के आधुनिकीकरण व औद्योगिक पुनरुद्धार से 10 लाख से अधिक रोजगार का सृजन हुआ है। 9 वर्ष से 3.21 लाख करोड़ का रिकार्ड गन्ना मूल्य भुगतान समेत लगभग 6924 करोड़ का अतिरिक्त पूंजी निवेश किया गया है।

सरकार के अनुसार, 2007 से 2012 के बीच गन्ना किसानों को 52,131 करोड़ रुपये और 2012 से 2017 के बीच 95,215 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था, जबकि योगी सरकार ने नौ वर्षों में रिकॉर्ड 3.21 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया। "स्मार्ट गन्ना किसान" और ई-गन्ना ऐप जैसी डिजिटल व्यवस्थाओं से गन्ना सर्वे, कैलेंडरिंग, पर्ची वितरण और भुगतान प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन हो गई है। किसानों को मोबाइल पर गन्ना पर्ची और डीबीटी के जरिए सीधे भुगतान मिल रहा है। प्रदेश में वर्ष 2025-26 में 29.51 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में गन्ना खेती की गई है। उत्तर प्रदेश देश का सबसे

बड़ा गन्ना उत्पादक राज्य बना हुआ है। यहां 121 चीनी मिलें संचालित हैं, जिन्होंने 877.93 लाख टन गन्ने की पेराई कर 89.68 लाख टन चीनी का उत्पादन किया। यूपी का औसत चीनी परता 10.21 प्रतिशत रहा, जबकि महाराष्ट्र का 9.49 प्रतिशत है।

गन्ना आयुक्त मिनिस्ती एस. ने बताया कि गन्ना उत्पादन में देश में पहले स्थान के साथ एथेनॉल उत्पादन में भी उत्तर प्रदेश ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। सरकार के प्रयासों से राज्य में एथेनॉल उत्पादन 188 करोड़ लीटर तक पहुंच गया है। 30 रुपये प्रति कुंतल की बढ़ोतरी का 48 लाख किसान परिवारों को सीधा लाभ मिला। गन्ना किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए आधुनिक तकनीक एवं डिजिटल व्यवस्था को बढ़ावा दिया गया है। ई-गन्ना ऐप, ऑनलाइन सर्वे, पारदर्शी पर्ची वितरण एवं शिकायत निवारण प्रणाली जैसी व्यवस्थाओं ने किसानों को बड़ी राहत व सुविधा प्रदान की है।

बंद मकान का ताला तोड़ कर लाखों की नकदी व जेवर उड़ाए

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मड़ियांव के दाउदनगर अटल विहार कालोनी में हुई घटना

अमृत विचार: मड़ियांव स्थित दाउदनगर अटल विहार कॉलोनी में बंद मकान का ताला तोड़कर चोरों ने लाखों की नकदी व जेवर साफ कर दिये। घटना के वक्त परिवार उत्तराखंड गया था। परिवार को पड़ोसियों से चोरी का पता चला। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अमीनाबाद निवासी विनोद कुमार खरे का दाउदनगर में अटल विहार कॉलोनी में मकान है। मकान में उनका बेटा और बहू रहते हैं। उन्होंने बताया कि बेटा और बहू 7 मई को घर में ताला लगाकर केदारनाथ यात्रा पर उत्तराखंड गए थे। सोमवार को मकान का ताला टूटा देख पड़ोसियों ने चोरी की जानकारी बेटे को दी। बेटे से जानकारी पाकर मंगलवार को विनोद घर गए तो मेन गेट पर लगा ताला टूटा था। अंदर का सारा सामान बिखरा पड़ा था, अलमारियों के लॉकर टूटे थे। उन्होंने बताया कि चोरी गए कैश और जेवर की सही जानकारी बेटे के आने के बाद हो सकती। इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्रा के मुताबिक, रिपोर्ट दर्ज कर सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

मकान में चोरी

अमृत विचार, काकोरी : पारा के सलेमपुर पतौरा इलाके में निर्माणाधीन मकान से चोरों ने लाखों का सामान चोरी कर लिया। पीड़ित अमित कुमार सिंह ने बताया कि चोरों ने हिल्टी मशीन, एसी के कम्पोनेंट और वायरिंग के तार काटकर चोरी कर लिए। इसके अलावा मकान में काम कर रहे कारीगरों का सामान भी उठा ले गए। घटना 10 मई की देर रात करीब 2 बजे की है। चोरी की पूरी वारदात मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

ब्रेक फेल होने से खंभे से भिड़ी स्कूल बस, 50 जिंदगियां बचीं

छुट्टी होने पर बच्चों और शिक्षिकाओं को घर छोड़ने जा रही थी बस

टला हादसा

नवाबगंज, गोंडा

बस से सुरक्षित बाहर निकलते बच्चे। ● अमृत विचार

अमृत विचार : कस्बे के कटी तिराहे स्थित सोती पुल के पास गुरुवार दोपहर करीब सवा बारह बजे उस समय बड़ा हादसा टल गया, जब बच्चों से भरी एक स्कूल बस का अचानक ब्रेक फेल हो गया। अनियंत्रित हुई बस सड़क किनारे बिजली के खंभे और दुकान के बीच जाकर फंस गई। बस में 50 से अधिक छात्र-छात्राएं और शिक्षिकाएं सवार थीं। हादसे के बाद बच्चों में चीख-पुकार मच गई। गनीमत रही कि बस में सवार सभी लोग बाल-बाल बच गये।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबि क बस तेज रफ्तार में थी और ब्रेक फेल होते ही चालक नियंत्रण खो बैठा। किसी तरह बस रुक तो गई, लेकिन हादसे के तुरंत बाद चालक फरार हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई और डरे-सहमे बच्चों को बस से बाहर निकाला गया। यह बस कस्बे के एसएमआई इंटर कॉलेज की बताई जा रही है, जो छुट्टी के बाद बच्चों और शिक्षिकाओं को घर छोड़ने जा रही थी।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बच्चों को दूसरे वाहन से उनके घर भिजवाया। थाना अध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। कार्रवाई की जा रही है तथा फरार चालक की तलाश की जा रही है।

चलती ट्रैक्टर-ट्रॉली पर गिरा पेड़, दो की मौत

टिकैतनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के भेलसर-टिकैतनगर मुख्य मार्ग पर गुरुवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। सटरिंग का सामान लादकर लौट रही ट्रैक्टर-ट्रॉली पर अचानक सूखा शीशम का पेड़ गिर पड़ा। हादसे में ट्रैक्टर पर सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक घायल हो गया। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम मैदीपुर मोड़ के पास गुरुवार रात करीब साढ़े आठ बजे सड़क किनारे खड़ा सूखा शीशम का पेड़ अचानक भरभराकर ट्रैक्टर-ट्रॉली पर गिर गया। हादसे में खेतासराय निवासी मैकू लाल रावत (55) पुत्र रामदास तथा मंगरौड़ा निवासी विकास (35) पुत्र रामतेज की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं ट्रैक्टर चालक मंगल पुत्र त्रिकू निवासी मंगरौड़ा घायल हो गया। घटना के बाद राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टिकैतनगर में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार चल रहा है। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पत्नी की खुदकुशी के नौवें दिन पति ने भी दी जान

बाराबंकी, अमृत विचार : आपस में कहासुनी को लेकर पत्नी के फांसी लगा जान देने के नौवें दिन पति ने भी फंदे से लटककर जान दे दी। उसका शव आम के पेड़ में रस्सी से बने फंदे से लटकता मिला तो कोहराम मच गया। इस घटना से परिजनों व गांव में शोक पसर गया, वहीं पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जानकारी के अनुसार यह घटना जैदपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रहीमाबाद में गुरुवार की सुबह हुई। मिथुन रावत (22) पुत्र ननकू गुरुवार की सुबह सात बजे घर से निकल गया। काफी देर तक वापस न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की तो घर से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर मिथुन का शव खेत में लगे आम के पेड़ से बंधी रस्सी के फंदे से लटक रहा था। यह देख परिजनों में हाहाकार मच गया वहीं ग्रामीण इस घटना को देखकर गम में डूब गए। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गुरुवार की घटना से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा क्योंकि नौ दिन पहले पांच मई को मृतक मिथुन की पत्नी शिवकुमारी ने भी घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। बताया जा रहा कि पति मिथुन खरीदी गई पिकप भाड़े पर चलाता था, जिसकी किश्तें नहीं जमा हो सकी थीं। इसी बात को लेकर दोनों में काफी कहासुनी हुई थी।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता

नलकूप निर्माण खण्ड, लखनऊ

मैनुअल अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या-34/अधि0अभि0/2026-27

महामहिम राज्यपाल महोदया उत्तर प्रदेश की ओर से अधोलिखित कार्य हेतु मोहर बन्द निविदायें दिनांक 22.05.2026 को 12:00 अपराह्न तक विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है, जो उसी तिथि को समय 03:30 बजे अपराह्न निविदादाताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष अद्योहस्ताक्षरी अथवा उसके अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र तथा कार्य से सम्बन्धित समस्त विवरण मुल्य जमा करने के उपरान्त किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय अवधि में दिनांक 16.05.2026 से 22.05.2026 को समय 12:00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते हैं। यदि निविदा प्रपत्र डाक द्वारा प्रेषित की जाती है तो निविदा विलम्ब से पहुँचने पर कोई उत्तरदायित्व इस कार्यालय का नहीं होगा। निविदा के साथ पंजीकरण प्रमाण/जिलाधिकारी द्वारा जारी चरित्र प्रमाण पत्र (IDT-1), हैशियत प्रमाण पत्र (IDT-2), स्वघोषणा शपथ पत्र (IDT-3), के समस्त अभिलेखों को जमा करना होगा एवं निविदा प्रपत्र के साथ निर्धारित धरोहर धनराशि, एफ0डी0आर0/एन0एस0सी0 के रूप में, जो अधिशासी अभियन्ता, नलकूप निर्माण खण्ड,लखनऊ के नाम बन्धक हो, लिफाफे बन्द करके निविदा के साथ जमा कराना आवश्यक होगा। बिना धरोहर धनराशि के निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। प्रत्येक निविदा के साथ रू0 100 के जनरल स्टैम्प पेपर पर एक रूपये का राजस्व टिकट चिपका कर निविदादाता द्वारा हस्ताक्षर कर दरों की वैधता सम्बन्धी इकरारनामा संलग्न करना आवश्यक होगा। आवश्यकतानुसार कार्य की मात्रा घटाई-बढाई जा सकती है, निविदा के साथ सम्बन्धित समस्त प्रपत्र निविदादाता के हस्ताक्षर किये हुये होना चाहिये एवं अनुबन्ध के समय 10 प्रतिशत जमानत की धनराशि एफ0डी0आर0 के रूप में जो अधिशासी अभियन्ता नलकूप निर्माण खण्ड,लखनऊ के नाम बन्धक होगी तथा नियमानुसार देय दर के अनुसार स्टैम्प पेपर जमा करना अनिवार्य होगा। एक अथवा सभी निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी को होगा। निविदा दरें 03 माह के लिये वैध रहेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	मात्रा	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू0में)	धरोहर धनराशि (रू0 में)	कार्य को पूर्ण करने की अवधि	निविदा का मूल्य+G.S.T+ स्टेशनरी चार्जे (रू में)	पंजीकृत श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
01	Drilling of Tubewells of 1.5 Cusec Capacity under project "1750 R&R State tubewells Project" district-Lucknow, depth 150 Mtr bore size 450mm to 600 mmØ by using Direct/reverse rotary rig Machine work Including drilling of tubewells, digging of pits for storage of water, lowering of recommended M.S. pipe assembly by ensuring verticality of assembly in proper manner, welding of pipe with socket etc. Screening & feeding of pea gravel after lowering of assembly & working bore properly including cost of wages of drilling staff & T&P excluding cost of HSD. (G.S.T Extra 18%)	300 Mtr (2 No.)	4.45	8910.00	3 माह	225.00+ GST नियमानुसार + 500.00	"ए" श्रेणी (यॉत्रिक) अथवा उच्च

नोट- मैनुअल अल्पकालीन निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी हेतु अधिशासी अभियन्ता, नलकूप निर्माण खण्ड, लखनऊ के कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

(गौरव सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
नलकूप निर्माण
खण्ड,लखनऊ

UP-251151 दिनांक 13.05.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

बलरामपुर में पूर्व प्रधान की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या

● शादी में डीजे बजाने के विवाद ने ले लिया हिंसक रूप

सादुल्लाहनगर, बलरामपुर

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के परसरामपुर गांव में शादी समारोह के दौरान डीजे बजाने को लेकर शुरू हुआ विवाद गुरुवार को हिंसक संघर्ष में बदल गया। मारपीट के दौरान अपने मानसिक रूप से कमजोर बेटे को बचाने पहुंचे पूर्व प्रधान एवं भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष तेज बहादुर यादव की लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमले में मौत हो गई। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है।

ग्रामीणों के अनुसार 12 मई को गांव निवासी जयकरन उर्फ पेटबली के यहां बारात विदाई के समय डीजे बजाने को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हुई थी। उस समय ग्रामीणों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत करा दिया था, लेकिन दोनों पक्षों के बीच रंजिश बनी रही। गुरुवार सुबह करीब नौ बजे स्कॉर्पियो से पहुंचे 10-12 लोगों ने लाठी-डंडों, लोहे की चेन और रॉड से हमला कर दिया। इसी दौरान पूर्व प्रधान का 14 वर्षीय मानसिक रूप से कमजोर बेटा उपेंद्र नाथ भीड़ की ओर भागने लगा।

बेटे को बचाने के लिए तेज बहादुर यादव मौके पर पहुंचे, लेकिन हमलावरों ने उन्हें भी निशाना बना लिया। सिर पर गंभीर चोट लगने से वे घायल हो गए। उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सादुल्लाहनगर ले जाया गया, जहां हालत गंभीर होने पर गोंडा रेफर किया गया। गोंडा पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा है। पुलिस ने गांव में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। पुलिस ने बताया कि आठ आरोपितों के खिलाफ तहरीर मिली है और उनकी तलाश में दबिश दी जा रही है।

राप्ती नदी में नहाने गए दो किशोर डूबे, एक की मौत

इकौना श्रावस्ती, अमृत विचार: नवीन मॉडर्न थाना कटरा के ग्राम मलौना खसियारी के माजरा बसंतपुरवा निवासी दो किशोर गुरुवार राप्ती नदी में डूब गए। मौके पर पहुंचे गोताखोरों ने एक किशोर का शव नदी से खोज निकाला, जबकि दूसरे किशोर की तलाश की जा रही है।

मलौना खसियारी मौजा बसंतपुरवा निवासी विक्की उर्फ शिवांश यादव (17) पुत्र विजय बहादुर यादव उर्फ बड़के गांव के ही विकास (12) पुत्र सत्यनारायण यादव सहित अन्य बच्चों व चरवाहों के साथ गुरुवार को राप्ती नदी किनारे मथुरा घाट पुल के पश्चिम श्रावस्ती बलरामपुर सीमा पर भैंस चराने गए थे। धूप अधिक होने के कारण नदी किनारे खेत में पेड़ के नीचे सभी छाया में बैठे थे। इस दौरान विक्की उर्फ शिवांश व विकास राप्ती नदी में नहाने चले गए। नहाते समय गहरे पानी में चले जाने से दोनों किशोर नदी डूब गए। स्थानीय चरवाहों ने डूब रहे दोनों बालक को देखकर शोर मचाया। जब तक लोग मौके पर पहुंचते दोनों किशोर लापता हो गए। काफी देर तक मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। सूचना पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक जय हरी मिश्रा ने स्थानीय गोताखोरों से तलाश शुरू कराया। कड़ी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने विक्की का शव खोज निकाला। वहीं विकास की तलाश की जा रही है।

न्यायालय-अपर जिलाधिकारी (नगर पूर्वी) /किराया प्राधिकारी, लखनऊ।

पत्रांक-478/रीडर/एडीएम (सी0ई0)/2026
दिनांक 08/5/2026
वाद संख्या-डी202510460004225
धारा-21(2) उ0प्र0 नगरीय परिसर किरायेदारी अधिनियम संख्या-16 वर्ष 2021

श्रीमती गीता पाल
बनाम
श्री मोहम्मद मोहसिन

नियत तिथि 23.05.2026

सम्पत्ति/मकान सं0-63/29बी, अहाता रसूल खाँ, लालकुआँ थाना हुसैनगंज लखनऊ के बावत अं0 धारा-21(2) उ0प्र0 नगरीय परिसर किरायेदारी अधिनियम संख्या 16 वर्ष 2021 के अन्तर्गत इस न्यायालय में उपरोक्त वाद विचाराधीन है। उक्त वाद में विपक्षी श्री मोहम्मद मोहसिन पुत्र मोहम्मद नूह, निवासी-63/29बी, अहाता रसूल खाँ, लालकुआँ लखनऊ, पूर्व निवासी मकान सं0-117/38ख, जम्बूर खाना नियर ओडियन सिनेमा लखनऊ पर नियमानुसार नोटिस तामीला न होने के कारण प्रकाशन कराया जाना है।

अस्तु विपक्षी को सूचित किया जाता है कि यदि विपक्षी न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करना चाहता/चाहती है, तो नियत तिथि दिनांक 23.05.2026 को स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकता/सकती है।

(महेन्द्र पाल सिंह)
अपर जिलाधिकारी, नगर (पूर्वी)/
किराया प्राधिकारी, लखनऊ।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु आनलाईन 'खुली' ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण नीचे निम्नवत है:- **ई निविदा संख्या:- NER-LJN-2026-98, कार्य का नाम:-** NER-LJN डिवीजन 15 स्थानों पर यातायात निरीक्षक कार्यालयों का निर्माण और 46 स्टेशनों पर पैनल कक्ष, विश्राम कक्षों का उन्नयन, स्वीकृत कार्य के अंतर्गत: (1) सुरक्षित रेल संचालन और कर्मचारी पर्यवेक्षण के लिए व्यापक यातायात निरीक्षण और सुरक्षा निगरानी प्रणाली (15 स्टेशन)। (2) पैनल कक्ष, विश्राम कक्ष आदि का उन्नयन (46) स्टेशन), **अनुमानित लागत (₹):-** 65894197.14, **अग्रिम धन (₹):-** 1317900.00, **समापन अवधि:-** 12 माह, **निविदा खुलने की दिनांक:-** 05.06.2026 **1.** उपरोक्त ई-निविदा संख्या NER-LJN-2026-98 के लिये ई-निविदा दिनांक 05.06.2026 को 15.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15.00 बजे के बाद ई-निविदा खोली जायेंगी। **2.** उपरोक्त ई-निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग
मुजाधि/डब्लू-98 लखनऊ

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

उ0प्र0 पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लिमिटेड

ई-निविदा सूचना संख्या 04/ECTC(L)/2026-27

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु पृथक निविदा दो भागों (पार्ट- I टेक्निकल बिड एवम् पार्ट- II फाइनेंशियल) में आमंत्रित की जाती है। 04- **कार्य का नाम:- यू0पी0 एस0एल0डी0सी0 के एडमिन भवन के द्वितीय तल पर प्रगति इकाई का AI-CMS कार्यालय एवं यू0पी0 एस0एल0डी0सी0 इकाई का आई0टी0 एवं एस0पी0सी0 कार्यालय के जानपदीय कार्य।** कार्य की अनुमानित लागत:- **रू0 78.77 लाख,** कार्यावधि:- 02 माह, उक्त निविदा की Technical Bid एवम् अन्य शर्ते तथा मात्रा बीजक इत्यादि का विस्तृत विवरण www.upptcl.org पर देखा जा सकता है एवम् http://etender.up.nic.in साइट पर देखा एवम् प्राप्त किया जा सकता है। निविदा दिनांक 15.06.2026 को दोपहर 14:00 बजे तक साइट पर डाला/अपलोड किया जा सकता है तथा दिनांक 16.06.2026 को 15:00 बजे सार्वजनिक रूप से निविदायें खोली जायेगी। **''राष्ट्र हित में बिजली बचाएं'' अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत जानपद पारेषण मण्डल, कक्ष सं. 223 से 226, प्रथम तल, पारेषण भवन, यू.पी.एस.एल.डी.सी. परिसर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ। संख्या: 1557-वि.जा.पा.मं.(ल.)/निविदा दिनांक: 14.05.2026**

कार्यालय-अधीक्षक राजकीय कुक्कुट प्रक्षेत्र चक गंजरिया स्थित निबलेट बाराबंकी।

ई-निविदा सूचना

संख्या- 43/ अधी0रा0कु0प्र0गंज0 / भण्डार पत्रा0 / दिनांक 07.05.2026

राजकीय कुक्कुट प्रक्षेत्र चक गंजरिया स्थित निबलेट बाराबंकी पर पैरेन्ट कुक्कुट पक्षियों/बटेरों हेतु विभिन्न प्रकार कुक्कुट आहार की व्यवस्था किए जाने हेतु निम्न विवरण के अनुसार ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निर्धारित निविदा प्रपत्र एवं निविदा की शर्ते पशुपालन विभाग की वेबसाइट www.animalhusb.upsdc.gov.in पर उपलब्ध होगी। सम्बन्धित कुक्कुट आहार का वर्ष 2026-2027 में क्रय हेतु ई-निविदा उत्तर प्रदेश सरकार की वेबसाइट http://etender.up.nic.in के माध्यम ई-टेण्डर द्वारा submit की जाएगी। टेक्निकल बिड वैध पाए जाने पर ही वित्तीय बिड पर विचार किया जाएगा। दिनांक 26.05.2026 अपरान्ह 01.00 बजे तक निविदा प्रपत्र क्रय मूल्य एवं धरोहर धनराशि का ड्राफ्ट मूल रूप में कार्यालय में जमा करना अनिवार्य है।

क्र0 सं0	आहार का नाम	अनुमानित मात्रा	अनुमानित कीमत	निविदा प्रपत्र का मूल्य रू0	अर्नेस्ट मनी रू0	निविदा अवधि	तकनीकी विड खुलने का दिनांक
1	ड्अल परपज लोइनपुट टेक्नोलॉजी के पैरेन्ट पक्षियों हेतु स्टार्टर आहार	150 कुन्तल	रू0 54,00,000.00 (रू0 चौवन लाख मात्र)	8100+ 18% GST (1458.00) Total 9558.00	54,500.00 (रू0 चौवन हजार पाँच सौ मात्र)	वित्तीय वर्ष 2026-27 (31.03.2027) तक	26.05.2026 अपरान्ह 02.30 बजे
2	ड्अल परपज लोइनपुट टेक्नोलॉजी के पैरेन्ट पक्षियों हेतु ग्रोवर आहार	250 कुन्तल					
3	ड्अल परपज लोइनपुट टेक्नोलॉजी के पैरेन्ट पक्षियों हेतु ब्रीडर आहार	1200 कुन्तल					
4	जपानी बटेर पैरेन्ट हेतु स्टार्टर आहार	25 कुन्तल					
5	जपानी बटेर पैरेन्ट हेतु ब्रीडर आहार	80 कुन्तल					

ई-निविदा की नियत तिथि एवं समय:-

1.	आनलाइन निविदा प्रपत्र उपलब्ध होने की तिथि एवं समय	16.05.2026 पूर्वान्ह 10.30 बजे से
2.	आनलाइन निविदा प्रपत्र जमा करने की प्रारम्भ तिथि एवं समय	16.05.2026 पूर्वान्ह 11.00 बजे से
3.	आनलाइन निविदा प्रपत्र जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	25.05.2026 अपरान्ह 05.00 बजे तक
4.	निविदा प्रपत्र क्रय मूल्य एवं धरोहर धनराशि का ड्राफ्ट मूल रूप में जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	26.05.2026 अपरान्ह 01.00 बजे तक
5.	आनलाइन तकनीकी निविदा खोलने की तिथि एवं समय	26.05.2026 अपरान्ह 02.30 बजे

(डा0 राकेश कुमार)
अधीक्षक

UP-251155 दिनांक 13.05.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कालाबाजारी के आरोप में बी-पैक्स सचिव पर मुकदमा

सफदरगंज, बाराबंकी, अमृत विचार : उर्वरक की कालाबाजारी और अनियमित वितरण के आरोप में बहुउद्देशीय सहकारी समिति लिमिटेड प्यारेपुर सरैया के सचिव के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया है। यह कार्रवाई जिला कृषि अधिकारी की तहरीर पर सफदरगंज पुलिस द्वारा की गई। जिला कृषि अधिकारी कार्यालय से जारी पत्र के अनुसार, बीती 11 मई को बी-पैक्स प्यारेपुर सरैया का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान समिति पर 505 बोरी यूरिया तथा 333 बोरी एनपीके उर्वरक भंडारित मिला। मौके पर समिति परिसर, भंडारण कक्ष और सचिव कक्ष में गंदगी तथा कबूतरों की बीट पाई गई, जिससे समिति के नियमित रूप से न खुलने की आशंका जताई गई। जांच में बिक्री रजिस्टर की प्रति देखने पर पता चला कि अप्रैल माह में समिति केवल तीन दिन ही खोली गई थी। किसानों को उर्वरक वितरण में आधार नंबर, मोबाइल नंबर और खतौनी विवरण अंकित नहीं पाए गए। अधिकांश किसानों को समान रूप से चार-चार बोरी उर्वरक वितरण दर्ज किया गया था।

हिस्ट्रीशीटर ने सिर में गोली मारकर दी जान

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार : कोतवाली नगर क्षेत्र के पलहीपुर गांव में गुरुवार दोपहर उस समय सनसनी फैल गई, जब 26 वर्षीय देवी प्रसाद यादव उर्फ राणा यादव ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घर के बगल स्थित बाग में युवक का शव पड़े होने की जानकारी मिलते ही परिजनों में हड़कंप मच गया और गांव में शोक का माहौल फैल गया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि राणा यादव लंबे समय से पेट की गंभीर बीमारी से परेशान था, जिसके चलते वह मानसिक तनाव और अवसाद में चल रहा था। मृतक अविवाहित था, जबकि उसका बड़ा भाई शीतला प्रसाद यादव होमगार्ड के पद पर तैनात है। मामले में सौरभ सावंत ने बताया कि मृतक हिस्ट्रीशीटर था। घटनास्थल से 32 बोर की पिस्टल और खाली मैगजीन बरामद हुई है। पुलिस और फील्ड यूनिट ने मौके का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं। प्रारंभिक जांच में अवसाद के चलते आत्महत्या की बात सामने आई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि युवक ने जिस तमंचे से खुद को गोली मारी, वह अवैध था।

ऐसे में चर्चा तेज हो गई है कि कई मामलों में वांछित रह चुका और दो-तीन बार जेल जा चुका राणा यादव आखिर अवैध हथियार तक कैसे पहुंचा।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम अनूया देवी से बदलकर बन्दना यादव रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना-पहचाना जाये। बन्दना यादव, पत्नी श्री हरविलाश सिंह, निवासी-75, नागला लच्छी, उसराहर, इटावा।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं MOBINA से अपना नाम बदलकर MUBEENA रख लिया है अब भविष्य में मुझे मेरे बदले हुए नाम से जाना वह पहचान जाए पत्नी NAZEER KHAN कटरा मोहल्ला बिजनौर लखनऊ।

सूचना

मेरा नाम मुदित अग्रवाल था से अब उदित अग्रवाल हो गया है। अब मुझे उदित अग्रवाल के नाम से जाना जाएगा। **उदित अग्रवाल S/O- संजय अग्रवाल पता-410 नवल किशोर रोड हजरतगंज लखनऊ उ0प्र0।**

सूचना

मैं, रईस जहाँ पत्नी मतीनुर रहमान, निवासी म. नं0-155/324, महेश प्रसाद स्ट्रीट, मौलवीगंज, अमीनाबाद पार्क एस0ओ0, लखनऊ, किसी वैध अधिकार के कब्जा किये हुए हैं तथा भविष्य में अनावश्यक दावा कर सकते है इसलिए सर्वसाधारणों को सूचित किया जाता है कि मैं अपने पुत्र मोहम्मद फैज मिर्जा एवं उनकी पत्नी नायमा खान ओर पुत्री अजीम खान को अपने मकान/ सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उपरोक्त व्यक्तियों द्वारा किसी प्रकार का दावा या विवाद उत्पन्न किया जाता है तो उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी उन्हीं की होगी मेरा और मेरे परिवार से कोई संबंध नहीं रहेगा।

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम MAHBOOB था जिसे बदलकर MAHBOOB ALI रख लिया हैं। अब मुझे MAHBOOB ALI के नामसे जाना व पहचाना जाये। **S/O Bhajju Address - Near Pati Maszid, 496, Mohammad Zai, Shahjahnpur, Pin-242001**

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम VINAY KUMAR था जिसे बदलकर VINAY KUMAR SRIVASTAVA रख लिया है। अब मुझे VINAY KUMAR SRIVASTAVA के नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O-SHIV SAHAI LAL ADD-B2/802 PARIJAT APARTMENT, VIKRANT KHAND, GOMTI NAGAR DIST - LUCKNOW - 226010 (U.P)**

सूचना

पहले मेरा नाम सर्वेश कुमार दर्ज था, जो आधार अपग्रेडेशन के बाद सर्वेश कुमार मिश्रा हो गया है। अत: दोनों नाम मेरे ही हैं। मुझे दोनों नामों से जाना व पहचाना जाये। **सर्वेश कुमार मिश्रा पुत्र कृष्ण कुमार मिश्रा, ग्रा0- दौली, पो0- मलवा अखबेलपुर, हरदोई (उ0प्र0)- 241001, मो0: 6386145191**

सूचना

मैं, राममनोरथ पुत्र सुंदरलाल निवासी ग्राम सरैया मजरे सलारपुर, थाना देवा, जनपद बाराबंकी, अपनी पुत्री मांसी उम्र लगभग 20 वर्ष को उसके गलत आचरण एवं परिवार की इच्छा के विरुद्ध कार्य करने के कारण अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति एवं पारिवारिक संबंधों से बेदखल करता हूँ आज के बाद उसके द्वारा किए गये किसी भी कार्य की समस्त जिम्मेदारी स्वयं उसकी होगी। उससे मेरे अथवा मेरे परिवार का कोई संबंध नहीं रहेगा।

सूचना

मैने अपना नाम शाइनीला फातिमा से बदल कर शहनीला फातिमा पुत्री श्री मोहम्मद अनसार अहमद रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **शहनीला फातिमा पुत्री श्री मोहम्मद अंसार अहमद प्लाट न0-31 एम, ततार पुर, नया विभाग-ई, अलीगंज, लखनऊ - 226024**

जननायक एक्सप्रेस से सात किशोर बरामद

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट बुढ़वल की टीम ने गुरुवार को जननायक एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 15211) से सात बालकों को बरामद किया, जो बिना अभिभावकों के पंजाब और जम्मू जाने के लिए यात्रा कर रहे थे। बच्चों के बाल मजदूरी में फंसने की आशंका पर उन्हें चाइल्ड हेल्पलाइन को सुपुर्द कर दिया गया।

प्रभारी निरीक्षक रवि कुमार के निर्देशन में उपनिरीक्षक जसवीर सिंह, उपनिरीक्षक सुनील कुमार, सहायक उपनिरीक्षक रामबाबू तथा संवाद सामाजिक संस्थान के प्रोग्राम मैनेजर आलोक मिश्रा ने संयुक्त कार्रवाई की। मुखबिर से सूचना मिली थी कि ट्रेन में कुछ बच्चे डरे-सहमे हालत में अकेले सफर कर रहे हैं और उन्हें गंतव्य की सही जानकारी भी नहीं है। ट्रेन के बुढ़वल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर पहुंचने पर जांच की गई। कोच संख्या 255602 से चार और कोच संख्या 255580 से तीन बच्चे मिले। पूछताछ में सभी बच्चों ने बताया कि वे काम की तलाश में घर से पंजाब और जम्मू जा रहे थे। बरामद बच्चों में बिहार के बेतिया, सुपौल और मोतिहारी जिलों के रहने वाले किशोर शामिल हैं, जिनकी उम्र 15 से 17 वर्ष के बीच बताई गई। आरपीएफ ने किशोर न्याय अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए सभी बच्चों को ट्रेन से उतार लिया।बाद में फर्द सुपुर्दगीनामा तैयार कर सभी सातों बच्चों को काउंसिलिंग और अग्रिम कार्रवाई के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन के सुपरवाइजर रोहित वर्मा को सौंप दिया गया।

उम्रकैद की सजा काट रहे कांग्रेस पूर्व नगर अध्यक्ष की इलाज के दौरान मौत

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार: गंगाघाट क्षेत्र के नरेन्द्र अवस्थी हत्याकांड में उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व कांग्रेस नगर अध्यक्ष व पूर्व पालिका उपाध्यक्ष दीप नारायण शुक्ला की गुरुवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। वह फतेहगढ़ जेल में बंद थे। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें जिला अस्पताल फिर कानपुर के कॉर्डियोलॉजी में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। 1 मई 2013 की शाम नरेन्द्र अवस्थी की हत्या कर दी गई थी। मृतक के बेटे कन्हैया अवस्थी की तहरीर पर पूर्व प्रधान अनीता चतुर्वेदी, दीप नारायण शुक्ला, अमित द्विवेदी, गंगा प्रसाद, महेश व राजन के विरुद्ध हत्या की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। जबकि पूर्व प्रधान वीरेन्द्र चतुर्वेदी को साजिशकर्ता बताया गया था। उन्नाव की एडीजे प्रथम कोर्ट में लंबी सुनवाई के बाद वीरेन्द्र चतुर्वेदी को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया गया। जबकि अन्य 6 आरोपियों को 12 जनवरी 2024 को उम्रकैद के आदेश हुए थे। इधर, दीप नारायण शुक्ला की तबीयत बिगड़ने पर जेल प्रशासन ने उन्हें कानपुर रेफर किया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी।

कार्यालय समुचित सरकार/जिला कलेक्टर, अयोध्या।

संख्या 1587/वि0भू0अ0अ0/2026 दिनांक 13 मई 2026

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद अयोध्या में 14 कोसी परिक्रमा मार्ग के विस्तारीकरण हेतु तहसील सदर के प्रभावित ग्राम कुढ़ाकेशवपुर उपरहार की 0.024898 हे0 निजी भूमि का अर्जन किया जाना प्रस्तावित है।

प्रस्तावित भूमि के अर्जन से पूर्व भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम-2013 की धारा-4 के अन्तर्गत सामाजिक समाघात निर्धारण रिपोर्ट व सामाजिक समाघात प्रबन्ध योजना नामित एजेन्सी निदेशक, एटलस मैनेजमेन्ट कंसलटेंसी सर्विसेस, प्रा0लि0, लखनऊ द्वारा तैयार की गई है।

भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम-2013 की धारा-5 तथा भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार (उत्तर प्रदेश) नियमावली-2016 के नियम-7(1) के अन्तर्गत उपरोक्तानुसार सामाजिक समाघात निर्धारण (Social Impact Assessment) रिपोर्ट व सामाजिक समाघत प्रबन्ध योजना पर जिलाधिकारी महोदय के आदेश दिनांक 11.05.2026 के अन्तर्गत निम्नांकित अधिकारी द्वारा नियत स्थान, दिनांक व समय पर लोक सुनवाई की जायेगी:-

क्र0 सं0	लोक सुनवायी हेतु नामित अधिकारी का नाम व पदनाम	ग्राम का नाम	लोक सुनवायी का स्थान	दिनांक	समय
1	2	3	4	5	6
1	श्री अरविन्द कुमार, उपजिलाधिकारी, सदर	कुढ़ाकेशवपुर उपरहार	तहसील सदर सभागार	25.05.2026	पूर्वान्ह 11.00 बजे

उपरोक्तानुसार अर्जन हेतु प्रस्तावित भूमि में हित रखने वाले सभी व्यक्तियों को सामाजिक समाघात आकलन रिपोर्ट (Social Impact Assessment) व सामाजिक समाघात प्रबन्ध योजना पर यदि कोई आपत्ति/सुझाव है, तो वह इसे नियत तिथि/समय व स्थान पर उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं।

(अमित कुमार भट्ट)
अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)
अयोध्या।

UP-251169 दिनांक 13.05.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

आधार कार्ड उम्र का विश्वसनीय प्रमाण नहीं

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पीड़िता की आयु-निर्धारण को लेकर उठे विवाद पर सुनवाई करते किया स्पष्ट

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्वेच्छा से विवाह करने के एक मामले में पीड़िता की आयु-निर्धारण को लेकर उठे विवाद पर विचार करते हुए स्पष्ट किया कि आधार कार्ड किसी व्यक्ति की जन्मतिथि का विश्वसनीय प्रमाण नहीं माना जा सकता, क्योंकि यह प्रायः धारक की स्व-घोषणा के आधार पर जारी किया जाता है और इसमें जन्मतिथि की शुद्धता सुनिश्चित करने वाली कठोर दस्तावेजी प्रक्रिया नहीं अपनाई जाती। यह आदेश न्यायमूर्ति जे.जे. मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने श्रीमती कोमल एवं अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। याचियों का दावा है कि याची बालिग है और अपनी इच्छा से उनके साथ रह रही है, जबकि राज्य अथवा परिजनों की ओर से उसे नाबालिग बताया जा रहा था। कोर्ट के पूर्व आदेश के अनुपालन में कौशांबी जिले के सरसावा ब्लाक स्थित कंपोजिट विद्यालय, महेवाघाट के प्रधानाचार्य न्यायालय में प्रवेश और उपस्थिति रजिस्टर लेकर प्रस्तुत हुए, जिसमें याची की जन्मतिथि 12 नवंबर 2010 दर्ज थी। जब कोर्ट ने जन्मतिथि के आधार के संबंध में पूछताछ की, तब प्रधानाचार्य ने आधार कार्ड की छायाप्रति प्रस्तुत की। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 94(2) के अनुसार आयु निर्धारण के लिए सबसे पहले हाईस्कूल प्रमाणपत्र को महत्व दिया जाता है। इसके अभाव में नगर निगम अथवा पंचायत द्वारा जारी जन्म प्रमाणपत्र या फिर वैज्ञानिक चिकित्सा परीक्षण के माध्यम से ही आयु-निर्धारण मान्य है।

सार्वजनिक मंदिर की संपत्ति पर निजी स्वामित्व का दावा गलत

विधि संवाददाता, प्रयागराज, अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सार्वजनिक मंदिरों के प्रबंधन से जुड़े विवादों में वाद दाखिल करने की अनुमति से जुड़े मुद्दे पर सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि किसी मंदिर का सार्वजनिक स्वरूप निर्विवाद हो और उसके प्रबंधन को लेकर विवाद उठे, तो ऐसे मामलों में सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 92 के तहत वाद दायर करने की अनुमति रोकी नहीं जा सकती। उक्त आदेश न्यायमूर्ति अब्दुल शाहिद की एकलपीठ ने रामचंद्र जी महाराज विराजमान मंदिर रामपाल व अन्य की ओर से दाखिल प्रथम अपील स्वीकार करते हुए पारित किया। अपीलकर्ताओं की ओर से कहा गया था कि इटावा जिले के अहेरीपुर स्थित प्राचीन श्री रामचंद्र जी महाराज मंदिर सार्वजनिक धार्मिक स्थल है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। अपीलकर्ताओं ने आरोप लगाया कि मंदिर की संपत्तियों पर निजी स्वामित्व जताकर उन्हें बेचने की कोशिश की जा रही है, इसलिए मंदिर के संरक्षण और प्रशासन के लिए प्रबंधन समिति गठित किया जाना आवश्यक है।

अभियुक्त से बचाव का अधिकार मनमाने ढंग से छीना नहीं जा सकता

विधि संवाददाता, प्रयागराज, अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक मामले में सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि सत्र परीक्षण में आरोपी द्वारा अपने बचाव में साक्ष्य प्रस्तुत करने और गवाह बुलाने का अधिकार निष्पक्ष सुनवाई का मूल तत्व है। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 233 के तहत बचाव पक्ष के गवाहों को तलब करने का आवेदन तभी खारिज किया जा सकता है, जब वह उत्पीड़न या अनावश्यक विलंब की दृष्टि से दिया गया हो। यह आदेश न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह की एकलपीठ ने इंदरपाल सिंह की बीएनएसएस की धारा 528 के तहत दाखिल याचिका स्वीकार करते हुए पारित किया। याची के खिलाफ पुलिस स्टेशन स्वार, रामपुर में आईपीसी और आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। याची का दावा है कि घटना 26 जुलाई 2016 की रात की बताई गई है, जबकि उसी दिन वह भारत से बैंकॉक के लिए रवाना हो गया था। पासपोर्ट पर दर्ज इमिग्रेशन एंट्री तथा थाईलैंड में खरीदारी से संबंधित रसीदें उसके विदेश में होने की पुष्टि करती हैं, लेकिन इसके बावजूद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि बाद में उसे जमानत मिल गई। अभियोजन पक्ष के नौ गवाहों की गवाही पूरी होने और सीआरपीसी की धारा 313 के तहत बयान दर्ज होने के बाद याची ने 21 अप्रैल 2025 को आवेदन देकर पासपोर्ट कार्यालय, देहरादून तथा ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली के अधिकारियों को बचाव पक्ष के गवाह के रूप में तलब करने की मांग की थी, जिसे ट्रायल कोर्ट ने खारिज कर दिया।

बिना तथ्यों की गंभीर जांच किए कोर्ट को निर्देश भेजना गंभीर लापरवाही

विधि संवाददाता, प्रयागराज, अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक सेवा मामले पर सुनवाई करते हुए पाया कि किसी भी मामले में तथ्यों की समुचित जांच-पड़ताल किए बिना कोर्ट को निर्देश भेजना उच्च प्रशासनिक अधिकारियों के दायित्व के अनुरूप नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने बेसिक शिक्षा निदेशक, उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा बिना पर्याप्त परीक्षण के निर्देश अग्रसारित किए जाने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए उन्हें व्यक्तिगत रूप से तलब कर लिया। कोर्ट ने माना कि ऐसे वरिष्ठ अधिकारी से अपेक्षा की जाती है कि वह अधीनस्थ अधिकारियों की सहायता से संपूर्ण अभिलेखों का सावधानीपूर्वक परीक्षण करें, लेकिन मौजूदा मामले से प्रतीत होता है कि कोई गंभीर और परिश्रमी प्रयास नहीं किया जा रहा है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की एकलपीठ ने सुशील कुमार सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। याची का दावा है कि उसके द्वारा प्रस्तुत अनुभव प्रमाणपत्र वैध है, जबकि राज्य की ओर से कोर्ट को दिए गए निर्देशों में कहा गया कि संबंधित प्रमाणपत्र का उल्लेख डिस्पैच रजिस्टर में नहीं मिला तथा तत्कालीन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने उस पर अपने हस्ताक्षर होने से इनकार किया है। याची की ओर से तर्क दिया गया कि केवल इस आधार पर किसी दस्तावेज को फर्जी नहीं माना जा सकता कि उसका उल्लेख डिस्पैच रजिस्टर में नहीं है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पाया कि राज्य सरकार की ओर से भेजे गए निर्देश अधूरे और लापरवाहीपूर्ण हैं।

न्यूज ब्रीफ

अवैध खनन में डंपर और जेसीबी सीज

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। थाना क्षेत्र ढेबरूआ के सिसवा उर्फ शिवभारी गांव में बुधवार को राजस्व टीम के पहुंचने पर जेसीबी व डंपर को मौके से पकड़कर सीज कर दिया। बुधवार की शाम लगभग 5 बजे ढेबरुआ थाना क्षेत्र के सिसवा उर्फ शिवभारी में अवैध खनन की सूचना पर उप जिलाधिकारी शोहरतगढ़ विवेकानन्द मिश्रा ने तहसीलदार शोहरतगढ़ प्रकाश सिंह यादव को मौके पर भेजा। तहसीलदार ने अपने टीम के साथ ढेबरुआ पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंचने पर अवैध खनन की सूचना पर जेसीबी व डम्फर चालक मौके से भाग खड़े हुए, तहसीलदार प्रकाश सिंह यादव ने दोनों वाहन को सीज कर थाना ढेबरुआ को सौंपा दिया और दोनों वाहनों को तहसीलदार ने सीज कर दिया।

जनगणना ट्रेनिंग से गैरहाजिर शिक्षिका से मांगा स्पष्टीकरण

संतकबीरनगर, अमृत विचार। जनगणना-2027 के प्रथम चरण के प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुपस्थित रहने पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह ने यूपीएस मगहर कम्पोजिट में तैनात सहायक अध्यापक अंजुम आरा से स्पष्टीकरण तलब किया है। उन्हें दो दिन के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया गया है। बीएसए के मुताबिक नगर पंचायत मगहर के अधिशाषी अधिकारी की ओर से भेजे गए पत्र में बताया गया कि 24 अप्रैल 2026 को प्रभा देवी महाविद्यालय, खलीलाबाद में प्रगणकों और सुपरवाइजरों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण की सूचना पहले ही संबंधित कर्मियों को दे दी गई थी, लेकिन शिक्षिका प्रशिक्षण में उपस्थित नहीं हुईं।

रोडवेज बस और ट्रेलर की भिड़ंत में चालक और परिचालक समेत 16 लोग हुए घायल

संतकबीरनगर, अमृत विचार। खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र के रसूलाबाद स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर हनुमान मंदिर के पास गुरुवार को रोडवेज बस और ट्रेलर की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में बस के चालक, परिचालक समेत 16 यात्री घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भिजवाया, जहां उनका उपचार चल रहा है।

मगहर पुलिस को एक बाइक सवार ने सूचना दी कि रसूलाबाद हनुमान मंदिर के पास पेट्रोल पंप वाली लेन पर रोडवेज बस और ट्रेलर में भिड़ंत हो गई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। घायलों को तत्काल एंबुलेंस से जिला चिकित्सालय भेजवाया गया। मगहर चौकी प्रभारी विनोद कुमार यादव ने बताया कि कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं, जबकि कई लोगों के हाथ-पैर में फ्रैक्चर हुआ है। दुर्घटना के बाद कुछ देर के लिए हाईवे पर यातायात प्रभावित रहा। बाद में पुलिस ने क्षतिग्रस्त बस को सड़क किनारे हटवाकर ट्रेलर को चौकी परिसर में खड़ा कराया, जिसके बाद आवागमन सामान्य हो सका। जबकि, ट्रेलर को कब्जे में लेकर मगहर चौकी पर भेजवाया गया है।

सपा सांसद की अभद्र टिप्पणी पर भाजपाई नाराज

संतकबीरनगर, अमृत विचार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ हमीरपुर के सपा सांसद द्वारा की गई कथित अभद्र टिप्पणी के विरोध में गुरुवार को भाजपा महिला मोर्चा ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। नाराज भाजपाइयों ने विपक्षी दलों पर राजनीतिक मर्यादा तोड़ने का भी आरोप लगाया। साथ ही डीएम आलोक कुमार को ज्ञापन सौंपकर सपा सांसद से माफी मांगने और उनके खिलाफ संवैधानिक कार्यवाही की मांग की।

कलेक्ट्रेट में डीएम आलोक कुमार को ज्ञापन देतीं भाजपा महिला मोर्चा की सदस्य।

प्रदर्शन का नेतृत्व भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती नीतू सिंह और क्षेत्रीय उपाध्यक्ष महिला सुनीता अग्रहरि ने किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष श्रीमती नीतू सिंह ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला। कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के लोकप्रिय नेताओं में शामिल हैं और उनके खिलाफ किसी भी प्रकार की अभद्र या अपमानजनक टिप्पणी स्वीकार्य नहीं है। महिला मोर्चा की क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सुनीता अग्रहरि ने विपक्षी दलों पर राजनीतिक मर्यादा लांघने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस तरह की बयानबाजी लोकतांत्रिक मूल्यों और स्वस्थ राजनीति के विरुद्ध है।

विशेष गाड़ी की संचलन अवधि का विस्तार

संवाददाता, गोरखपुर

अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल में यात्रियों की सुविधा के लिए 09075/09076 मुम्बई सेण्ट्रल-काठगोदाम-मुम्बई सेण्ट्रल सुपरफास्ट साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का अवधि विस्तार 01 फेरे के लिए किया गया है। फलस्वरूप यह गाड़ी मुम्बई सेण्ट्रल से 20 मई को तथा काठगोदाम से 21 मई किया जायेगा। 09075 मुम्बई सेण्ट्रल-काठगोदाम सुपरफास्ट साप्ताहिक विशेष गाड़ी 20 मई को मुम्बई सेण्ट्रल से 10.55 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन 14.30 बजे काठगोदाम पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 09076 काठगोदाम-मुम्बई सेण्ट्रल सुपरफास्ट साप्ताहिक विशेष गाड़ी 21 मई को काठगोदाम से 17.30 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 21.00 बजे मुम्बई सेण्ट्रल पहुंचेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 05, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01, शयनयान श्रेणी के 08, साधारण द्वितीय श्रेणी के 02 तथा जी.एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे।

ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का संचलन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेल प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल में यात्रियों की अतिरिक्त सुविधा के लिए 09157/09158 बान्द्रा टर्मिनस-गोरखपुर-बोरीवली ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का संचलन बान्द्रा टर्मिनस से 17 मई को तथा गोरखपुर से 18 मई को किया जायेगा। 09157 बान्द्रा टर्मिनस-गोरखपुर ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 17 मई को बान्द्रा टर्मिनस से 00 .30 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन 17 .30 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 09158 गोरखपुर-बोरीवली ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 18 मई को गोरखपुर से 20 .30 बजे प्रस्थान कर तीसरे दिन बोरीवली 11 .30 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 07, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 13, एल .एस .एल .आर .डी . का 01 तथा जनरेटर से लगेज यान के 01 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

सवारी गाड़ी का ठहराव किया गया रद

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा पिपराइच एवं उनौला स्टेशनों पर दोहरीकरण कार्य के परिप्रेक्ष्य में प्री-नान इंटरलाक/नान इंटरलाक कार्य किये जाने के कारण 8 जून तक चलने वाली 55047 नरकटियागंज-गोरखपुर कैंट सवारी गाड़ी, 75105 थावे-नकहा जंगल डेमू गाड़ी, 55039 नरकटियागंज-बढ़नी सवारी गाड़ी एवं 55095 नरकटियागंज-गोरखपुर कैंट सवारी गाड़ी का ठहराव पिपराइच एवं उनौला स्टेशनों पर नहीं रहेगा।

20 मई को गाड़ी का रहेगा मार्ग परिवर्तन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के सालावास-बासनी-भगत की कोठी खंड पर आटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग स्थापित किये जाने हेतु नान इंटरलाकिंग कार्य किये जाने के कारण काठगोदाम से 20 मई को चलने वाली 15014 काठगोदाम-जैसलमेर एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग फुलेरा-अजमेर-मड़वाड़-लूनी-भगत की कोठी-जोधपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग फुलेरा-डेगाना-मेड़ता रोड-जोधपुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप इस गाड़ी का ठहराव मकराना, डेगाना, मेड़ता रोड स्टेशनों पर दिया जायेगा।

परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर लिया जायजा

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, एवं संबद्ध महाविद्यालयों के पांच जनपदों में संचालित सम सेमेस्टर स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं के अन्तर्गत विश्वविद्यालय की विशेष निरीक्षण टीम द्वारा महाराजगंज जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। परीक्षा नियंत्रक दीनानाथ यादव के नेतृत्व में गठित टीम में डॉ. रविकांत शुक्ला एवं डॉ. देवबक्स सिंह सम्मिलित रहे। टीम ने महाराजगंज स्थित विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा व्यवस्था, पारदर्शिता एवं नकलविहीन परीक्षा संचालन का गहन निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्र राजेंद्र प्रसाद ताराचंद महाविद्यालय निचलौल महाराजगंज, जहां मनु लॉ कॉलेज महाराजगंज के विद्यार्थी परीक्षा दे रहे थे, द्वितीय पाली की परीक्षा में निरीक्षण टीम द्वारा मनु लॉ कॉलेज के 05 विद्यार्थियों को नकल करते हुए पकड़ा गया। संबंधित विद्यार्थियों को अनुचित साधन प्रयोग (यूएफएम) के अंतर्गत वांछित किया गया।

इसी प्रकार परीक्षा केंद्र डॉ भीमराव अंबेडकर राजकीय महाविद्यालय महाराजगंज , जहां रामरेखा राय विधि महाविद्यालय महाराजगंज के विद्यार्थी परीक्षा दे रहे थे, वहां भी 18 विद्यार्थियों को नकल करते हुए पकड़ा गया। सभी संबंधित परीक्षार्थियों के विरुद्ध अनुचित साधन प्रयोग की कार्यवाही की गई।परीक्षा नियंत्रक ने केंद्र व्यवस्थापकों एवं कक्ष निरीक्षकों को निर्देशित किया कि परीक्षा की शुचिता एवं पारदर्शिता बनाए रखने में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए।

परीक्षा केंद्र पर निरीक्षण करते विशेष टीम के सदस्य।

काम पर जाते समय मिक्सर मशीन से गिरा मजदूर, मौत

संवाददाता, संतकबीरनगर

अमृत विचार। धनघटा थाना क्षेत्र के गौवापार मार्ग पर निजी हॉस्पिटल के पास गुरुवार को मिक्सर मशीन से गिरकर मजदूर की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। धनघटा क्षेत्र के बछईपुर गांव के रहने वाले झिनक प्रसाद (50) मजदूरी करते थे। गुरुवार को वह अपने साथियों के साथ मिक्सर मशीन पर बैठकर छत की ढलाई करने पौली की ओर जा रहे थे। बछईपुर- पौली मार्ग पर स्थित निजी हॉस्पिटल के सामने झिनक अचानक नीचे गिरे और मिक्सर मशीन की चपेट आकर घायल हो गए। घटना के बाद साथी मजदूर उन्हें सीएचसी मलौली ले गए । जहां, से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पहुंचने पर देखते ही डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एसएसआई प्रमोद यादव ने बताया कि जिला अस्पताल से सूचना मिली है। सूचना पर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाऊस भेज दिया गया।

झिनक प्रसाद की फाइल फोटो।

आपसी सहमति से होगा समस्याओं का समाधान

गोरखपुर, अमृत विचार। महाप्रबन्धक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर के साथ आल इण्डिया एस.सी./एस.टी. रेलवेइम्प्लॉइज एसोसियेशन, पूर्वोत्तर रेलवे की अनौपचारिक बैठक गुरुवार को महाप्रबन्धक सभाकक्ष, गोरखपुर में आयोजित हुई। बैठक में अपर महाप्रबन्धक विनोद कुमार शुक्ल, प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ रेल अधिकारी तथा आल इण्डिया एस.सी./एस.टी. रेलवे इम्प्लॉइज एसोसियेशन, पूर्वोत्तर रेलवे के पदाधिकारी उपस्थित थे।

अधिकारियों के साथ बैठक करते महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर।

महाप्रबन्धक ने कहा कि रेलवे में कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं के निदान के लिए यूनियन एवं एसोसिएशन के साथ नियमित अन्तराल पर वार्ता के लिए तंत्र विकसित किया गया है। इसी क्रम में आज हम जो कर्मचारियों की समस्याएं हैं, उन पर ऑल इण्डिया एस.सी/एस.टी.रेलवे इम्प्लाइज एसोसिएशन के साथ अनौपचारिक वार्ता कर रहे हैं, जिनका समाधान आपसी सहमति से किया जायेगा। इस प्रकार की वार्ता के नियमित अन्तराल पर की जाती है, जिससे कि कर्मचारियों की समस्याओं का समय से निदान किया जा सके। महाप्रबन्धक ने एसोसिएशन में महिला सदस्य भी बनाने की सलाह दी। महाप्रबन्धक ने कहा कि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के सरकारी कर्मचारियों के लिये सीधी भर्ती एवं पदोन्नति में आरक्षण की व्यवस्था की गई है। इसके लिये सीधी भर्ती एवं पदोन्नति के अलग-अलग रोस्टर जारी किये गये हैं। मेरी सभी से यह अपेक्षा है कि रोस्टर के प्रावधानों का एवं आरक्षण के नियमों का अक्षरषः पालन सुनिश्चित करें। व्यक्तिगत रूप से मेरा यह अनुभव रहा है कि प्रषासनिक कार्यों में एससी/एसटी एसोसियेषन का भरपूर सहयोग मिलता है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे में वर्तमान में 59038 स्वीकृत पदों के विरूद्ध 47098 कर्मचारी कार्यरत हैं, जिसमें अनुसूचित जाति के कुल 8304 एवं अनुसूचित जनजाति के 2880 कर्मचारी शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में सेलेक्षन, सुटेबिलिटी एवं टेड टेस्ट के द्वारा अब तक कुल 3211 कर्मचारियों की पदोन्नति की गई है, जिसमें अनुसूचित जाति के 398 एवं अनुसूचित जनजाति के 96 कर्मचारी उपस्थित हैं।

96.6 फीसदी अंक हासिल कर वेदांशी ने बढ़ाया गौरव

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। नगर पंचायत शोहरतगढ़. कस्बा निवासी प्रतिभाशाली छात्रा वेदांशी मित्तल ने सीबीएसई बोर्ड की इन्टरमीडिएट परीक्षा में 96.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर क्षेत्र और जिले का नाम रोशन किया है। उन्होंने यह सफलता सीबीएसई बोर्ड ऑफ इन्टरमीडिएट एजुकेशन, उत्तर प्रदेश से हासिल की है।

नगर पंचायत शोहरतगढ़ कस्बा निवासी एवं वरिष्ठ व्यवसायी राधेश्याम मित्तल उर्फ बबलू मित्तल की सुपुत्री वेदांशी मित्तल जो विराज खण्ड गोमती नगर में स्थित स्कूल से सीबीएसई बोर्ड की 12वीं परीक्षा में 96.6% अंक प्राप्त कर परिवार, रिश्तेदार सहित पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। उनकी इस सफलता पर उनके बड़े पिताजी मनोज मित्तल ने बताया कि पुत्री वेदांशी मित्तल ने काफी लगन और मेहनत से पढ़ाई की, जिसका परिणाम आज सबके सामने है। नगर पंचायत अध्यक्ष उमा अग्रवाल व उनके पति नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने कहा कि पुत्री वेदांशी मित्तल ने अपनी मेहनत, लगन और समर्पण से निश्चित रूप से अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

छात्रा वेदांशी मित्तल।

बैठक | सीएम डैशबोर्ड, ई-ऑफिस कार्य प्रगति एवं उप्र रोजगार मिशन की समीक्षा कर डीएम ने कहा

शत-प्रतिशत लाभार्थियों को दें योजना का लाभ

संवाददाता, कुशीनगर

बैठक करते जिलाधिकारी कुशीनगर महेंद्र सिंह तंवर सहित अन्य अधिकारी।

अमृत विचार: जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड विकास कार्यक्रमों के माह अप्रैल, 2026 की मासिक समीक्षा बैठक, ई-ऑफिस कार्य प्रगति की समीक्षा बैठक तथा उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान सीएम डैशबोर्ड पर कम रैंकिंग वाले विभागों की एक-एक कर गहन समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने प्रत्येक विभाग से अद्यतन प्रगति रिपोर्ट प्राप्त कर वास्तविक स्थिति की समीक्षा की। पीएम सूर्यघर योजना के अंतर्गत जनपद को प्राप्त लक्ष्य के सापेक्ष कम प्रगति पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट एवं समयबद्ध निर्देश देते हुए कहा कि इस माह में शत-प्रतिशत लाभार्थियों को योजना से आच्छादित करते हुए लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि योजना के प्रचार-प्रसार एवं लाभार्थियों की पहचान हेतु जिला पूर्ति अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी एवं बेसिक शिक्षा अधिकारी से समन्वय स्थापित कर विशेष अभियान चलाया जाए। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग की की समीक्षा अंतर्गत जननी सुरक्षा योजना अंतर्गत लम्बित भुगतान के सम्बंध में शीघ्र भुगतान किए जाने का निर्देश दिए। कहा कि आईसीडीएस, एनआरएलएम एवं जल जीवन मिशन जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं सीधे तौर पर आमजन से जुड़ी हैं, इनमें किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने छात्रवृत्ति योजनाओं से संबंधित विभागों को निर्देश देते हुए कहा कि पात्र लाभार्थियों का चिन्हांकन कर समय से डाटा अपलोड सुनिश्चित किया जाए।

स्पीड ब्रेकर को लेकर आईजीआरएस पर दर्ज कराई शिकायत

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। बांसी तहसील अन्तर्गत मालीजोत-रेहरा मार्ग स्थित संग्रामपुर के पास अवैध रूप से मानक विपरीत रोड़ पर स्पीड ब्रेकर लगाया जाने से सड़क की सुन्दरता एवं सुलभ यात्रा पर ग्रहण लग गया है। मालीजोत-रेहरा का बहुत सुन्दर और खूबसूरत रोड़ लगभग 02 किलोमीटर का सड़क है, जिस से हजारों यात्री रोजाना यात्रा करते हैं। मालीजोत-रेहरा मार्ग पर संग्रामपुर के पास स्पीड ब्रेकर राहगीरों की मुश्किलें बढ़ा रही है और काफी परेशानी का सामना कर लोग यात्रा कर रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार रोड़ पर मनमानी तरीके से स्पीड ब्रेकर से राहगीर गिरकर चोटिल हो रहे हैं।

पौधों के संरक्षण पर दें विशेष ध्यान

- डीएम ने पौधरोपण अभियान तैयारियों के संबंध में की बैठक

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जनपद में आगामी वृक्षारोपण अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न कराए जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं डी एफ ओ नीला एम की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे तैयारियों की समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक अभियान नहीं बल्कि पर्यावरण संरक्षण एवं भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी विभागों को निर्धारित लक्ष्य के अनुसार गुणवत्तापूर्ण पौधरोपण सुनिश्चित करने तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। बैठक में वन विभाग द्वारा नर्सरियों में उपलब्ध पौधों, गड्ढा खुदाई, पौध वितरण एवं रोपण स्थलों की तैयारियों की जानकारी प्रस्तुत की गई। जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायतों, विद्यालयों, सड़क किनारे, सरकारी कार्यालय परिसरों एवं सार्वजनिक स्थलों पर अधिक से अधिक पौधरोपण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता के माध्यम से वृक्षारोपण अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप दिया जाए तथा स्वयंसेवी संस्थाओं, छात्र-छात्राओं एवं आमजन को भी इस अभियान से जोड़ा जाए।

बैठक करते जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

मुंबई हवाई अड्डे पर 5.70 करोड़ के हीरे की तस्करी में दो गिरफ्तार

मुंबई। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दो यात्रियों को हिरासत में लिया और उनके पास से 5.70 करोड़ रुपये के हीरे बरामद किए। एक अधिकारी ने बताया कि ये हीरे आरोपियों ने अपने शरीर में छिपाए थे। दोनों आरोपी हीरे की बैंकॉक में तस्करी करने की कोशिश कर रहे थे। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पकड़े जाने के बाद, दोनों यात्रियों ने जांचकर्ताओं को बताया कि उन्होंने अपने शरीर के अंदर दो कैप्सूल छिपाए हैं। उन्होंने बताया कि बाद में यात्रियों ने कैप्सूल निकाले, जिससे 1,624 कैरेट के हीरे बरामद हुए। हीरे की कीमत लगभग 5.70 करोड़ रुपये है। डीआरआई ने बताया कि दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है।

तेजस्वी ने अदालत में आत्मसमर्पण किया जमानत पर छूटे

पटना। कोरोना काल में प्रतिबंधों का उल्लंघन कर प्रदर्शन करने के मामले में गुरुवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव समेत चार अभियुक्तों ने पटना की एक विशेष अदालत में आत्म समर्पण किया, जहां उन्हें जमानत पर मुक्त कर दिया गया। सांसदों एवं विधायकों के आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए गठित विशेष अदालत में तेजस्वी यादव, आलोक कुमार मेहता, सोहेल उर्फ साहेब और शक्ति सिंह यादव ने आत्मसमर्पण करने के साथ जमानत पर रिहा करने की प्रार्थना की थी। वर्ष 2020 में इस मामले की प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आरोप था कि पांच दिसंबर 2020 को कोरोना काल के दौरान गांधी मैदान के पास प्रतिबंधित क्षेत्र में राजद, कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं ने धरना प्रदर्शन किया था।

मप्र : पटाखा कारखाने में विस्फोट से पांच मजदूरों की मौत

देवास। मध्यप्रदेश के देवास जिले में बृहस्पतिवार को पटाखा कारखाने में धमाके में बुरी तरह झुलसे दो और मजदूरों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर पांच हो गई है, जबकि 23 श्रमिकों का इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने बताया, देवास के एक निजी अस्पताल में भर्ती दो मजदूरों ने दम तोड़ दिया। टोंक कलां क्षेत्र में संचालित पटाखा कारखाने के लाइसेंसी मालिक अनिल मालवीय को सख्त प्रावधानों वाले राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक मालवीय के नाम जारी पटाखा लाइसेंस को निलंबित कर दिया गया है।

सीबीआई को शक, एनटीए के भी कई अधिकारी नीट यूजी पेपर लीक मामले में शामिल

दो और आरोपियों को किया गिरफ्तार, बुधवार को गिरफ्तार पांच आरोपियों को कोर्ट ने सात दिन के लिए केंद्रीय एजेंसी की हिरासत में भेजा

नई दिल्ली, एजेंसी

सीबीआई ने नीट यूजी पेपर लीक मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह भी बताया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) और अन्य संगठनों के कई उन अधिकारियों की भूमिका जांच के दायरे में है, जिनकी पहुंच उस प्रिंटिंग प्रेस तक थी जहां प्रश्नपत्रों की छपाई की गई थी।

अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने महाराष्ट्र के अहिल्यानगर से धनंजय लोखंड और पुणे से मनीषा वाघमारे को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि मामले में पिछले 24 घंटे के दौरान देश भर में 14 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया है। सीबीआई उस लीक के स्रोत की पहचान करने पर ध्यान दे रही है, जिसके कारण स्नातक चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक लाखों अभ्यार्थियों को भारी निराशा हुई है। उन्होंने बताया कि अबतक की सीबीआई के मुताबिक इस प्रश्नपत्र लीक कांड में सरकारी कर्मचारियों की संलिप्तता से इन्कार नहीं किया जा सकता है। सीबीआई ने राजस्थान के जयपुर से तीन आरोपियों मांगीलाल बिवाल, विकास बिवाल और दिनेश बिवाल को गिरफ्तार किया था। इनके अलावा हरियाणा के गुरुग्राम से यश यादव को और महाराष्ट्र के नासिक से शुभम खैरनार को पकड़ा गया था।

इस बीच, सीबीआई मामलों के विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता ने नीट-यूजी पेपर लीक मामले में गिरफ्तार सभी पांच आरोपियों को पूछताछ के लिए बृहस्पतिवार को सीबीआई की सात दिन की हिरासत में भेज दिया। अदालत ने इस दौरान यह टिप्पणी भी की कि आरोपों से संकेत मिलता है कि परीक्षा के गोपनीय प्रश्न पत्रों को लीक करने और आर्थिक लाभ के लिए प्रसारित करने में एक संगठित गिरोह की भूमिका थी। संघीय एजेंसी ने यश यादव, मांगीलाल खटीक, विकास बिवाल, दिनेश बिवाल और शुभम मधुकर खैरनार को बुधवार को अलग-अलग राज्यों से गिरफ्तार किया था।

नीट यूजी पेपर लीक मामले में बृहस्पतिवार को भी दिल्ली में कई छात्र संगठनों ने प्रदर्शन किया।

देश भर में प्रदर्शन... इस्तीफा दें प्रधान, माफी मांगें प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बृहस्पतिवार को बड़ी संख्या में छात्रों और संगठनों ने पेपर लीक के कारण नीट यूजी रद्द किए जाने के विरोध में प्रदर्शन किया। आम आदमी पार्टी (आप) के छात्र संगठन ''एसोसिएशन ऑफ स्टूडेंट्स फॉर अल्टरनेटिव पॉलिटिक्स'' (एएसएपी) ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था एनटीए के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान एएसएपी के एक सदस्य ने कहा, भाजपा के सत्ता में आने के बाद से चौथी या पांचवीं बार पेपर लीक हुआ है। वे छात्रों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर शिक्षा माफिया को संरक्षण देने का आरोप लगाया, जिसके कारण बार-बार प्रश्नपत्र लीक हो रहे। एक अन्य सदस्य ने कहा, हमारी मांग है कि शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छात्रों से माफी मांगें। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ द्वारा दोपहर में जंतर-मंतर पर आहूत विरोध प्रदर्शन में कई छात्र संगठनों ने भाग लिया। छात्रों ने केंद्रीय मंत्री को बर्खास्त करो, नीट पेपर लीक में शामिल लोगों को कड़ा दंड दो, जैसे नारे लिखी तख्तियां लेकर प्रदर्शन किया। आईसा ने मांग की कि पूरे पेपर लीक गिरोह और उसके मुख्य एजेंट, एनटीए को बंद किया जाए।

आईआईएम-अहमदाबाद के बाहर प्रधान को दिखाए काले झंडे

अहमदाबाद। कांग्रेस से संबद्ध भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के सदस्यों ने बृहस्पतिवार को यहां केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और काले झंडे लहराते हुए नीट-यूजी 2026 परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर उनके इस्तीफे की मांग की। यह विरोध प्रदर्शन आईआईएम-अहमदाबाद के परिसर के बाहर हुआ, जहां प्रधान भारतीय प्रबंध संस्थानों के समन्वय मंच की बैठक की अध्यक्षता करने के लिए पहुंचे थे। कांग्रेस की गुजरात इकाई के प्रवक्ता पार्थिवराजसिंह कथवाडिया ने कहा, हम मांग करते हैं कि प्रधान प्रश्नपत्र लीक की जिम्मेदारी लें और तत्काल इस्तीफा दें। इस बीच बृहस्पतिवार को भी देश के कई और राज्यों में नीट यूजी पेपर लीक के विरोध में छात्रों ने प्रदर्शन किए।

सरकार के पक्ष में नियुक्त होने हैं चुनाव आयुक्त तो पैनल में नेता विपक्ष को रखने का दिखावा क्यों

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कड़ा सवाल- निष्पक्षता रखने के लिए नियुक्ति प्रक्रिया में कोई स्वतंत्र सदस्य क्यों नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) और निर्वाचन आयुक्तों (ईसी) की नियुक्ति प्रक्रिया में स्वतंत्रता का दिखावा करने को लेकर केंद्र सरकार पर सवाल उठाए। न्यायालय ने टिप्पणी की कि तीन सदस्यीय चयन पैनल में प्रधानमंत्री के साथ एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री की उपस्थिति से विपक्ष के नेता की भूमिका महज औपचारिकता या दिखावटी रह जाती है। अदालत ने कहा कि अगर हमेशा निर्णय सरकार के पक्ष में 2:1 के बहुमत से ही होने हैं तो पैनल में विपक्ष के नेता को शामिल करने का औचित्य ही क्या है।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने जोर देकर कहा कि निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता केवल उसके वास्तविक कामकाज में ही नहीं बल्कि जनता की धारणा में भी दिखनी चाहिए। पीठ ने कहा, आयोग का केवल स्वतंत्र होना ही काफी नहीं है, बल्कि उसे स्वतंत्र दिखना भी चाहिए। शीर्ष अदालत की यह तल्ख टिप्पणियां

''मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा शर्तें और कार्यावधि) अधिनियम, 2023'' की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान आईं।

प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री की ओर से नामित एक कैबिनेट मंत्री वाले चयन पैनल के गठन पर सवाल उठाते हुए पीठ ने कहा कि इस प्रक्रिया में वास्तव में किसी भी स्वतंत्र सदस्य को शामिल नहीं किया गया है। न्यायमूर्ति दत्ता ने उल्लेख किया कि सीबीआई निदेशक की नियुक्ति में भी मुख्य न्यायाधीश चयन पैनल का हिस्सा होते हैं, जबकि सीबीआई मुख्य रूप से आपराधिक जांच और कानून के शासन से जुड़ी होती है। न्यायालय ने आश्चर्य जताया कि सीईसी और ईसी की नियुक्तियों में ऐसा स्वतंत्र सदस्य क्यों गायब है, जिनका सीधा संबंध देश में लोकतांत्रिक एवं चुनावी निष्पक्षता बनाए रखने से है।

अटॉर्नी जनरल ने माना प्रधानमंत्री से अलग नहीं हो सकती केंद्रीय मंत्री की राय, कोर्ट ने कहा.. इससे तो चयन प्रक्रिया पूरी तरह सरकार के नियंत्रण में

सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने स्वीकार किया कि व्यावहारिक रूप से पैनल में शामिल कैबिनेट मंत्री आमतौर पर प्रधानमंत्री से अलग राय नहीं रखते। इस पर न्यायालय ने कहा कि इससे चयन प्रक्रिया का नियंत्रण प्रभावी रूप से कार्यपालिका (सरकार) के हाथ में आ जाता है। वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने दलील दी कि अर्ध-न्यायिक कार्य करने वाले निकाय कार्यपालिका के नियंत्रण में नहीं रह सकते, विशेषकर तब जब सत्तारूढ़ दल खुद चुनावी विवादों में निर्वाचन आयोग के समक्ष एक पक्षकार (वादी) बन जाता है। मामले की सुनवाई अगले सप्ताह भी जारी रहेगी।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणियां

- पीठ ने कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक के चयन पैनल में भारत के मुख्य न्यायाधीश यानी सीजेआई शामिल होते हैं तो फिर सीईसी और ईसी की चयन प्रक्रिया में कोई स्वतंत्र सदस्य क्यों नहीं रखा गया है जिसका सीधा संबंध देश में लोकतांत्रिक एवं चुनावी निष्पक्षता बनाए रखने से है
- अदालत ने बार-बार इस बात को रेखांकित किया कि मुख्य मुद्दा यह है कि क्या वर्तमान व्यवस्था संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत एक स्वतंत्र निर्वाचन आयोग की आवश्यकता को पूरा करती है, विशेष रूप से तब जब स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराना संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा है।

केंद्र का तर्क... अनूप बर्णवाल फैसले के पालन के लिए हम बाध्य नहीं

अटॉर्नी जनरल ने दलील पेश करते हुए कहा कि संसद को कानून बनाने का पूर्ण अधिकार है और वह अनूप बर्णवाल मामले में पांच न्यायाधीशों की पीठ की ओर से सुझाए गए अस्थायी'' उपाय का पालन करने के लिए बाध्य नहीं है। बर्णवाल फैसला अनुच्छेद 142 (पूर्ण न्याय करने की विवेकाधीन शक्ति) का प्रयोग था और अनुच्छेद 141 के तहत बाध्यकारी कानून नहीं था जो संसद के किसी अधिनियम को रद्द कर सके। अटॉर्नी जनरल ने तर्क दिया कि न्यायालय केवल इस आशंका पर किसी कानून को अमान्य नहीं ठहरा सकती कि इसके तहत आयुक्तों की नियुक्ति स्वतंत्र नहीं होगी। याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसारिया ने तर्क दिया कि अनूप बरनवाल मामले में तय किए गए संवैधानिक सिद्धांतों को ऐसे कानून के माध्यम से कमजोर नहीं किया जा सकता जो नियुक्तियों में फिर से कार्यपालिका के प्रभुत्व को बहाल करता है।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा 4 की मौत, 38 लोग अगवा

अस्पताल में गोलीबारी में घायल हुए युवक से हालचाल पूछते मणिपुर के मुख्यमंत्री।

इम्फाल, एजेंसी

मणिपुर में दो समूहों के बीच फिर से भड़की हिंसा में अज्ञात हमलावरों ने अलग-अलग समुदायों के चार लोगों की हत्या कर दी है और 38 से अधिक लोगों को अगवा कर लिया है। राज्य के गृह मंत्री के गोविंदस ने कहा है कि अगवा किए गए लोगों को सुरक्षित छुड़ाने के प्रयास जारी हैं।

बुधवार को जैसे ही हत्याओं की खबर फैली, दोनों समुदायों के लोगों ने अलग-अलग इलाकों में दूसरे संघर्षरत समुदायों के लोगों का अपहरण करना शुरू कर दिया। गृह मंत्री ने अगवा किए गए लोगों का विवरण साझा नहीं किया। उन्होंने जेएनआईएमएस अस्पताल का दौरा किया, जहां उनके साथ विधायक अवांगबो न्यूमई, काशिम वाशुम, जमेनलुंग पामेई और दीपू गंगमेई भी मौजूद थे। वे यहां नोनी जिले के डोलंग गांव के रहने वाले विल्सन थंगा के शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने पहुंचे थे। गोविंदस ने कहा कि विल्सन थंगा ने जौजंगटेक में संदिग्ध उग्रवादियों की ओर से किए गए कायराना हमले में अपनी जान गंवा दी, जबकि दो घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी जघन्य हरकतें वे लोग कर रहे हैं जो मणिपुर में सद्भाव और एकता को भंग करना चाहते हैं। थंगा की बुधवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए जेएनआईएमएस लाया गया था। बुधवार को कांगपोकपी जिले में भी तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

- **सरकार ने किया अगवा लोगों को छुड़ाने की कोशिश करने का दावा**

कोलकाता के डीसीपी को ईडी ने किया गिरफ्तार

- **धोखाधड़ी और जबरन वसूली के आरोप में की गई गिरफ्तारी**

कोलकाता। ईडी ने कोलकाता पुलिस के उपायुक्त (डीसीपी) शांतनु सिन्हा विश्वास को धोखाधड़ी और जबरन वसूली से जुड़े मामले में गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी बताया कि यहां एजेंसी के कार्यालय में 10 घंटे से अधिक की पूछताछ के बाद विश्वास को गिरफ्तार किया गया।

ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, सोना पप्पू नेटवर्क से जुड़े कथित रूप से भूमि हड़पने, जबरन वसूली और वित्तीय अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में शांतनु सिन्हा विश्वास से पूछताछ की गई। उन्होंने बार-बार सीधे जवाब देने से परहेज किया और जांच में सहयोग नहीं किया। इकट्ठे सबूतों और पूछताछ के दौरान उनके आचरण के आधार पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। वर्तमान में कोलकाता पुलिस के सुरक्षा नियंत्रण विभाग में तैनात विश्वास आधिकारिक व्यस्तताओं का हवाला देते हुए कई बार समन की अवहेलना करने के बाद एजेंसी के समक्ष पेश हुए। एजेंसी द्वारा उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर भी जारी किया गया था।

तमिलनाडु में 2% बढ़ा कर्मचारियों और शिक्षकों का डीए

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसफ विजय ने बृहस्पतिवार को सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों के महंगाई भत्ते में दो प्रतिशत वृद्धि की घोषणा की। इस संशोधन के साथ महंगाई भत्ता (डीए) 58 प्रतिशत से बढ़कर 60 प्रतिशत हो जाएगा। यह वृद्धि एक जनवरी 2026 से प्रभावी होगी। महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी से राज्य सरकार पर सालाना 1,230 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा। राज्य सरकार की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि सरकार आवश्यक अतिरिक्त धनराशि आवंटित करेगी।

कई राज्यों में डीजल-पेट्रोल की किल्लत, लंबी कतारें लगीं

गुजरात, ओडिशा और छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में बृहस्पतिवार को डीजल-पेट्रोल की किल्लत के बीच फिलिंग स्टेशनों पर लंबी कतारें लग गईं। ओडिशा के कई पेट्रोल पंपों पर स्टॉक खत्म होने का बोर्ड लगा हुआ था। हालांकि, राज्य सरकार ने दावा किया कि राज्य में ईंधन की कोई कमी नहीं है। ओडिशा प्राइवेट बस ओनर्स एसोसिएशन ने दावा किया कि ईंधन की कमी के कारण लगभग 2,000 बसें संचालित नहीं हो पा रही हैं। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर सहित राज्य के कई शहरों में पेट्रोल-डीजल की कमी की अफवाहों के चलते पेट्रोल पंपों पर बृहस्पतिवार को वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं। हालांकि पंप संचालकों ने स्पष्ट किया कि ईंधन की आपूर्ति अधिकांश स्थानों पर सामान्य बनी हुई है।

प्रीमियम पेट्रोल बेचने का दबाव

नई दिल्ली। पेट्रोलियम डीलरों के संगठन ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के समक्ष प्रीमियम पेट्रोलियम की बिक्री बढ़ाने को दबाव डालने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि ग्राहकों को एक उत्पाद से वंचित कर दूसरा उत्पाद खरीदने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता।

राजस्थान में घटाई तेल की आपूर्ति

जयपुर। राजस्थान के पेट्रोल पंप डीलरों ने आरोप लगाया है कि तेल विपणन कंपनियों ने खुदरा दुकानों पर ईंधन की आपूर्ति घटा दी है और उपभोक्ताओं को पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर अनौपचारिक सीमा लगा दी है। डीलरों ने चेतावनी दी है कि यह कदम पेट्रोल पंपों पर कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा कर सकता है।

मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद पार्टी में बढ़ेगा केसी का कद

नई दिल्ली। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में 'केसी' को खारिज नहीं कर सकते। केरल के मुख्यमंत्री पद का फैसला होने के बाद पार्टी के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच बृहस्पतिवार को यह चर्चा आम थी। कांग्रेस के कई नेताओं का मानना है कि संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भले ही मुख्यमंत्री पद हासिल करने में कामयाब नहीं हो सके, लेकिन आने वाले दिनों में पार्टी में उनका कद और बढ़ सकता है।

पार्टी नेतृत्व ने वीडी सतीशन को केरल का मुख्यमंत्री बनाने का फैसला किया। कांग्रेस को इस निर्णय पर पहुंचने में 10 दिन लग गए। इस निर्णय में देरी का एक प्रमुख कारण वेणुगोपाल की दावेदारी थी क्योंकि वह पिछले कुछ वर्षों से कांग्रेस में एक शक्तिशाली नेता और राहुल गांधी के करीब हैं। इस पद के लिए तीन मुख्य दावेदार सतीशन, वेणुगोपाल और रमेश चेन्निथला थे।

अन्नाद्रमुक में खींचतान, पलानीस्वामी को बागियों ने की अयोग्य घोषित करने की मांग

- **विरोधी गुट ने लगाया पार्टी की ओर से जारी व्हिप के उल्लंघन का आरोप**
- **विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात कार्रवाई करने की मांग की**

चेन्नई, एजेंसी

ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) में जारी खींचतान और बढ़ गई है। सीवी षणमुगम और एसपी वेलुमणि नीत गुट ने बृहस्पतिवार को अन्नाद्रमुक प्रमुख ईके पलानीस्वामी और उनके साथी विधायकों पर तमिलनाडु विधानसभा में मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार के विश्वास मत के सिलसिले में पार्टी की ओर से जारी व्हिप का उल्लंघन करने का आरोप लगाया और उन्हें विधायक के रूप में अयोग्य घोषित किए जाने की मांग की।

पलानीस्वामी ने एक बयान में दावा किया, वे छह मंत्री पद और 10 बोर्ड प्रमुख पद के लालच में फंस गए। यह बेहद दुखद है कि पार्टी के साथ विश्वासघात करने वाले लोग मेरे बारे में दुष्प्रचार फैला रहे हैं। वेलुमणि ने पलानीस्वामी के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विरोधी खेमा मंत्री पद के पीछे नहीं भाग रहा है, क्योंकि अम्मा (दिवंगत मुख्यमंत्री जे जयललिता) ने हमें पद दिए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि पलानीस्वामी के नेतृत्व में अन्नाद्रमुक को 2019 से लेकर अब तक केवल चुनावी हार का सामना करना पड़ा है और वे (षणमुगम-वेलुमणि गुट) पार्टी की आम परिषद में केवल इस पर चर्चा करना चाहते थे। इससे पहले, षणमुगम-वेलुमणि गुट ने दावा किया कि उसे पार्टी के 47 विधायकों का समर्थन हासिल है। षणमुगम-वेलुमणि गुट के सचेतक सी विजयभास्कर ने कहा कि विधायक दल का फैसला बहुमत के आधार पर होता है। उन्होंने संकेत दिया कि षणमुगम-वेलुमणि गुट को यह बहुमत हासिल है।

विजयभास्कर ने कहा कि बुधवार को विश्वास मत के दौरान विजय के नेतृत्व वाली टीवीके सरकार के पक्ष में मतदान करने के उनके निर्देश के बारे में व्हाट्सएप और ईमेल के जरिए सभी अन्नाद्रमुक विधायकों को विधिवत रूप से सूचित कर दिया गया था। उन्होंने कहा, 47 विधायकों में से 25 ने निर्देश का पालन किया। एडप्पाडी पलानीस्वामी समेत पार्टी के 22 विधायकों ने अन्नाद्रमुक के सचेतक के रूप में मेरी ओर से जारी निर्देश पर अमल नहीं किया तथा उसके खिलाफ कदम उठाया। इसलिए हमने विधानसभा अध्यक्ष से मुलाकात कर दलबदल रोधी कानून के तहत पलानीस्वामी तथा उनके साथी विधायकों को विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराए जाने की मांग की।

परिवर्तन | पीओके से घुसपैठ के लिए कुख्यात रहा है बर्फ की चोटिया से ढका यह दुर्गम इलाका, अब पर्यटकों से होगा गुलजार

ऐतिहासिक युद्ध स्थल पर अब संग्रहालय और जांच चौकी

साधना पास, एजेंसी

बर्फ से ढकी चोटियों से घिरा यह दुर्गम इलाका कभी पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से घुसपैठ के लिए जाना जाता था। इस दर्रे का नाम दिवंगत अभिनेत्री साधना के नाम पर रखा गया है। बृहस्पतिवार को इस दर्रे का कुख्यात अतीत वर्तमान से जुड़ गया, जब इस ऊंचे स्थान पर एक जांच चौकी और एक युद्ध संग्रहालय का उद्घाटन किया गया।

शमशाबाड़ी पर्वत श्रृंखला में 10,269 फुट की ऊंचाई पर स्थित अत्याधुनिक एकीकृत पारगमन प्रतिष्ठान और शौर्य गाथा परिसर सैंड मॉडल हिल चोटी पर मौजूद है। यह कर्णाह और कुपवाड़ा के बीच स्थित है, जो कश्मीर घाटी को जोड़ने वाले ऊंचे, वन दर्रों से होकर गुजरने वाले मार्ग पर पड़ता है। एकीकृत पारगमन प्रतिष्ठान मादक पदार्थों के व्यापार को रोकने के लिए एक जांच चौकी है, वहीं सेना की 28वीं इन्फैंट्री डिवीजन और 104वीं ब्रिगेड द्वारा निर्मित युद्ध संग्रहालय वीरता और साहस की गाथाओं की याद दिलाता है। साधना दर्रे (जिसे पहले नास्ताचुन दर्रे के नाम से जाना जाता था) पर स्थित ये दोनों प्रतिष्ठान दो साल से भी कम समय में बनकर तैयार हो गए। अक्टूबर 1965 में जब फिल्म 'मेरे महबूब' की अभिनेत्री ने पाकिस्तान के खिलाफ भारतीय सेना की जीत पर बधाई देने के लिए यहाँ का दौरा किया, तब इस दर्रे का नाम बदल दिया गया। उस समय जिन चोटियों पर भारत ने कब्जा कर लिया था, उन्हें ताशकंद समझौते के बाद पाकिस्तान को वापस सौंप दिया गया। बृहस्पतिवार को जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने संग्रहालय और जांच चौकी का उद्घाटन किया।

एलओसी से नजदीक स्थापित किया गया युद्ध संग्रहालय।

भारत-पाकिस्तान के तीन युद्धों की अमर गाथा

शौर्य गाथा संग्रहालय में स्वतंत्रता के बाद से तंगधार क्षेत्र में लड़े गए युद्धों को अमर बनाने वाले अवशेषों, अभिलेखों और कथाओं का संग्रह है। यह स्थान भारत-पाकिस्तान के तीन युद्धों का क्षेत्र रहा है। पर्यटक हरबख्श स्थल भी जा सकते हैं, जिसका नाम तत्कालीन ब्रिगेडियर हरबख्श सिंह के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने 1947-48 के युद्ध के दौरान तंगधार और तीतवाल पर कब्जा करने के अभियान का नेतृत्व किया था।

जिंदगी तो अपने दम पर ही जी जाती है, दूसरों के कंधों पर तो सिर्फ जनाजे उठाए जाते हैं।

–शहीदे आजम भगत सिंह

सोने पर शिकंजा

सरकार द्वारा सोना और चांदी के आयात शुल्क को 15 प्रतिशत करने का निर्णय कर संशोधन ही नहीं देश की व्यापक आर्थिक चिंता का संकेत है। डॉलर की मजबूती और आयात बिल में तेज वृद्धि से उपजे दबाव के बीच सरकार ने यह संदेश दिया है कि सोना केवल आभूषण नहीं, विदेशी मुद्रा पर भारी बोझ भी है। देश अपनी आवश्यकता का अधिकांश सोना आयात करता है। जब तेल और सोना दोनों का आयात बढ़ता है, तो चालू खाता घाटा और रुपये पर दबाव बढ़ने लगता है। सोना उत्पादन, रोजगार या निर्यात क्षमता में प्रत्यक्ष योगदान अपेक्षाकृत कम देता है, जबकि इसके आयात में भारी विदेशी मुद्रा खर्च होती है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री ने हाल में लोगों से सोने की अनावश्यक खरीद कम करने की अपील की थी। उस अपील के बाद सोने की खरीद में कथित रूप से लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। यानी लोगों ने संकट की आशंका में सोने की 'पैनिक बाइंग' शुरू कर दी। सरकार का यह फैसला इस मांग को भी नियंत्रित करेगा। 2024 में सरकार ने सोने पर आयात शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर लगभग छह प्रतिशत किया था, ताकि तस्करी कम हो और ज्वेलरी उद्योग को राहत मिले, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। विदेशी मुद्रा भंडार, डॉलर की मांग और वैश्विक अनिश्चितता ने सरकार को फिर से कठोर कदम उठाने पर मजबूर किया है।

लागत, बीमा, माल ढुलाई और विभिन्न उपकरों को जोड़ने पर प्रभावी कर भार लगभग 18 प्रतिशत से अधिक बैठता है। यानी अब उपभोक्ता 10 ग्राम सोने की वास्तविक कीमत के साथ-साथ तकरीबन तीस हजार तक कर भी चुकाना होगा। सर्राफा कारोबारियों की लागत बढ़ेगी और उसका बोझ ग्राहकों तक पहुंचेगा। इसका मतलब है शादी-ब्याह, निवेश और पारंपरिक खरीद अब पहले से अधिक महंगी हो जाएगी। ज्वेलरी उद्योग, जो 50 लाख से अधिक कारीगरों और छोटे व्यापारियों को रोजगार देता है, दबाव में आ जाएगा। सिर्फ ज्वेलरी क्षेत्र ही नहीं, इलेक्ट्रॉनिक्स, प्रिसीजन इंजीनियरिंग और रिसाइक्लिंग उद्योग भी प्रभावित होंगे, जहां कीमती धातुओं का उपयोग होता है। इससे कई दूसरे उत्पादों की लागत बढ़ सकती है। दूसरी ओर, जब वैध आयात अत्यधिक महंगा हो जाता है, तो तस्करी और ग्रे मार्केट सक्रिय हो जाते हैं। दुबई, दक्षिण-पूर्व एशिया और सीमा पार नेटवर्क के माध्यम से अवैध सोने की आवक फिर बढ़ सकती है। सरकार का अनुमान हो सकता है कि आयात में 15 से 20 प्रतिशत तक गिरावट आएगी, लेकिन यह तभी संभव है, जब तस्करी नियंत्रित रहे। अन्यथा वैध आयात घटेगा और अवैध व्यापार बढ़ेगा।

सरकार के पास विकल्प भी थे। वह गोल्ड बॉन्ड, डिजिटल गोल्ड, गोल्ड मोनेटाइजेशन स्कीम और घरेलू रिसाइक्लिंग को अधिक आकर्षक बना सकती थी। लोगों को वित्तीय निवेश के बेहतर विकल्प देकर सोने पर निर्भरता कम की जा सकती थी, लेकिन तात्कालिक संकटों में सरकारों के लिए सबसे आसान उपाय आयात शुल्क बढ़ाना ही लगा। यह निर्णय अर्थव्यवस्था और समाज के बीच संतुलन की परीक्षा है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि विदेशी मुद्रा बचाने की कोशिश कहीं वैध कारोबार, रोजगार और बाजार की पारदर्शिता को नुकसान न पहुंचा दे।

प्रसंगवश

ऑनलाइन स्टोर, ग्राहक और दवाखानों का विरोध

ऑनलाइन दवा बिक्री और कॉर्पोरेट डिस्काउंट के विरोध में देशभर के मेडिकल स्टोर संचालकों ने 20 मई को राष्ट्रव्यापी हड़ताल बुलाई है। इस दौरान देश भर के 12 लाख से अधिक खुदरा और थोक मेडिकल स्टोर बंद करने जैसी सूचनाएं आ रही हैं। मेडिकल स्टोर संचालकों का कहना है कि ऑनलाइन दवा बिक्री से उनका कारोबार प्रभावित हो रहा है। माना कि उनका कहना सही है, लेकिन इसका दूसरा पक्ष भी है, जिसे समझना बेहद जरूरी है। वह यह कि आम आदमी को ऑनलाइन स्टोर से दवाएं काफी कम दाम में मिल जाती हैं। सबसे अहम सवाल यह है कि आखिर उपभोक्ता ऑनलाइन दवा स्टोर्स की ओर आकर्षित ही क्यों हुआ?

क्या केवल सुविधा ही इसकी वजह है? शायद नहीं। इसकी असल वजह कहीं अधिक गहरी है और वह है मेडिकल स्टोर संचालकों द्वारा दवाओं पर वर्षों से लिया जा रहा अत्यधिक मुनाफा। आम आदमी जब किसी बीमारी से जूझता है, तो वह पहले ही अस्पतालों की मोटी फीस, तमाम जांचों, ऑपरेशन और इलाज के नाम पर लिए गए भारी खर्च से टूट चुका होता है। ऐसे में जब वह मेडिकल स्टोर पर पहुंचता है और वही दवा उसे एमआरपी पर या फिर कई बार अत्यधिक कीमत में मिलती हैं, जबकि वही दवा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भारी छूट के साथ उपलब्ध होती है, तो वह स्वाभाविक रूप से उपभोक्ता सस्ते विकल्प की ओर ही जाएगा।

हरीश उप्रेती करन

लेखक

यह कोई अपराध नहीं, बल्कि उपभोक्ता का अधिकार है। खुद स्टोर संचालक भी अपनी जरूरत की वस्तुएं उस जगह से खरीदते होंगे, जहां उन्हें थोड़ी-बहुत राहत मिलती हो। सवाल यह भी है कि आम आदमी मेडिकल स्टोर मालिकों के हाथों से क्यों लुटे। कोई भी व्यक्ति अपनी मेहनत की कमाई बचाने के लिए वहां से सामान खरीदेगा, जहां से उसे राहत मिलेगी। यदि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म लोगों को सस्ती दवाएं उपलब्ध करा रहे हैं, तो लोग वहां जाएंगे ही।

विचारणीय बात यह भी है कि ऑनलाइन दवा कंपनियां अचानक पैदा नहीं हुईं। स्टोर संचालकों के मनमाने दामों ने उन्हें जगह उपलब्ध कराई, क्योंकि वर्षों से दवा बाजार में पारदर्शिता की कमी रही। कई दवाओं पर तीन गुना तक मुनाफे की चर्चाएं आम रही हैं। मरीज के प्राण बचाने को दवा जरूरी और उसकी मजबूरी है और मेडिकल स्टोर संचालकों ने मरीज की मजबूरी को व्यापार का सबसे आसान अवसर समझ लिया। यही कारण है कि उपभोक्ता विकल्प तलाशते हुए ऑनलाइन स्टोर तक पहुंच गया।

मेडिकल स्टोर संचालकों को आंदोलन करने से पहले आत्ममंथन करना चाहिए। उन्हें यह समझना होगा कि ग्राहक केवल कीमत नहीं देखता, बल्कि व्यवहार, भरोसा और पारदर्शिता भी देखता है। यदि स्थानीय मेडिकल स्टोर उचित दाम, सही सलाह और संवेदनशील व्यवहार दें, तो लोग आज भी उनके पास ही जाना पसंद करेंगे। यह भी सच है कि ऑनलाइन दवा बिक्री में निगरानी और नियमों की आवश्यकता है, ताकि नकली या बिना पर्चे की दवाओं का खतरा न बढ़े।

आज का उपभोक्ता जागरूक है। वह अपने अधिकार जानता है और यह तय करने के लिए स्वतंत्र है कि उसे दवा कहां से खरीदनी है। पास की दुकान से या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से। बाजार अब बदल चुका है। जो समय के साथ बदलेगा, वही बाजार में टिकेगा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

शुभेंदु की चुनौतियां और भविष्य का बंगाल

योगेश कुमार गोयल

वरिष्ठ पत्रकार

पश्चिम बंगाल की जिस धरती ने दशकों तक वामपंथी 'लाल सलाम' की गूंज और बाद में ममता बनर्जी के 'मां-माटी-मानुष' के नारों को आत्मसात किया, वहां 'जय श्री राम' और 'सोनार बांग्ला' के उद्घोष के बीच शुभेंदु अधिकारी का मुख्यमंत्री पद पर आरूढ़ होना, भारतीय राजनीति के सबसे बड़े सत्ता-परिवर्तन के रूप में दर्ज हो गया है। शुभेंदु अधिकारी का राज्य के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में सत्तारूढ़ होना केवल सरकार बदलने की घटना नहीं, बल्कि बंगाल की वैचारिक दिशा, राजनीतिक संस्कृति और प्रशासनिक संरचना में एक बड़े परिवर्तन का संकेत है।

वे ऐसे समय में सत्ता के शिखर पर पहुंचे हैं, जब पश्चिम बंगाल लंबे समय से राजनीतिक हिंसा, प्रशासनिक पक्षपात, भ्रष्टाचार, सिंडिकेट संस्कृति, आर्थिक संकट, अवैध घुसपैठ और सामाजिक ध्रुवीकरण जैसी गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है। नंदीग्राम आंदोलन से उभरे इस नेता के समक्ष अब केवल राजनीतिक संघर्ष नहीं, बल्कि पूरे राज्य की दिशा बदलने की ऐतिहासिक जिम्मेदारी है। सत्ता परिवर्तन का उत्साह जितना विशाल है, चुनौतियों का पहाड़ उससे कहीं अधिक ऊंचा है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति दशकों से वैचारिक संघर्ष और राजनीतिक हिंसा की प्रयोगशाला रही है। वामपंथी शासनकाल में 'कैडर संस्कृति' और तृणमूल शासन में राजनीतिक प्रतिशोध के आरोपों ने लोकतंत्र की निष्पक्षता पर लगातार प्रश्नचिह्न लगाए। 2021 के चुनावों के बाद हुई हिंसा ने राष्ट्रीय स्तर पर बंगाल की छवि को गंभीर रूप से प्रभावित किया था। ऐसे माहौल में शुभेंदु के सामने सबसे बड़ी चुनौती राज्य को भय, हिंसा और प्रतिशोध की राजनीति से बाहर निकालने की है।

यदि नई सरकार भी राजनीतिक बदले की संस्कृति में उलझ जाती है, तो जनता का विश्वास शीघ्र टूट सकता है, इसलिए शुभेंदु के लिए यह आवश्यक होगा कि वे पुलिस और प्रशासन को राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त कर संवैधानिक निष्पक्षता की दिशा में आगे बढ़ाएं। वास्तव में बंगाल की जनता अब संघर्ष नहीं, स्थिरता चाहती है। लोग ऐसी सरकार की अपेक्षा कर रहे हैं, जो कानून-व्यवस्था को राजनीतिक विचारधारा से ऊपर रख सके। मुख्यमंत्री के रूप में शुभेंदु अधिकारी की सबसे बड़ी परीक्षा यही होगी कि क्या वे अपने कार्यकर्ताओं की आक्रामक राजनीतिक ऊर्जा को विकास और सुशासन की दिशा में मोड़ पाते हैं या नहीं।

> मुख्यमंत्री के रूप में शुभेंदु अधिकारी की सबसे बड़ी परीक्षा यही होगी कि क्या वे अपने कार्यकर्ताओं की आक्रामक राजनीतिक ऊर्जा को विकास और सुशासन की दिशा में मोड़ पाते हैं या नहीं।

नई सरकार के समक्ष दूसरी बड़ी चुनौती भ्रष्टाचार और सिंडिकेट संस्कृति को समाप्त करने की है। वर्षों से बंगाल में निर्माण कार्यों, स्थानीय बाजारों, पंचायतों और सरकारी योजनाओं में बिचौलियों के प्रभाव को लेकर आरोप लगते रहे हैं। 'कट-मनी' शब्द बंगाल की राजनीति का प्रतीक बन चुका था। भाजपा ने चुनाव प्रचार के दौरान इसे मुद्दा बनाया था। अब सत्ता में आने के बाद जनता की अपेक्षा है कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध केवल भाषण नहीं, ठोस कार्रवाई दिखाई दे, हालांकि यह काम उतना आसान नहीं होगा, जितना राजनीतिक मंचों से प्रतीत होता है।

प्रशासनिक तंत्र वर्षों से जिस राजनीतिक ढांचे में काम करता रहा है, उसे अचानक बदल देना सरल नहीं है। शुभेंदु स्वयं लंबे समय तक तृणमूल कांग्रेस का हिस्सा रहे हैं, इसलिए वे उस व्यवस्था की कमजोरियों को निकट से जानते हैं। यही अनुभव उनके लिए ताकत भी बन सकता है और विरोधियों के लिए हमला करने का आधार भी। अवैध घुसपैठ और सीमा सुरक्षा नई सरकार के सामने सबसे संवेदनशील मुद्दों में से एक है। बांग्लादेश से लगती पश्चिम बंगाल की लंबी और पोरस सीमा लंबे समय से राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से चिंता का विषय रही है। भाजपा लगातार आरोप लगाती रही है कि अवैध घुसपैठ ने राज्य की जनसांख्यिकी और राजनीतिक संतुलन को प्रभावित किया है। अब जब केंद्र और राज्य दोनों में भाजपा की सरकार है, तब जनता की अपेक्षाएं और बढ़ गई हैं।

शुभेंदु अधिकारी के सामने चुनौती केवल सीमा सील करने या तस्करी रोकने की नहीं है, बल्कि सीमावर्ती जिलों में विश्वास और स्थिरता स्थापित करने की भी है। गौ-तस्करी, नकली मुद्रा, हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी जैसे संगठित अपराध लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय रहे हैं। यदि नई सरकार आधुनिक तकनीक, बेहतर निगरानी और केंद्र-राज्य समन्वय के माध्यम से प्रभावी रणनीति बनाती है, तो सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा की स्थिति बेहतर हो सकती है, लेकिन इस मुद्दे का राजनीतिक और सामाजिक संतुलन बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक होगा, क्योंकि कठोर कार्रवाई और सांप्रदायिक तनाव के बीच की रेखा बेहद पतली है।

पश्चिम बंगाल इस समय भारी कर्ज के बोझ तले दबा है। राज्य पर लाखों करोड़ रुपये का ऋण है और राजस्व संसाधन सीमित हैं। दूसरी ओर भाजपा ने चुनावों के दौरान महिलाओं को प्रतिमाह आर्थिक सहायता, युवाओं को रोजगार और कई लोकलुभावन योजनाओं के वादे किए हैं। ऐसे में सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि खाली खजाने के साथ इन वादों को पूरा कैसे किया जाएगा। शुभेंदु के सामने सबसे कठिन चुनौती विकास और वित्तीय अनुशासन के बीच संतुलन स्थापित करने की होगी। यदि सरकार केवल लोकलुभावन योजनाओं पर निर्भर रहती है तो राज्य की आर्थिक स्थिति और बिगड़ सकती है, इसलिए बंगाल को फिर से औद्योगिक और निवेश केंद्र बनाने की दिशा में गंभीर प्रयास आवश्यक होंगे।

कभी देश के प्रमुख औद्योगिक राज्यों में शामिल रहा बंगाल आज उद्योगों के पलायन का दर्द झेल रहा है। सिंगूर और नंदीग्राम की घटनाओं ने निवेशकों के मन में असुरक्षा पैदा की थी। विडंबना यह है कि जिस नंदीग्राम आंदोलन ने शुभेंदु अधिकारी को राजनीतिक पहचान दी, अब वही उनके सामने औद्योगिक पुनर्निर्माण की चुनौती बनकर खड़ा है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आमने सामने

यह बहुत ही गंभीर और चौंकाने वाला मामला है। 22 लाख युवाओं का भविष्य बेचने वाले आरोपियों की तस्वीरें भाजपा नेताओं के साथ वायरल हो रही हैं। कोई जमवारामगढ़ बीजेपी विधायक का करीबी है, तो कोई शिक्षा मंत्री और चौमूं से भाजपा विधायक का खास।

–गोविंद सिंह डोटासरा

प्रदेश अध्यक्ष, राजस्थान कांग्रेस

राजनीति में हर दिन हजारों लोग हमारे साथ फोटो खिंचवाते हैं। किसी के साथ फोटो होने या 50 रुपये के पोस्टर में नाम छप जाने से यह साबित नहीं होता कि वह व्यक्ति भारतीय जनता पार्टी से जुड़ा है या मेरा करीबी है। फोटो किसी के चरित्र का प्रमाण पत्र नहीं हो सकती।

–मदन दिलावर

शिक्षा मंत्री, राजस्थान

चरखे से बाजार तक फीकी पड़ती खादी की चमक

कुमार सिद्धार्थ

वरिष्ठ पत्रकार

खादी आज फिर चर्चा में है। उपलब्धियों के दावे हैं, बढ़ते कारोबार के आंकड़े हैं और एक नई चमक भी है, लेकिन इसी चमक के बीच एक असहज प्रश्न लगातार उपस्थित है, क्या यह विकास खादी का है या खादी के नाम पर विस्तृत होते बाजार का? पिछले वर्षों में खादी और ग्रामोद्योग के विस्तार को एक बड़ी आर्थिक सफलता के रूप में प्रस्तुत किया गया है। वर्ष 24-25 का कुल कारोबार 1.70 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच चुका है। उत्पादन, बिक्री और रोजगार में उल्लेखनीय वृद्धि के दावे किए गए हैं। यह तस्वीर प्रभावशाली है, परंतु जब हम इन आंकड़ों की तह में जाते हैं, तो एक अलग यथार्थ सामने आता है।

कुल कारोबार में खादी वस्त्रों की हिस्सेदारी लगभग 7,145 करोड़ रुपये है। यानी करीब चार प्रतिशत। शेष 96 प्रतिशत हिस्सा ग्रामोद्योग की अन्य गतिविधियों का है। इसका अर्थ यह है कि जिस रिकॉर्ड वृद्धि की बात की जा रही है, उसका केंद्र खादी कपड़ा नहीं है। यहां से प्रश्न उठता है कि क्या हम खादी की सफलता का उत्सव मना रहे हैं, या ग्रामोद्योग के विस्तार को खादी के नाम से देख रहे हैं?

इस प्रश्न का उत्तर खादी के मूल विचार में छिपा है। महात्मा गांधी के लिए खादी केवल वस्त्र नहीं थी। वह स्वराज का माध्यम थी। उनका स्पष्ट मानना था कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और जब तक गांव आत्मनिर्भर नहीं होंगे, तब तक सच्चा स्वराज संभव नहीं है। गांधी ने खादी को एक वैकल्पिक आर्थिक व्यवस्था के रूप में देखा। यह व्यवस्था विकेंद्रीकृत थी, जहां उत्पादन छोटे स्तर पर, स्थानीय संसाधनों और श्रम के आधार पर होता है। चरखा इस व्यवस्था का प्रतीक था। वह केवल धागा नहीं कातता था, बल्कि बेरोजगारी, असमानता और शोषण के खिलाफ एक अहिंसक प्रतिरोध भी था। खादी का अर्थ था, हर हाथ को काम, हर गांव को आत्मनिर्भरता और हर व्यक्ति को सम्मानजनक जीवन।

> खादी फिर चर्चा में है। उपलब्धियों के दावे हैं। बढ़ते कारोबार के आंकड़े हैं, लेकिन क्या यह विकास खादी का है या खादी के नाम पर विस्तृत होते बाजार का?

आज जब हम वर्तमान स्थिति को देखते हैं, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या खादी अब भी उसी विचार का प्रतिनिधित्व करती है? बाजार में उपलब्ध खादी की स्थिति इस प्रश्न को और तीखा बनाती है। खादी अब सस्ती और सर्वसुलभ नहीं रही है। उसकी कीमतें बढ़ गई हैं। आम उपभोक्ता के लिए उनकी पहुंच दूर होती जा रही है। जो वस्त्र कभी किसान और मजदूर की पहचान था, वह अब एक विशेष वर्ग का परिधान बनता दिखता है। यह बदलाव केवल उपभोग का नहीं, बल्कि सामाजिक चरित्र का भी संकेत है।

इसका प्रभाव खादी की संस्थागत संरचना पर भी पड़ा है। देश भर में सैकड़ों खादी संस्थाएं दशकों से इस परंपरा को जीवित रखे हुए थीं। ये संस्थाएं केवल उत्पादन केंद्र नहीं थीं, बल्कि ग्रामीण समाज के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता का आधार थीं। आज इन संस्थाओं की स्थिति चिंताजनक है। कई संस्थाएं वित्तीय संकट से जूझ रही हैं। कच्चे माल की लागत बढ़ी है, भुगतान में देरी होती है और कार्यशील पूंजी का अभाव उत्पादन को सीमित करता है। सरकारी योजनाएं मौजूद हैं, पर उनकी प्रक्रिया जटिल है। समय पर सहायता न मिलने से संस्थाओं की आर्थिक स्थिति कमजोर होती है।

इसके साथ ही बाजार में एक नया वर्ग उभरा है ब्रांडेड और डिज़ाइनर 'खादी' का। यह वर्ग आधुनिक प्रस्तुति, पैकेजिंग और विपणन के माध्यम से खादी को एक प्रीमियम उत्पाद के रूप में स्थापित कर रहा है। परंपरागत खादी संस्थाएं इस प्रतिस्पर्धा में पीछे रह जाती हैं। उनके पास संसाधनों की कमी है और वे तेजी से बदलते बाजार के अनुरूप खुद को ढाल नहीं पातीं। इसका सीधा असर कारीगर पर पड़ता है।

आंकड़ों में रोजगार का आंकड़ा लगभग 1.94 करोड़ बताया जाता है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं कि इनमें कितने लोग स्थायी और पूर्णकालिक रोजगार में हैं। बड़ी संख्या असंगठित और अंशकालिक हो सकती है। कारीगर की आय आज भी अनिश्चित और सीमित है। कई बुनकर और कतिन नियमित और पर्याप्त आय से वंचित हैं। यहीं खादी की सफलता का दावा कमजोर पड़ता है। यदि उत्पादन बढ़ता है, बिक्री बढ़ती है, पर कारीगर की स्थिति नहीं बदलती, तो यह विकास अधूरा है।

इसी संदर्भ में सूत उत्पादन और चरखों की स्थिति पर भी ध्यान देना जरूरी है। खादी की पूरी प्रक्रिया की शुरुआत सूत कातने से होती है। चरखा इस व्यवस्था की मूल इकाई है, लेकिन आज कई क्षेत्रों में चरखे या तो कम हो गए हैं या निष्क्रिय पड़े हैं। हाथ से काते सूत की जगह मशीन निर्मित धागे का उपयोग बढ़ रहा है। इससे खादी की मूल पहचान प्रभावित होती है। यदि सूत ही मशीन से आने लगे, तो खादी का वह श्रम-आधारित स्वरूप कमजोर हो जाता है, जो उसे विशिष्ट बनाता है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) द्वारा लगभग 2.87 लाख मशीनें और टूलकिट वितरित किए जाने का दावा भी इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

मो. रफी का 'बेटा'

गायक अनवर हुसैन जिनको कभी 'मोहम्मद रफ़ी का बेटा' ख़िताब दिया गया था, क्योंकि कहा जाता था कि उनकी आवाज़ हू ब हू मोहम्मद रफ़ी साहब से मिलती है। गायक अनवर जो अभिनेता अरशद वारसी के सौतेले और चरित्र अभिनेत्री आशा सचदेव के सगे भाई हैं, उन्होंने फ़िल्म जनता हवलदार का 'हमसे का भूल हुई' गीत गाया है, जिसमें उनकी आवाज़ को कई लोग रफ़ी जैसी समझते हैं, ये गीत मैंने सुना था और मुझे ठीक ही ठाक लगा, रफ़ी साहब से अलग अंदाज़ लगा था।

जिया इम्तियाज

ब्लॉगर

इत्तेफ़ाक़न मैंने उनके कुछ गीत और सुने.... और वाक़ई उनकी आवाज़ सुनकर हैरान रह गया कि ये आवाज़ और अंदाज़ तो कहीं से भी ऐसा नहीं लगता कि रफी साहब के अलावा ये गायक दूसरा कोई और होगा। अभी दो चार दिन पहले जब मैंने अनवर का पहला फिल्मी गीत 'कसमें हम अपनी जान की खाए चले गए...' सुना तो मुझे ये बात हज़म करनी मुश्किल हो गई कि ये रफ़ी साहब नहीं हैं, ...वही मुलायमियत, वही रूमानी अंदाज़ और वही सुरों पर पकड़.... कहते हैं कि रफ़ी साहब भी इस गीत को सुनकर कन्फ्यूज़ हो गए थे कि ये गीत उन्होंने कब गाया??

1973 में आई फ़िल्म 'मेरे ग़रीब नवाज़' ये गीत सुपरहिट होने के बावजूद अनवर को फिल्मों में मौका नहीं मिला, क्योंकि मोहम्मद रफ़ी साहब ख़ुद फिल्मी दुनिया में मौजूद थे और हर किसी की मदद के लिए तैयार रहते थे, जबकि अनवर में प्रोफेशनलिज्म की कमी थी। इसके बाद महमूद साहब की वजह से अनवर साहब को फ़िल्म 'जनता हवलदार' (1979) में गाने का मौका मिला। इस फ़िल्म के दो हिट गानों से अनवर को वापस पहचान मिली।

फिर रफ़ी साहब के इंतक़ाल के बाद अनवर रफ़ी साहब की आवाज़ का इकलौता विकल्प बन गए थे। इस बीच उन्होंने कुछ ऐसे अच्छे गीत गाए, जिनको सुनकर ये पता चलाना मुश्किल होता है कि ये आवाज़ रफ़ी की नहीं बल्कि अनवर की है। जैसे- फ़िल्म 'ये इश्क़ नही आसां' का 'मेरे ख़यालों की रहगुज़र से...' हूबहू रफ़ी साहब की आवाज़ और अंदाज़। फिर कुमार गौरव की एक फ़िल्म का 'कोई परदेसी आया परदेस में..' इस गाने को सुनते हुए रफ़ी साहब की ही किसी पुरानी फ़िल्म का गीत लगता है। जहां मोहम्मद रफ़ी ने कभी पैसों की डिमांड ही नही की, वहीं अनवर जब मशहूर होने लगे तो बढ़ाकर पैसे मांगने लगे, प्रेम रोग में उन्होंने राज कपूर से अपनी फ़ीस से एक हज़ार रुपये ज़्यादा मांग लिए इससे ऋषि कपूर नाराज़ हो गए। फिर उन्होंने अनवर से सिर्फ एक गीत गवाया। –फेसबुक वॉल से

सामयिकी

ईरान समुद्र में बहा रहा है रोज 2800 करोड़ का तेल

अमेरिका-ईरान के बीच जंग के मैदान बने समुद्र में तेल खेल का औजार बन गया है। अमेरिकी नाकाबंदी के चलते एक महीने के भीतर ईरान के 58 तेल टैंकर होर्मुज जलडमरूमध्य पार नहीं कर पाए। इस कारण वो प्रतिदिन 30 लाख बैरल से ज्यादा कच्चा तेल समुद्र में बहा रहा है। हर दिन नष्ट किए जा रहे इस तेल की कीमत 2800 करोड़ रुपये है। ईरान को ऐसा इसलिए करना पड़ रहा है, क्योंकि उसकी तीन करोड़ बैरल तेल भंडारण की क्षमता पूरी हो चुकी है। ईरान के पास 3500 ऐसे तेल के कुएं हैं, जिनसे निरंतर तेल का उत्पादन जरूरी है। यदि तेल निकालना बंद कर दिया गया, तो इन कुओं से तेल का उत्पादन हमेशा के लिए बंद हो जाएगा। ऐसा इसलिए हो जाता है, क्योंकि ड्रिलिंग बंद कर देने से कुएं के भीतर डाली गई पाइपलानों में पानी-गैस भर जाती है। इन्हीं पाइपों से कच्चा तेल रिस-रिसकर आता है।

तेल की चट्टानों के छेदों में वैक्स की परत जम जाने से तेल रिसना बंद हो जाता है। यह मोम जैसा प्राकृतिक या रासायनिक ठोस पदार्थ होता है। ईरान कच्चे तेल का 90 प्रतिषत निर्यात खार्ग द्वीप से करता है। यहीं ईरान के तेलों के भंडार ग्रह हैं। तेल की यह बर्बादी पश्चिम एशिया के देशों के लिए ऊर्जा का संकट तो बन ही रही है, समुद्री पर्यावरण भी तेजी से बिगड़ रहा है।

प्रमोद भार्गव

वरिष्ठ पत्रकार

यूरोपियन स्पेस एजेंसी के सेंटीनल सेटेलाइट डेटा और अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार खरास की खाड़ी एवं होर्मुज स्ट्रेट के आसपास समुद्री पानी के सतह पर तेल की परतें देखी गई हैं। ये परतें कुवैत के लावन द्वीप, केशम द्वीप और खार्ग द्वीप के समुद्र में बड़े-बड़े धब्बों के आकार में देखी गई है। इनमें से एक धब्बा करीब 120 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला हुआ है। विशेषज्ञों ने रडार डेटा की मदद से इसका विश्लेषण करते हुए कहा है कि सतह पर तैरता तेल लहरों को शांत कर देता है, जिससे रडार से ली गई तस्वीरों में काले और चिकने धब्बे दिखाई देते हैं।

यह आशंका बनी है कि ईरान समुद्र में तेल बर्बाद कर रहा है। यदि यह तेल लगातार छोड़ा जाता रहा तो इससे समुद्री जीवन और पर्यावरण को भारी नुकसान हो सकता है। फारस की खाड़ी के समुद्री क्षेत्रों में बड़ी संख्या में मछुआरे, कोरल रीफ और अन्य समुद्री जीव रहते हैं, जिन पर लाखों लोगों की आजीविका निर्भर है। यह तेल मछलियों के लिए जहर का काम कर सकता है। समुद्री पक्षियों को नुकसान पहुंचाता है और संवेदनषील समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को तबाह कर देता है। ऐसे में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है और अनेक समुद्री जीव बेमौत मर जाते हैं।

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच छिड़ी जंग समुद्री पर्यावरण के लिए भारी संकट के रूप में सामने आ रहा है। यह संकट धरती से लेकर आसमान तक कहर ढहा रहा है। होर्मुज के संकरे मार्ग पर तेल की इस बर्बादी से पहले पेट्रोलियम पदार्थों से भरे करीब 20 जहाज नष्ट कर दिए गए गए थे। एक अनुमान के अनुसार इन टैंकरों में तीन लाख मीट्रिक टन तरल एलपीजी भरी हुई थी। एक बड़े गैस टेंकर में लगभग 45 हजार मीट्रिक टन एलपीजी होती है और एक बड़े गैस टैंकर से करीब 31 से 32 लाख घरेलू गैस सिलेंडर भरे जा सकते हैं।

पेट्रोलियम पदार्थ एक साथ मिट्टी, पानी और हवा को दूषित करते हुए मानव जीवन के लिए वरदान की बजाय अभिशाप साबित होने लग जाते हैं। वैसे भी दुनिया के समुद्री तटों पर पेट्रोलियम पदार्थो और औद्योगिक कचरे से भयावह पर्यावरणीय संकट पैदा हो रहे हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 25/16-ए, जापलिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

यूरेका

प्राकृतिक फाइबर और हरित प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत को भी बड़ी सफलताएं मिल रही हैं। प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए हर देश नए उपाय खोज रहा है, तो भारत भी इसमें पीछे नहीं है। प्लास्टिक और सिंथेटिक फाइबर के बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए पंतनगर स्थित गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने डोम्बेया (डोंबेया एक्यूटेंगुला) पौधे के तने से प्राकृतिक फाइबर निकालने की तकनीक विकसित की है, जिसका उन्हें हाल ही में पेटेंट भी हासिल हो गया है।

मृगांक मौली, पंत नगर, ऊधमसिंह नगर

तन की शोभा बढ़ाएंगे डोंबेया के पौधे से बने कपड़े

पंतनगर विवि स्थित सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के क्लोदिंग एंड टेक्सटाइल विज्ञान विभाग की शोधार्थी तैयबा फातिमा ने प्राध्यापक डॉ. शहनाज जहां के निर्देशन में डोम्बेया पौधे के तने से प्राकृतिक फाइबर निकालने में सफलता पाई है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह उपलब्धि केवल वैज्ञानिक सफलता नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में भी क्रांतिकारी कदम है। डोम्बेया से प्राप्त फाइबर पूरी तरह प्राकृतिक और बायोडिग्रेडेबल है, जिससे पर्यावरण पर इसका प्रभाव बहुत न्यूनतम होता है। शोध में पाया गया कि डोम्बेया से तैयार फाइबर मजबूत, टिकाऊ और लचीला है। इसकी गुणवत्ता अन्य पारंपरिक प्राकृतिक फाइबर जैसे कपास, जूट और पटसन के समान पाई गई है। यही कारण है कि इसे भविष्य में बड़े स्तर पर उपयोग के लिए संभावनाशील माना जा रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है यदि इसका व्यावसायिक उत्पादन बढ़ता है, तो प्लास्टिक उत्पादों पर निर्भरता कम हो सकती है। यह पर्यावरण और उद्योगों के लिए नई उम्मीद बन सकती है। उल्लेखनीय है कि गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर, उत्तराखंड में स्थित भारत का पहला कृषि विश्वविद्यालय है, जिसकी स्थापना 17 नवंबर 1960 को हुई थी। इसे भारत में 'हरित क्रांति का अग्रदूत' और 'कृषि का गुरुकुल' भी कहा जाता है। यह विश्वविद्यालय कृषि, प्रौद्योगिकी और संबद्ध विज्ञानों में स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षा प्रदान करता है।

क्या है डोम्बेया पौधा

डोम्बेया एक फूल वाला झाड़ीदार पौधा है, जो भारत, मॉरीशस, पाकिस्तान और अन्य उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में पाया जाता है। इसके हल्के गुलाबी और सफेद फूल इसे आकर्षक बनाते हैं। यह पौधा मधुमक्खियों और तितलियों को आकर्षित करता है इसलिए इसे जैव विविधता के लिए भी उपयोगी माना गया है।

उद्योगों के लिए खुले नए रास्ते

विशेषज्ञों के अनुसार, डोम्बेया फाइबर का उपयोग कई उद्योगों में किया जा सकता है। जैसे वस्त्र एवं परिधान उद्योग, इको-फ्रेंडली पैकेजिंग सामग्री, ऑटोमोबाइल इंटीरियर एवं डैशबोर्ड पार्ट्स, इंसुलेशन उत्पाद, फर्निशिंग और होम डेकोर सामग्री और हल्के निर्माण कार्यों में उपयोगी कंपोजिट सामग्री आदि। यह भविष्य में ग्रीन टेक्नोलॉजी और सस्टेनेबल मैन्युफैक्चरिंग के लिए महत्वपूर्ण संसाधन भी बन सकता है। इतना ही नहीं, डोम्बेया पौधे की खेती, फाइबर निष्कर्षण और प्रसंस्करण के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन की संभावना है। छोटे एवं मध्यम उद्योगों के लिए यह प्राकृतिक फाइबर आधारित उत्पादों के निर्माण का नया अवसर बन सकता है।

वैज्ञानिक फैक्ट

इंसानों में भी छिपी है जहर बनाने की क्षमता

क्या इंसान कभी सांपों की तरह जहरीले बन सकते हैं? यह सवाल सुनने में किसी साइंस फिक्शन फिल्म की कहानी जैसा लगता है, लेकिन विज्ञान की दुनिया में इस पर गंभीर शोध हो चुका है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इंसान और कोबरा जैसे विषैले जीवों के बीच जितनी दूरी हम समझते हैं, वास्तव में उतनी नहीं है। हैरानी की बात यह है कि हमारे शरीर में भी जहर बनाने की बुनियादी क्षमता मौजूद है, बस वह सक्रिय रूप में विकसित नहीं हुई।

अमेरिका की प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज (PNAS) में प्रकाशित एक शोध के अनुसार, सरीसृपों और स्तनधारियों के शरीर में कुछ समान आनुवंशिक तंत्र पाए जाते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन जीनों की मदद से सांप अपना विष बनाते हैं, उनसे मिलते-जुलते जीन इंसानों समेत कई स्तनधारियों में भी मौजूद हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि इंसान अचानक कोबरा की तरह जहरीले हो जाएंगे, बल्कि यह दर्शाता है कि विकासवाद (Evolution) की प्रक्रिया में हमारे शरीर में भी ऐसी क्षमता का आधार मौजूद है।

वैज्ञानिकों के अनुसार, सांपों का विष वास्तव में साधारण लार ग्रंथियों के विकास का परिणाम है। लाखों वर्षों में इन ग्रंथियों ने ऐसे प्रोटीन बनाना शुरू किया, जो शिकार को निष्क्रिय कर सकें। इंसानों की लार में भी कई तरह के प्रोटीन और एंजाइम पाए जाते हैं, जो बैक्टीरिया से लड़ने और भोजन पचाने में मदद करते हैं। यही कारण है कि वैज्ञानिक मानते हैं कि यदि विकासवादी परिस्थितियां अलग होतीं, तो स्तनधारी जीवों में भी विषैले गुण विकसित हो सकते थे। दिलचस्प बात यह है कि प्रकृति में कुछ स्तनधारी पहले से ही विषैले हैं। उदाहरण के लिए, प्लैटिपस नामक जीव के पिछले पैरों में जहरीले कांटे होते हैं। इसी तरह कुछ श्रू (shrew) प्रजातियां अपने शिकार को लकवाग्रस्त करने वाला विष पैदा करती हैं। इससे यह साबित होता है कि विष बनाने की क्षमता केवल सांपों तक सीमित नहीं है।

हालांकि इंसानों में ऐसा विकास होने की संभावना बेहद कम है, क्योंकि हमारी जीवित रहने की रणनीतियां अलग दिशा में विकसित हुई हैं। हमने बुद्धिमत्ता, उपकरणों और सामाजिक सहयोग को अपना हथियार बनाया, जबकि कई जीवों ने विष को रक्षा और शिकार का साधन बनाया। यह शोध हमें यह समझने में मदद करता है कि पृथ्वी पर जीवन कितना आपस में जुड़ा हुआ है। इंसान, सांप और दूसरे जीव भले ही अलग दिखते हों, लेकिन हमारे शरीर की मूल जैविक संरचना में कई समानताएं छिपी हुई हैं। विज्ञान के ऐसे तथ्य न केवल चौंकाते हैं, बल्कि यह भी बताते हैं कि विकासवाद की कहानी कितनी अद्भुत और रहस्यमयी है।

इसरो-एरीज का 'मिशन नेत्र', आसान होगी धरती के पास की निगहबानी

जो काम चार मीटर की दूरबीन से न हो सकेगा, अब वह कार्य मात्र 60 सेंटीमीटर की टेलीस्कोप कर दिखाएगी। नैनीताल स्थित आर्य भट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) की 60 सेंटीमीटर की वाइड फील्ड टेलीस्कोप हाईटेक बनने जा रही है, जो अगले वर्ष जनवरी में धरती की नजदीकी वस्तुओं की निगरानी शुरू कर देगी।

बबलू चंद्रा
नैनीताल

वर्तमान में एरीज के पास चार मीटर तक की विश्वस्तरीय अत्याधुनिक दूरबीनें उपलब्ध हैं, जो ब्रह्मांड के हजारों प्रकाश वर्ष दूरस्थ क्षेत्रों को देखने की क्षमता रखती हैं। मगर धरती के नजदीकी क्षेत्रों के अध्ययन के लिए अलग से दूरबीन जरूरत थी। इस कमी को पूरा करने के लिए एरीज 60 सेंटीमीटर की दूरबीन स्थापित करने जा रहा है, जिसे पूर्व में स्थापित 50 सेंटीमीटर की दूरबीन का अपग्रेडेशन के जरिए पूरा किया जा रहा है। एरीज के डॉ. टी.एस. कुमार बताते हैं कि इस दूरबीन को हाईटेक बनने के बाद देश के पास एक और महत्वपूर्ण सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। इस ऑप्टिकल दूरबीन का डाया 60 सेंटीमीटर का ईजाद किया जा रहा है। पहले यह 50 सेंटीमीटर व्यास की थी और साधारण रूप से ट्रेनिंग के लिए बनाई गई थी मगर अब इससे बहुमुखी ऑब्जर्वेशन किए जा सकेंगे। इसमें सी मॉस डिटेक्टर लगाया जा रहा है। यह सेंसेटिव उपकरण होगा, जो सैकड़ों किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से घूमते सेटेलाइट और क्षुद्र ग्रहों की गति का आकलन कर सकेगी। इसके ऑप्टिक्स भी सेंसेटिव होंगे। यह मिशन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के साथ मिलकर किया जा रहा है। इस मिशन को 'नेत्र' नाम दिया गया है। 'नेत्र मिशन' का कार्य शुरू किया जा चुका है, जिसे दिसंबर तक पूर्ण कर लिया जाएगा और अगले वर्ष जनवरी से कार्य करना शुरू कर देगी।

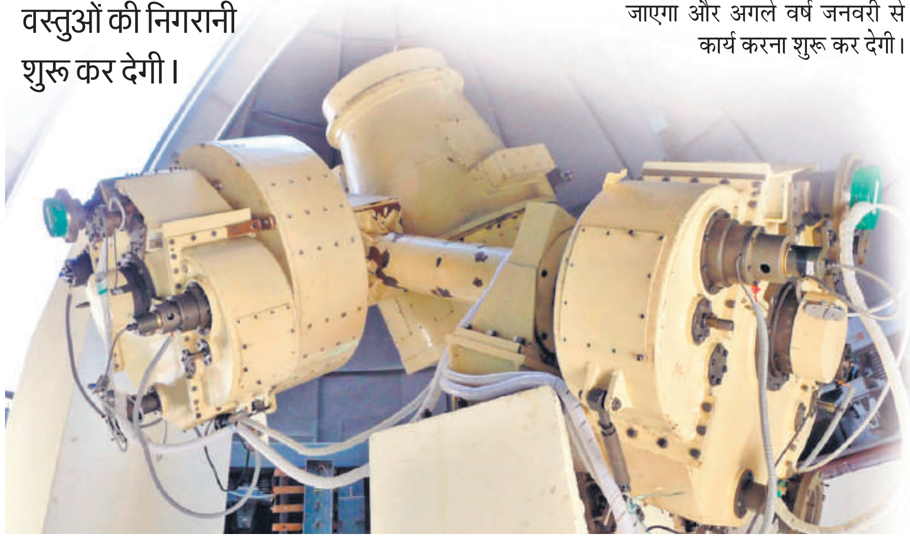

हाईटेक दूरबीन के बहुमुखी ऑब्जर्वेशन

उल्लेखनीय है कि वाइड फील्ड टेलीस्कोप आकाश के बड़े भाग को देख सकेगी। इसका काम पृथ्वी के ऑर्बिट में घूमते सेटेलाइट हों या फिर अंतरिक्ष का कचरा, उनके साथ ही धरती की तरफ आने वाले पिंडों पर नजर रखना होगा। इसके अलावा, अंतरिक्ष में भेजे जाने अंतरिक्ष यानों के मार्ग में आने वाली बाधाओं, जैसे अंतरिक्ष कचरा और क्षुद्रग्रह से आगाह करना होगा। यदि इस तरह की कोई आशंका हुई तो सेटेलाइट लॉन्च कार्यक्रम कुछ समय के लिए रोक दिया जाएगा। इसके अलावा, पृथ्वी के ऑर्बिट में घूम रहे सेटेलाइट की सुरक्षा को लेकर अंतरिक्ष के कचरे की निगरानी करना भी होगा। साथ ही, ब्रह्मांड में नजर आने वाली किसी भी रहस्यमय, संदिग्ध वस्तु पर भी नजर रख सकेगी। यह दूरबीन भले ही छोटी होगी, लेकिन तमाम अत्याधुनिक सुविधाओं से संपन्न अंतरिक्ष की निगरानी करने का बड़ा कार्य करने में सक्षम होगी।

मरीन लाइफ

विशाल लार्वेसियन का अनोखा संसार

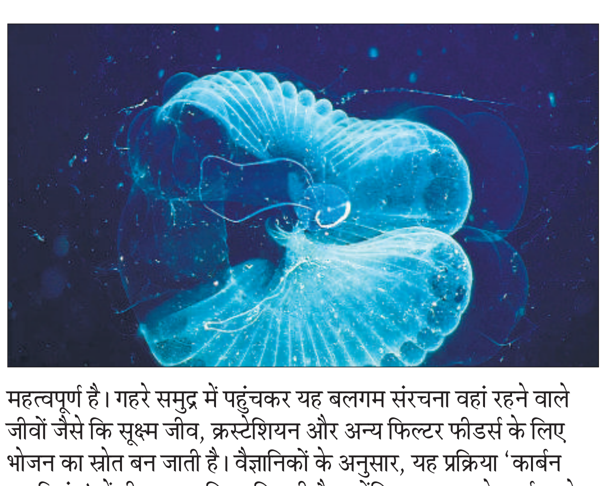

अपने नाम के बावजूद, विशाल लार्वेसियन (Giant Larvacean) की लंबाई आमतौर पर 10 सेंटीमीटर (लगभग चार इंच) से भी कम होती है, लेकिन यह छोटा, स्वतंत्र रूप से तैरने वाला अकशेरुकी जीव समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसकी सबसे अनोखी विशेषता है इसका 'बलगम महल' एक जटिल, पारदर्शी संरचना जो चिपचिपे बलगम (म्यूकस) से बनी होती है और आकार में तीन फीट तक चौड़ी हो सकती है। यह संरचना वास्तव में एक अत्याधुनिक फिल्टर की तरह काम करती है। विशाल लार्वेसियन अपने इस म्यूकस हाउस के माध्यम से समुद्र के ऊपरी हिस्से से बहकर आने वाले सूक्ष्म कणों, प्लवक (plankton) और 'मरीन स्नो' यानी जैविक अवशेषों को छानकर भोजन प्राप्त करते हैं। इस प्रक्रिया में वे पानी को लगातार अपने शरीर के माध्यम से प्रवाहित करते हैं, जिससे फिल्टरिंग अधिक प्रभावी हो जाती है।

दिलचस्प बात यह है कि जब यह बलगम फिल्टर कचरे या बड़े कणों से जाम हो जाता है, तो लार्वेसियन बिना समय गंवाए इसे छोड़ देता है और कुछ ही घंटों में नया 'घर' बना लेता है। यह त्यागा हुआ म्यूकस हाउस धीरे-धीरे समुद्र की गहराई में डूब जाता है। यह प्रक्रिया केवल एक जीव की जीवनशैली नहीं, बल्कि पूरे समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। गहरे समुद्र में पहुंचकर यह बलगम संरचना वहां रहने वाले जीवों जैसे कि सूक्ष्म जीव, क्रस्टेशियन और अन्य फिल्टर फीडर्स के लिए भोजन का स्रोत बन जाती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह प्रक्रिया 'कार्बन साइक्लिंग' में भी अहम भूमिका निभाती है, क्योंकि यह सतह से कार्बन को गहराई तक पहुंचाने में मदद करती है। इसे 'बायोलॉजिकल कार्बन पंप' का हिस्सा माना जाता है, जो जलवायु संतुलन बनाए रखने में सहायक है।

हाल के शोध में यह भी पाया गया है कि विशाल लार्वेसियन महासागरों की सफाई में भी योगदान देते हैं। इनके म्यूकस फिल्टर माइक्रोप्लास्टिक कणों को भी पकड़ सकते हैं, जो बाद में समुद्र तल तक पहुंच जाते हैं। इससे समुद्री सतह के पानी में प्रदूषण का स्तर कुछ हद तक कम हो सकता है, हालांकि यह पूरी तरह समाधान नहीं है। इस प्रकार, आकार में छोटे होने के बावजूद, विशाल लार्वेसियन समुद्र के स्वास्थ्य और संतुलन को बनाए रखने में एक 'अनदेखे इंजीनियर' की भूमिका निभाते हैं। उनका यह अनोखा जीवनचक्र हमें यह सिखाता है कि प्रकृति के सबसे छोटे जीव भी बड़े प्रभाव डाल सकते हैं।

30 सितंबर तक विदेश नहीं जाएगी चीनी, सरकार ने लगाई रोक

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने 13 मई को जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली, एजेंसी

देश ने चीनी के निर्यात पर 30 सितंबर तक तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। घरेलू उपलब्धता बढ़ाने और कीमतों को नियंत्रित करने के लिए यह कदम उठाया गया है। सरकारी अधिसूचना में यह जानकारी दी गयी है।

इससे पहले चीनी निर्यात प्रतिबंधित श्रेणी में आता था जिसका निर्यात करने के लिए लाइसेंस की आवश्यकता होती थी। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने 13 मई को जारी अधिसूचना में कहा कि चीनी (कच्ची चीनी, सफेद चीनी एवं परिष्कृत चीनी) की निर्यात नीति को तत्काल प्रभाव से 30 सितंबर, 2026 तक या अगले आदेश तक (जो भी पहले हो) प्रतिबंधित से 'निषिद्ध' कर दिया गया है।

विदेश व्यापार महानिदेशालय का यह आदेश अग्रिम प्राधिकरण योजना, सरकार-से-सरकार निर्यात और उन खेपों पर लागू नहीं होगा जो पहले से भौतिक निर्यात प्रक्रिया में हैं। चीनी विपणन वर्ष 2025-26 (अक्टूबर से सितंबर) के लिए खाद्य मंत्रालय ने शुरुआत में 15 लाख टन निर्यात की अनुमति दी थी। फिर 5,00,000 टन का अतिरिक्त कोटा खोला गया जिसमें से केवल 87,587 टन को मंजूरी दी गई।

इस प्रकार कुल मिलाकर लगभग 16 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी गई। खाद्य मंत्रालय और चीनी मिलों को उम्मीद थी कि समूचे 2025-26 विपणन वर्ष में 7.5-8 लाख टन का निर्यात होगा।

भारतीय चीनी एवं जैव-ऊर्जा विनिर्माता संघ'' (इस्मा) के अनुसार, भारत का चीनी उत्पादन 2025-26 विपणन सत्र में अप्रैल तक 7.32 प्रतिशत बढ़कर 2.752 करोड़ टन हो गया।

ईयू और अमेरिका निर्यात पर आदेश लागू नहीं

लगातार यह आदेश हालांकि, क्रमश: सीएक्सएल और शुल्क दर कोटा (टीआरक्यू) व्यवस्था के तहत यूरोपीय संघ और अमेरिका को निर्यात की जाने वाली चीनी पर लागू नहीं होगा। इन व्यवस्थाओं के तहत निर्यातकों को निर्धारित मात्रा में चीनी को इन गंतव्यों पर काफी कम या शून्य सीमा शुल्क पर भेजने की अनुमति मिलती है।

कीमतों में वृद्धि रोकने को लगाया अंकुश

किसी वस्तु के निर्यात पर अंकुश से कीमतों में बढ़ोतरी को रोका जा सकता है। खासकर महंगाई और पश्चिम एशिया संघर्ष से उत्पन्न अनिश्चितता के बीच इस कदम के कई मायने हैं। भारत ने अक्टूबर 2022 में चीनी के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया था और बाद में इसे समय-समय पर बढ़ाया जाता रहा है। दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश सरकार द्वारा मिलों को आनुपातिक रूप से कोटा वितरित करके निर्यात को नियंत्रण में रखता है।

बिजनेस ब्रीफ

'सहमति' के चेयरमैन बने आरबीआई के पूर्व डिप्टी गवर्नर आर. गांधी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व डिप्टी गवर्नर रामा सुब्रमण्यम गांधी को अकाउंट एग्रीगेटर (एए) परिवेश के विस्तार को बढ़ावा देने वाले उद्योग गठबंधन 'सहमति' का गैर-कार्यकारी चेयरमैन नियुक्त किया गया है। सहमति ने अपने निदेशक मंडल का विस्तार करते हुए नंदकुमार सरवदे, मोनिका हालन और सूरज मोराजे को स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किया है। इसके साथ ही भारतीय स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, साउथ इंडियन बैंक, बजाज फिनसर्व, जेरोधा और फिनवु जैसे प्रमुख संस्थानों के नामित प्रतिनिधि भी निदेशक मंडल में शामिल किए गए हैं। सहमति ने बयान में कहा कि ये नियुक्तियां ऐसे समय में हुई हैं जब भारत के अकाउंट एग्रीगेटर परिवेश में बैंकिंग, ऋण, बीमा, धन प्रबंधन और अन्य क्षेत्रों में तेजी से इसकी स्वीकार्यता बढ़ रही है।

आकाश अंबानी पांच साल के लिए बने जियो प्लेटफॉर्म्स के एमडी

नई दिल्ली। जियो प्लेटफॉर्म्स ने आकाश अंबानी को कंपनी का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। कंपनी ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले यह नियुक्ति की है। आईपीओ के लिए मसौदा दस्तावेज मई के अंत तक या जून में दाखिल किए जाने की संभावना है। जियो प्लेटफॉर्म्स ने सात मई को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि आकाश अंबानी को नौ अप्रैल 2026 से प्रभावी पांच वर्ष की अवधि के लिए कंपनी का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है। अंबानी अक्टूबर 2014 से जियो प्लेटफॉर्म्स की दूरसंचार इकाई रिलायंस जियो इन्फोकॉम (आरजेआईएल) के निदेशक मंडल में शामिल हैं। जून 2022 में उन्हें आरजेआईएल का चेयरमैन बनाया गया था।

एयर इंडिया को वित्त वर्ष 2025-26 साल में 26,700 करोड़ का घाटा

नई दिल्ली। एयर इंडिया को वित्त वर्ष 2025-26 में 3.56 अरब सिंगापुर डॉलर (26,700 करोड़ रुपये से अधिक) का शुद्ध घाटा हुआ है। कंपनी ने यह जानकारी विभिन्न वैश्विक चुनौतियों और हवाई क्षेत्र पर लगे प्रतिबंधों के बीच दी है। सिंगापुर एयरलाइंस ग्रुप द्वारा बृहस्पतिवार को जारी वार्षिक वित्तीय रिपोर्ट में ये आंकड़े सामने आए। एयर इंडिया समूह में एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस शामिल हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि वित्त वर्ष 2025-26 में एयर इंडिया का कुल व्यापक घाटा 3.55 अरब सिंगापुर डॉलर (लगभग 26,700 करोड़ रुपये से अधिक) रहा।

मौजूदा परियोजनाओं में 21,300 करोड़ निवेश करेगी डीएलएफ

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ लिमिटेड ने अपनी मौजूदा आवासीय परियोजनाओं को पूरा करने के लिए 21,300 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करने की घोषणा की है। कंपनी ने बीएसई को दी अपनी नवीनतम निवेशक प्रस्तुति में कहा कि पेश की गई सभी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए शेष लागत 21,300 करोड़ रुपये है। डीएलएफ ने बताया कि संपत्तियों की बिक्री के एवज में ग्राहकों से मिलने वाली राशि 33,840 करोड़ रुपये है।

देश में 2032 तक 10 गुना हो जाएगी ईवी बैटरी की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) के लिए बैटरी की मांग वर्ष 2032 तक करीब 10 गुना बढ़कर 200 गीगावाट-घंटा हो जाने का अनुमान है। 2025 में यह 20 गीगावाट-घंटा थी। इंडिया एनर्जी स्टोरेज अलायंस (आईईएसए) ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

आईईएसए ने एक अध्ययन का हवाला देते हुए कहा कि भारत में ईवी के लिए अवसर अब केवल वाहन निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि असली बढ़त कलपुर्जों के स्थानीय उत्पादन और आपूर्ति शृंखला के विकास में है। इससे भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित होने में मदद मिल सकती है। आईईएसए भारतीय ईवी परिदृश्य पर कस्टमाइज्ड एनर्जी सॉल्यूशंस (सीईएस) के सहयोग से तैयार एक अध्ययन रिपोर्ट 8-10 जुलाई को नई दिल्ली में होने वाले 12वें भारत ऊर्जा भंडारण सप्ताह के दौरान जारी करेगा। रिपोर्ट के अनुसार, देश का ईवी उद्योग अब बड़े बदलाव के दौर में है और यह नीति-प्रेरित शुरुआत से आगे बढ़कर एक व्यापक औद्योगिक पारिस्थितिकी बन चुकी है, जिसमें बैटरी, मोटर, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और आपूर्ति शृंखला शामिल हैं।

पश्चिम एशिया संकट के बीच अप्रैल में 25.4 % बढ़ी यात्री वाहनों की थोक बिक्री : सियाम

नई दिल्ली, एजेंसी

घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री अप्रैल में सालाना आधार पर 25.4 प्रतिशत बढ़कर 4,37,312 इकाई हो गई। इससे पिछले साल की तेजी को बरकरार रखते हुए नए वित्त वर्ष की मजबूत शुरुआत हुई है। उद्योग निकाय सियाम ने गुरुवार को यह जानकारी दी। अप्रैल 2025 में थोक बिक्री 3,48,847 इकाई रही थी।

सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने बयान में कहा कि पश्चिम एशिया युद्ध के कारण वस्तुओं की ऊंची कीमतों की चिंताओं के बावजूद मोटर वाहन उद्योग में अच्छी मांग देखी जा रही है। यूटिलिटी वाहनों ने यात्री वाहन (पीवी) खंड में मात्रा वृद्धि को आगे बढ़ाना जारी रखा और अप्रैल में इनकी बिक्री 21.5 प्रतिशत बढ़कर 2,44,280 इकाई हो गई जो पिछले वर्ष अप्रैल में 2,01,062 थी।

सियाम के अनुसार, यात्री कार की थोक बिक्री भी पिछले महीने 32.7 प्रतिशत बढ़कर 1,20,945 इकाई हो गई, जो एक वर्ष पहले की समान अवधि में 91,148 इकाई थी। घरेलू बाजार में वैन की बिक्री पिछले महीने 14.4 प्रतिशत बढ़कर 13,087 इकाई रही जो अप्रैल 2025 में 11,438 इकाई थी। दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री पिछले महीने 28.4 प्रतिशत बढ़कर 18,72,691 इकाई हो गई जो पिछले वर्ष अप्रैल में 14,58,784 इकाई थी। आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2026 में मोटरसाइकिल की बिक्री 30.6 प्रतिशत बढ़कर 11,38,452 इकाई हो गई जो पिछले वर्ष के समान महीने में 8,71,666 इकाई थी। इसी प्रकार, स्कूटर की बिक्री पिछले महीने 26.2 प्रतिशत बढ़कर 6,91,993 इकाई हो गई जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 5,48,370 इकाई थी।

इसी तरह, तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री 32.8 प्रतिशत बढ़कर 65,668 इकाई हो गई जो अप्रैल 2025 में 49,441 इकाई थी।

उद्योग निकाय के अनुसार, अप्रैल में सभी श्रेणियों में कुल थोक बिक्री 27.9% बढ़कर 23,16,671 इकाई हो गई जो पिछले वर्ष के समान महीने में 18,11,876 इकाई थी।

चिंताओं के बावजूद बनी हुई है अच्छी मांग

इस प्रदर्शन पर सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही की गति को जारी रखते हुए, वित्त वर्ष 2026-27 के पहले महीने में यात्री वाहन, तिपहिया और दोपहिया श्रेणियों में मजबूत दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण वस्तुओं की उच्च कीमतों को लेकर चिंताएं हैं, फिर भी उद्योग में मांग अच्छी बनी हुई है।

सोना 650 रुपये मजबूत, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने की कीमत 650 रुपये बढ़कर 1.66 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। यह बढ़ोतरी लगातार जारी भू-राजनीतिक तनाव के बीच डॉलर के मुकाबले रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आने के बाद हुई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 650 रुपये बढ़कर 1,66,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई, जो बुधवार को 1,65,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। सर्राफा संघ के अनुसार, हालांकि, चांदी की कीमतों में लगातार तीन दिन से जारी बढ़त का सिलसिला थम गया। चांदी 900 रुपये टूटकर 2,96,600 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) रह गई। पिछले सत्र में चांदी की कीमत 2,97,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

डीजीएफटी ने अग्रिम मंजूरी योजना के तहत सोना आयात की सीमा 100 किलो तय की

नई दिल्ली, एजेंसी

कीमती धातुओं पर आयात शुल्क में भारी बढ़ोतरी किए जाने के एक दिन बाद बृहस्पतिवार को सरकार ने अग्रिम मंजूरी योजना के तहत सोने के आयात पर 100 किलोग्राम की सीमा भी तय कर दी। इस योजना के तहत आभूषण निर्यातकों को कच्चा माल या लागत सामग्री बिना किसी शुल्क के आयात करने की अनुमति होती है। सरकार ने सोने के आयात के लिए अग्रिम मंजूरी जारी करने और उसकी निगरानी करने की शर्तों को और सख्त कर दिया है। इससे पहले, इस योजना के तहत सोने के आयात पर कोई सीमा नहीं थी।

अग्रिम मंजूरी योजना के तहत उन लागत सामग्री का शुल्क-मुक्त आयात करने की अनुमति होती है, जिनका इस्तेमाल निर्यात किए जाने वाले उत्पाद को बनाने में किया जाता है। लागत सामग्री के अलावा पैकेजिंग सामग्री, ईंधन, तेल और कैटेलिस्ट का भी आयात किया जा सकता है, जिनका इस्तेमाल निर्यात उत्पाद के उत्पादन की प्रक्रिया में होता है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक सार्वजनिक सूचना में कहा कि सोने के आयात के लिए अग्रिम मंजूरी अधिकतम 100 किलोग्राम की सीमा के अधीन ही जारी की जाएगी।

आईएफएडी की भारत में कृषि स्टार्टअप में सीधे निवेश की योजना

नई दिल्ली, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र की संस्था अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास कोष (आईएफएडी) भारत में पहली बार कृषि स्टार्टअप कंपनियों में सीधे निवेश करने की तैयारी कर रहा है और इसका अगले एक साल में तीन-चार सौदों को अंतिम रूप देने का इरादा है। इसके साथ ही आईएफएडी अब अपने वित्तपोषण मॉडल को बदलकर अनुदान पर कम और निजी निवेश पर ज्यादा ध्यान दे रहा है।

आईएफएडी के सह उपाध्यक्ष (कंट्री ऑपरेशंस) डोनल ब्राउन ने यहां पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा कि संगठन अब भारत की उभरती कृषि-उद्यमिता पारिस्थितिकी में सक्रिय रूप से अवसर तलाश रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में संस्था के निजी क्षेत्र प्रकोष्ठ की टीम भारत आई थी और विभिन्न प्रस्तावों का आकलन किया।

एजेंसी को अब तक चार से पांच प्रस्ताव मिले हैं, जिनमें कृषि स्टार्टअप, ग्रामीण वित्त और डिजिटल मंच शामिल हैं। आईएफएडी और भारत सरकार ने 12 मई को देश के लिए नई आठ-वर्षीय रणनीति शुरू की, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जलवायु और आर्थिक मजबूती बढ़ाना है। वित्त और कृषि मंत्रालयों के साथ मिलकर तैयार इस रणनीति के केंद्र में 110 आकांक्षी जिले और गरीब राज्य हैं।

भारत में आईएफएडी का मौजूदा पोर्टफोलियो लगभग 1.2 अरब डॉलर का है, जिसमें करीब 35 करोड़ डॉलर का प्रत्यक्ष वित्तपोषण शामिल है। अगले तीन वर्षों के लिए लगभग 16 करोड़ डॉलर का प्रावधान किया गया है। ब्राउन ने कहा कि आईएफएडी अब खुद को 'वित्त का संयोजक' बना रहा है, जो अपने बही-खाते के जरिये निजी निवेश आकर्षित करता है।

वैश्विक स्तर पर एजेंसी एक लाख से अधिक कंपनियों में करीब 1.5 अरब डॉलर की निजी पूंजी जुटा चुकी है। संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने नाबार्ड के साथ सह-निवेश के लिए एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

एचडीबी ने श्रीनिवासन को नियुक्त किया गैर-कार्यकारी चेयरमैन

नई दिल्ली, एजेंसी। एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के निदेशक मंडल ने एन. श्रीनिवासन को स्वतंत्र निदेशक एवं गैर-कार्यकारी चेयरमैन नियुक्त किया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब वह अपने परिचालन का विस्तार कर रही है और अपनी दीर्घकालिक वृद्धि रणनीति को लागू कर रही है।

कपास से आयात शुल्क हटाने को उपराष्ट्रपति से मिले परिधान उद्यमी

नई दिल्ली, एजेंसी

परिधान उद्योग और निर्यातकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन से मुलाकात कर उद्योग पर बढ़ते लागत दबाव को कम करने के लिए कपास पर लगने वाले 11% आयात शुल्क को हटाने की मांग की।

यह बैठक बुधवार को हुई, इससे कुछ घंटे पहले ही परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के चेयरमैन ए शक्तिवेल के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह से इसी मांग को लेकर मुलाकात की थी।

उल्लेखनीय है कि 28 अप्रैल को कपड़ा मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा था कि सरकार कपास आयात पर लगने वाले सीमा शुल्क की समाप्ति या कटौती के विकल्प पर विचार कर रही है। अधिकारी ने कहा था कि इस संबंध में संबंधित मंत्रालय निर्णय करेंगे।

कपड़ा मंत्रालय के व्यापार सलाहकार बिपिन मेनन ने कहा था कि हम राजस्व विभाग के साथ मिलकर इस संभावना पर काम कर रहे हैं कि शुल्क में कटौती की जा सकती है या नहीं।

विजय ने लिखा मोदी को पत्र

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर कपास पर आयात शुल्क हटाने की अपील की। मोदी को लिखे अपने पहले पत्र में कहा कि तमिलनाडु देश का सबसे बड़ा कपड़ा और परिधान निर्यात करने वाला राज्य है। लाखों लोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के लिए इस क्षेत्र पर निर्भर हैं। कपास की कीमतों में वृद्धि और परिणामस्वरूप धागे की कीमतें बढ़ने के कारण यह उद्योग गंभीर संकट का सामना कर रहा हैं।

जीएमआर का बोइंग से करार

एयरोस्पेस पार्क में होगा नौसेना के पी-8आई विमानों का एमआरओ

हैदराबाद, एजेंसी। जीएमआर समूह की विमान रखरखाव, मरम्मत एवं ओवरहॉलिंग (एमआरओ) सेवा देने वाली कंपनी जीएमआर एयरो टेक्निक ने समुद्री गश्ती एवं टोही विमान पी-8आई बेड़े के लिए फेज-56 हेवी मेंटेनेंस चेक के लिए बोइंग डिफेंस इंडिया के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। इस समझौते के तहत जीएमआर एयरो टेक्निक हैदराबाद स्थित जीएमआर एयरोस्पेस पार्क सेज में अपनी अत्याधुनिक एमआरओ सुविधा में बोइंग पी-8आई विमानों पर फेज-56 हेवी मेंटेनेंस चेक करेगा।

यहां पी-8आई विमानों का संरचनात्मक उन्नयन, व्यापक निरीक्षण, पेंटिंग और सिस्टम अपग्रेड शामिल किया जायेगा जो पूरी तरह बोइंग और रक्षा विमानन मेंटेनेंस मानकों के अनुरूप होंगे। जीएमआर एयरो टेक्निक के अध्यक्ष अशोक गोपीनाथ ने कहा-यह साझेदारी जीएमआर एयरो टेक्निक के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी सेंसेक्स 790 और निफ्टी 277 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

ब्रेंट क्रूड 1% बढ़कर 106.48 डॉलर प्रति बैरल पर

स्थानीय शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव के बीच बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही और सेंसेक्स करीब 790 अंक चढ़कर बंद हुआ। दूरसंचार, दवा और निजी बैंकिंग शेयरों में खरीदारी आने से बाजार को मजबूती मिली।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 789.74 अंक यानी 1.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 75,398.72 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स ने सत्र की मजबूत शुरुआत की लेकिन जल्द ही यह नकारात्मक दायरे में चला गया। हालांकि, दूरसंचार और बैंकिंग शेयरों में खरीदारी लौटने से यह एक समय 1,000 अंक से अधिक चढ़कर 75,681.88 अंक के स्तर तक पहुंच गया था।

वहीं, एनएसई का 50 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक निफ्टी भी 277 अंक यानी 1.18 प्रतिशत चढ़कर 23,689.60 अंक पर बंद हुआ। बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी का रुख कायम रहा।

क्षेत्रवार सूचकांकों में दूरसंचार खंड में सर्वाधिक 2.87 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई जबकि स्वास्थ्य देखभाल खंड में 2.08 प्रतिशत, धातु खंड में 2.03 प्रतिशत और उपयोगिता खंड में 1.59 प्रतिशत की तेजी देखी गई। बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 2,107 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि 2,076 शेयरों में गिरावट रही और 190 अन्य के भाव अपरिवर्तित रहे। पिछले दो कारोबारी सत्रों से जारी तेजी का असर यह हुआ कि बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण 6.82 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 462,85,684.68 करोड़ रुपये (4.83 अरब डॉलर) हो गया।

बढ़त के साथ बंद हुए :- भारती एयरटेल में सर्वाधिक पांच प्रतिशत से अधिक की तेजी आई। इटर्नल में 3.32 प्रतिशत और एचडीएफसी बैंक में 2.67 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। सन फार्मा, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, आईटीसी और एसबीआई में भी बढ़त रही।

नुकसान में रहे शेयर :- इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक और मारुति सुजुकी।

मिडकैप 0.40 , स्मॉलकैप में 0.86 प्रतिशत की तेजी

- मझोली कंपनियों के मिडकैप में 0.40 प्रतिशत की तेजी रही
- बीएसई स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.86 प्रतिशत बढ़ गया
- विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 4,703.15 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 5,869.05 करोड़ रुपये की खरीदारी की।
- वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1% बढ़कर 106.48 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।
- चीन का शंघाई कम्पोजिट और जापान का निक्की गिरावट के साथ बंद हुए जबकि हांगकांग का हैंगसेंग स्थिर रहा। दक्षिण कोरिया का कॉस्पी बढ़त में रहा।
- अमेरिकी बाजार बुधवार को अधिकतर बढ़त के साथ बंद हुए थे।

हलचल | पश्चिम एशिया तनाव के बीच वित्तीय बाजार में उतार-चढ़ाव का असर

गिरावट : मार्च में विदेशी उधारी प्रस्ताव 5 .43 अरब डॉलर पर

मुंबई, एजेंसी

पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण वित्तीय बाजारों में उतार-चढ़ाव के बीच भारतीय कंपनियों एवं ऋणदाताओं द्वारा विदेशी कर्ज (ईसीबी) जुटाने के प्रस्ताव मार्च में घटकर 5.43 अरब डॉलर रह गए। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

ईसीबी ऐसे वाणिज्यिक ऋण होते हैं जिन्हें पात्र भारतीय संस्थाएं मान्यता-प्राप्त विदेशी संस्थाओं से लेती हैं। आरबीआई के अनुसार, यह आंकड़ा मार्च, 2025 के 11.04 अरब डॉलर की तुलना में लगभग आधा है जबकि फरवरी, 2026 के 4.59 अरब डॉलर से अधिक है।

कुल उधारी प्रस्तावों में सामान्य अनुमति के तहत 5.22 अरब डॉलर और विशेष अनुमति के तहत 21.2 करोड़ डॉलर के प्रस्ताव शामिल हैं। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, पूंजीगत व्यय में सुस्ती की चिंताओं के बीच मार्च में नई परियोजनाओं के लिए 19 प्रस्ताव दाखिल किए गए, जिनके तहत 1.14 अरब डॉलर की विदेशी उधारी का इरादा जताया गया। वहीं, 1.22 अरब डॉलर का उपयोग मौजूदा विदेशी वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) या रुपये में लिए गए कर्ज के पुनर्वित्तपोषण के लिए प्रस्तावित है।

विदेशी उधारी जुटाने के प्रमुख प्रस्तावों में राजस्थान पार्ट-1 ट्रांसमिशन ने नई परियोजनाओं के लिए 75 करोड़ डॉलर जुटाने का प्रस्ताव शामिल है। इसके अलावा, अदाणी ट्रांसमिशन स्टेप-वन ने भी मौजूदा ईसीबी के पुनर्वित्तपोषण के लिए 50 करोड़ डॉलर जुटाने का प्रस्ताव दाखिल किया।वित्तीय कंपनियों में आईआईएफएल फाइनेंस ने अंतरराष्ट्रीय बाजार से 50 करोड़ डॉलर जुटाने की मंशा जताई जबकि भारतीय रेल वित्त निगम और बजाज फाइनेंस ने क्रमशः 39.16 करोड़ डॉलर और 30 करोड़ डॉलर के प्रस्ताव दिए। पिछले कुछ महीनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में उधारी लागत बढ़ी है और अमेरिका के 10-वर्षीय ट्रेजरी बॉन्ड का प्रतिफल 0.20-0.30 प्रतिशत तक बढ़ने से विदेशी और घरेलू उधारी लागत के बीच अंतर कम हुआ है।

इससे पहले, आरबीआई ने ईसीबी नियमों को उदार बनाते हुए कंपनियों को अधिक उधारी सीमा, मुद्रा में बदलाव और कर्ज को गैर-ऋण साधन में बदलने जैसी सुविधाएं दी हैं।

नए दिशानिर्देशों के तहत कारोबार पुनर्गठन या दिवाला प्रक्रिया से गुजर रही कंपनियां भी विदेशी उधारी के जरिये धन जुटा सकती हैं।

सर्वकालिक निचले स्तर को छूने के बाद रुपया दो पैसे बढ़ा, 95.64 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई, एजेंसी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.96 प्रति डॉलर के अब तक नए निचले स्तर को छूने के बाद अंत में डॉलर के मुकाबले दो पैसे के मामूली सुधार के साथ 95.64 पर रहा। मजबूत अमेरिकी मुद्रा और ऊर्जा की ऊंची कीमतों के बीच मुद्रास्फीति की चिंताओं के बीच रुपये अपने सर्वकालिक निचले स्तर तक गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 95.74 पर कमजोर खुला। दिनभर उतार-चढ़ाव वाले कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर 95.61 के उच्च स्तर और 95.96 के सर्वकालिक निचले स्तर तक गई। अंत में रुपया 95.64 प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से दो पैसे की मजबूती है।

वर्ल्ड ब्रीफ

लातविया की पीएम का यूक्रेन के ड्रोन पर विवाद के बाद इस्तीफा

रीगा। लातविया की प्रधानमंत्री एविका सिलिना ने बृहस्पतिवार को अपने इस्तीफे की घोषणा की। 'बाल्टिक न्यूज सर्विस' ने इसकी जानकारी सार्वजनिक की है। इससे पहले, सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा रही वामपंथी प्रोग्रेसिव्स पार्टी ने बुधवार को सरकार से समर्थन वापस लेने की घोषणा कर दी जिसके बाद सरकार बहुमत खो बैठी और इसी कारण सिलिना ने इस्तीफा दे दिया। पिछले सप्ताह प्रोग्रेसिव पार्टी के नेता और लातविया के रक्षा मंत्री एंड्रीस स्प्रूड्स को इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा था। यूक्रेन के ड्रोन के कई बार गलती से लातविया की सीमा में घुस आने की घटनाओं से सरकार के निपटने के तरीके को लेकर बढ़ते विवाद के बाद स्प्रूड्स ने इस्तीफा दिया था।

लेबनान : रिहायशी इमारत पर इजराइली हमले में दो की मौत

बेरूत। लेबनान के सरीफा कस्बे में स्थित एज़्ज़ेद्दीन आवासीय परियोजना पर गुरुवार तड़के हुए इजराइली हवाई हमले में दो लोगों की मौत हो गयी। नेशनल न्यूज एजेंसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, अल-रिसाला स्काउट्स की नागरिक सुरक्षा टीम ने पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी आवासीय इमारत के मलबे से दोनों मृतकों के शव बाहर निकाले। इस बीच, एनएनए ने बताया कि हिज़्बुल्लाह के ड्रोन हमले में गुरुवार को कई इजराइली घायल हो गए। यह हमला ऐसे समय हुआ जब वाशिंगटन में अमेरिका की मध्यस्थता में इजराइल और लेबनान के बीच वार्ता शुरू होने वाली थी।

बलूचिस्तान में पाकिस्तान के पांच सैनिक मारे गए

कराची। बलूचिस्तान के बरखान जिले में चरमपंथियों के खिलाफ एक अभियान में एक मेजर समेत पाकिस्तान के पांच सैनिक मारे गए। अंतर-सेवा जनसंपर्क ने बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इस अभियान में कम से कम सात चरमपंथियों को भी ढेर किया गया। पाकिस्तानी सेना और बलूचिस्तान फ्रंटियर कोर ने मार्खम के नोशाम इलाके में संयुक्त रूप से अभियान संचालित किया था। आईएसपीआर ने बताया कि अभियान के दौरान सात चरमपंथियों को ढेर किया गया।

ताइवान के मुद्दे पर सावधानी बरते अमेरिकी वर्ना संघर्ष तय

ट्रंप के साथ वार्ता के पहले दौर में शी जिनपिंग ने दी चेतावनी, दोनों देश द्विपक्षीय संबंध बढ़ाने पर सहमत

बीजिंग, एजेंसी

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बृहस्पतिवार को अपने अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप के साथ वार्ता के पहले दौर के बाद कहा कि चीन और अमेरिका रचनात्मक द्विपक्षीय संबंधों के निर्माण के लिए एक नए दृष्टिकोण पर सहमत हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने आगाह किया कि ताइवान को लेकर तनाव दोनों देशों के संबंधों को खतरे में डाल सकता है और आपसी संघर्ष को भी जन्म दे सकता है। बीजिंग में हुई बैठक के बाद जिनपिंग ने कहा, मैंने राष्ट्रपति ट्रंप के साथ रणनीतिक स्थिरता के साथ चीन-अमेरिका के रचनात्मक संबंधों के निर्माण के नए दृष्टिकोण पर सहमति व्यक्त की है।

सरकारी मीडिया के अनुसार, जिनपिंग ने कहा कि यह नया दृष्टिकोण अगले तीन वर्षों और उससे आगे द्विपक्षीय संबंधों के लिए रणनीतिक मार्गदर्शन प्रदान करेगा तथा दोनों देशों के लोगों के साथ अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी इसका स्वागत करना चाहिए। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ताइवान का मुद्दा चीन-अमेरिका संबंधों में सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है। जिनपिंग ने कहा कि अगर इस मुद्दे को सही ढंग से संभाला गया तभी द्विपक्षीय संबंध स्थिर रहेंगे, अन्यथा दोनों देशों को टकराव और यहां तक कि संघर्ष का सामना करना पड़ सकता है और द्विपक्षीय संबंधों के लिए गंभीर खतरा पैदा हो जाएगा। उन्होंने अमेरिका से ताइवान मुद्दे को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतने का आग्रह किया।

बीजिंग में शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने से पहले किया गया ट्रंप का स्वागत।

तंज... होर्मुज में शांति और ताइवान की स्वतंत्रता का समर्थन

जिनपिंग ने कहा कि ताइवान, जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता बनाए रखना बीजिंग और वाशिंगटन के बीच स्थिर संबंधों के लिए प्रमुख महत्व रखता है। उन्होंने चेतावनी दी कि ताइवान की स्वतंत्रता के लिए समर्थन जलडमरूमध्य में शांति की बात से मेल नहीं खाता। स्वशासित ताइवान को चीन एक विद्रोही प्रांत मानता है। वह उन देशों को ताइपे के साथ औपचारिक संबंध रखने से रोकता है जिनके साथ उसके राजनयिक संबंध हैं। वर्ष 1979 में आधुनिक चीन के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने के बाद से, अमेरिका ताइवान को अनौपचारिक समर्थन देते हुए और उसे हथियार मुहैया कराते हुए बीजिंग की मांगों के दायरे में रहने में कामयाब रहा है। वाशिंगटन ताइवान को चीन का हिस्सा मानने के बीजिंग के रुख को स्वीकार करता है, लेकिन स्पष्ट रूप से इसका समर्थन नहीं करता।

लाभकारी व्यापारिक सहयोग बढ़ाने पर जताई सहमति

व्यापार वार्ता को लेकर जिनपिंग ने कहा कि दोनों पक्षों की आर्थिक और व्यापार टीमों ने आम तौर पर संतुलित और सकारात्मक परिणाम दिए हैं। चीन अपने दरवाजे व्यापक रूप से खोलेगा, जिनपिंग जिनपिंग ने यह उल्लेख करते हुए कहा कि अमेरिकी कंपनियां लंबे समय से देश के आर्थिक सुधारों में शामिल रही हैं और अमेरिका का पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग का विस्तार करने के लिए स्वागत है। जिनपिंग ने कहा, दोनों पक्षों को उस महत्वपूर्ण सहमति को लागू करना चाहिए जिस पर हम पहुंचे हैं।

ट्रंप बोले- जिनपिंग महान नेता

ट्रंप ने शी जिनपिंग के साथ अपनी बातचीत को अब तक का सबसे बड़ा शिखर सम्मेलन बताते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच ईरान युद्ध, व्यापार तनाव, टैरिफ, प्रौद्योगिकी और ताइवान पर चर्चा हुई है। जिनपिंग को महान नेता बताते हुए ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों का एक साथ शानदार भविष्य होगा, जिनपिंग ने कहा कि चीन और अमेरिका को प्रतिद्वंद्वी होने के बजाय साझेदार होना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यापार युद्ध में कोई विजेता नहीं होता। ट्रंप की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब पश्चिम एशिया संघर्ष और उसके बाद पैदा हुए वैश्विक ऊर्जा संकट के कारण आर्थिक एवं भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं बढ़ गई हैं।

ताइवान पर अमेरिकी नीति में कोई बदलाव नहीं : रुबियो

बीजिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भेंट के बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ताइवान के प्रति अमेरिका की नीति अपरिवर्तित है और चीन की ओर से बलपूर्वक ताइवान पर कब्जा करना एक भयानक भूल होगी। रुबियो ने एनबीसी न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में ऐसा कहा। रुबियो ट्रंप की चीन यात्रा में उनके साथ आए हैं। उन्होंने शी की इस चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया कि इस स्वशासी द्वीप को लेकर मतभेद संघर्ष का कारण बन सकता है। उन्होंने कहा कि चीन वार्ता में ताइवान का मुद्दा हमेशा उठाता है। रुबियो ने कहा, आज की स्थिति में ताइवान के मुद्दे पर अमेरिकी नीति यहां हुई बैठक के बाद भी अपरिवर्तित है। चीनी पक्ष हमेशा अपनी तरफ से यह मुद्दा उठाता है। हम हमेशा अपना रुख स्पष्ट करते हैं और अन्य विषयों पर आगे बढ़ते हैं।

सबरीमाला : महिलाओं से धार्मिक भेदभाव के मुद्दे पर फैसला सुरक्षित

सुप्रीम कोर्ट की नौ सदस्यीय संविधान पीठ ने पूरी की सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट के नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने केरल के सबरीमाला मंदिर सहित धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव और विभिन्न धर्मों में धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे और सीमा से संबंधित याचिकाओं पर अपना फैसला बृहस्पतिवार को सुरक्षित रख लिया। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने 16 दिन तक इस मामले की सुनवाई की और अलग-अलग पक्षों की दलीलें सुनीं।

सुनवाई से पहले, केंद्र ने लिखित दलीलें दाखिल कर शीर्ष अदालत से सबरीमाला मंदिर में रजस्वला आयु वाली महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध को बरकरार रखने का अनुरोध किया था। केंद्र ने दलील दी कि यह मुद्दा पूरी तरह धार्मिक आस्था और संप्रदायगत स्वायत्तता के दायरे में आता है और न्यायिक समीक्षा के दायरे से बाहर है। सितंबर 2018 में पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 4:1 के बहुमत से 10 से 50 वर्ष की आयु की महिलाओं के सबरीमाला स्थित अय्यप्पा मंदिर में प्रवेश पर लगी रोक को हटा दिया था और इस प्रथा को असंवैधानिक करार दिया था। बाद में, 14 नवंबर, 2019 को, तत्कालीन सीजेआई रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की एक अन्य पीठ ने 3:2 के बहुमत से, विभिन्न पूजा स्थलों पर महिलाओं से भेदभाव के मुद्दे को विस्तृत सुनवाई के लिए बड़ी पीठ के पास भेज दिया।

सुनवाई के लिए पीठ ने तय किए थे सात सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे को लेकर सात प्रश्न तैयार किये जिनपर सुनवाई की जानी थी। पीठ ने कहा कि वह इस बात पर विचार करेगी कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार का दायरा और सीमा क्या है। दूसरा मुद्दा था कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत व्यक्तियों के अधिकारों और अनुच्छेद 26 के तहत धार्मिक संप्रदायों के अधिकारों के बीच क्या परस्पर संबंध है। तीसरा था, क्या अनुच्छेद 26 के तहत किसी धार्मिक संप्रदाय के अधिकार सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के अलावा अन्य मौलिक अधिकारों के अधीन हैं। चौथा मुद्दा यह तय किया गया कि संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 के अंतर्गत नैतिकता शब्द का दायरा और विस्तार क्या है और क्या इसमें संवैधानिक नैतिकता शामिल है। पांचवा था, पीठ अनुच्छेद 25 के तहत संदर्भित धार्मिक प्रथा के संबंध में न्यायिक समीक्षा के दायरे और सीमा पर भी विचार करेगी। छठा था कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 25 (2) (ख) में प्रयुक्त हिंदुओं के वर्ग की अभिव्यक्ति का क्या अर्थ है। कोर्ट ने कहा था कि वह सातवें प्रश्न के रूप में इस बात की जांच करेगा कि क्या कोई व्यक्ति जो किसी धार्मिक संप्रदाय या धार्मिक समूह से संबंधित नहीं है, जनहित याचिका दायर करके उस धार्मिक संप्रदाय या धार्मिक समूह की किसी प्रथा पर सवाल उठा सकता है।

दुनिया में कोरोना से मौतें आधिकारिक संख्या से तीन गुना

जिनेवा, एजेंसी

- डब्ल्यूएचओ ने जारी की रिपोर्ट, कई देशों ने काफी घटाकर की मौतों की रिपोर्टिंग

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि कोविड-19 महामारी से दुनिया भर में मौतों की वास्तविक संख्या 2.2 करोड़ से अधिक पहुंच गई है, जो आधिकारिक तौर पर दर्ज 70 लाख मौतों से करीब तीन गुना ज्यादा है। डब्ल्यूएचओ की बुधवार को जारी "वर्ल्ड हेल्थ स्टैटिस्टिक्स 2026" रिपोर्ट में यह खुलासा किया है।

इस रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2020 से 2023 के बीच सभी कारणों से वैश्विक अतिरिक्त मौतों (एक्सेस डेथ्स) का अनुमान 2.21 करोड़ लगाया गया, जबकि कोविड-19 से आधिकारिक तौर पर 70 लाख मौतें दर्ज की गईं। इसका मतलब है कि कोविड से दर्ज हर एक मौत के मुकाबले महामारी से जुड़ी लगभग दो अतिरिक्त मौतें हुईं। संगठन के अनुसार, इसका मुख्य कारण कई देशों की ओर से असल में हुई मौतों की कम रिपोर्टिंग करना है। इसके अलावा, 2022 के बाद अनेक देशों ने बड़े पैमाने पर कोविड-19 जांच अभियान बंद कर दिए, जिससे वास्तविक आंकड़े सामने नहीं आ सके।

रिपोर्ट में कहा गया, यह निष्कर्ष न केवल वायरस से सीधे हुई मौतों की कम रिपोर्टिंग को दर्शाता है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं में व्यवधान, आर्थिक चुनौतियों और अन्य सामाजिक कारणों से हुई अप्रत्यक्ष मौतों को भी उजागर करता है। डब्ल्यूएचओ ने यह भी कहा कि महामारी ने वैश्विक स्तर पर जीवन प्रत्याशा में एक दशक की प्रगति को खत्म कर दिया और विभिन्न क्षेत्रों में इसकी भरपाई अब भी असमान बनी हुई है।

नौसेना के मिग-29के लड़ाकू विमान की इजेक्शन सीट का पहला स्वदेशी नवीनीकरण

नासिक। भारतीय वायुसेना के नासिक स्थित बेस रिपेयर डिपो ने आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हुए भारतीय नौसेना के मिग-29के लड़ाकू विमान की पहली इजेक्शन सीट का स्वदेशी नवीनीकरण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि अब तक मिग-29के विमान की इजेक्शन सीटों को नवीनीकरण के लिए रूस भेजा जाता था। बताया गया कि बेस रिपेयर डिपो (बीआरडी), नासिक मिग-29 और सुखोई-30 एमकेआई विमानों के बड़े स्तर पर नवीनीकरण का कार्य करता है। सुखोई-30 एमकेआई की इजेक्शन सीट से प्राप्त अपने अनुभव का उपयोग करते हुए, बीआरडी ने मिग-29के की इजेक्शन सीट के नवीनीकरण के लिए तकनीक विकसित की, जिसे वायु दक्षता प्रमाणन एजेंसी आरसीएमए ने मंजूरी दे दी।

यूरोपीय यूनियन के मिशन प्रमुखों ने की राहुल गांधी से मुलाकात

नई दिल्ली। यूरोपीय संघ (ईयू) के भारतीय राजनीतिक दलों के साथ जुड़ाव के तहत ईयू देशों के मिशन प्रमुखों ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। ईयू के राजनयिक हर्वे डेल्फिन के मुताबिक दोनों पक्षों ने बढ़ती ईयू-भारत रणनीतिक साझेदारी और बदलती भारतीय तथा वैश्विक भूराजनीतिक गतिशीलता पर चर्चा की।

भारत में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल के राजदूत डेल्फिन ने कहा, भारतीय राजनीतिक दलों के साथ हमारे जुड़ाव के तहत ईयू के मिशन प्रमुखों ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी और और कांग्रेस के विदेश मामलों के विभाग के प्रमुख सलमान खुर्शीद के साथ दोपहर का भोजन किया। हाल के महीनों में ईयू और भारत के संबंधों में नई प्रगति देखी गई है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन तथा यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने 26 जनवरी को 77वें गणतंत्र दिचस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। भारत और 27 देशों के इस समूह ने 27 जनवरी को एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए बातचीत खत्म होने की घोषणा की थी।

रूस ने यूक्रेन पर किया सबसे बड़ा हमला, 800 ड्रोन दागे

कीव। रूस ने बुधवार को यूक्रेन के करीब 20 क्षेत्रों पर 800 ड्रोन से बड़ा हमला किया, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई और बच्चों समेत तमाम लोग घायल हो गए। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इसे चार साल से जारी युद्ध में सबसे बड़े हमलों में से एक बताया।

- यूक्रेन के 20 इलाकों को बनाया निशाना, छह की मौत, तमाम घायल

यह हमला राजधानी कीव, पोलैंड के पास स्थित पश्चिमी शहर लीव और काला सागर के बंदरगाह शहर ओडेसा समेत कई इलाकों में घंटों तक जारी रहा। जेलेंस्की ने कहा कि रूस का मकसद यूक्रेन की हवाई रक्षा प्रणाली पर दबाव बढ़ाना है। उन्होंने आशंका जताई कि ड्रोन हमलों के बाद क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइल हमले भी हो सकते हैं।

हमलों से पड़ोसी देशों में भी चिंता बढ़ी है। हंगरी के प्रधानमंत्री पीटर माज्यार ने सीमा के पास ड्रोन हमले के बाद रूसी राजदूत को तलब करने की घोषणा की और रूस की कार्रवाई की निंदा की। कीव में ड्रोन का मलबा एक खुले इलाके में गिरा, जबकि पश्चिमी रिवने क्षेत्र में तीन लोगों की मौत हो गई। लगातार हमलों के बीच जेलेंस्की ने कहा कि दुनिया को रूस के युद्ध पर चुप नहीं रहना चाहिए, इससे मॉस्को और अधिक आक्रामक हो सकता है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने संकेत दिया कि युद्ध समाप्ति के करीब हो सकता है।

दुनिया में मानवता के लिए एक नई चुनौती

जीन एडिटिंग

एक बड़ा सवाल है कि क्या हम डिजाइनर इंसानों के दौर में कदम रख चुके हैं। कल्पना कीजिए कि आप एक कंप्यूटर प्रोग्राम की तरह अपने शरीर के कोड को एडिट कर सकें। किसी बीमारी वाले हिस्से को काटकर हटा दें और उसकी जगह एक स्वस्थ जीन लगा दें। यह अब कोई साइंस-फिक्शन फिल्म की कहानी नहीं है। तकनीक ने वैज्ञानिकों को 'जीवन की किताब' को फिर से लिखने की ताकत दे दी है। हालांकि, इससे एक गंभीर सवाल भी पैदा हुआ है कि क्या यह मानवता के लिए कोई वरदान है या हम कुदरत के साथ बेहद खतरनाक खेल खेल रहे हैं।

न्यूज डिकोडर

दुनिया भर के वैज्ञानिकों का मानना है कि जीन एडिटिंग एक दोधारी तलवार है। अगर सही से इस्तेमाल हुआ तो यह हर लाइलाज बीमारी को खत्म कर सकता है, लेकिन अगर नियंत्रण खोया तो यह मानवता के अस्तित्व के लिए नया और बेहद गंभीर संकट भी बन सकता है।

क्या है जीन एडिटिंग

दरअसल, हमारा शरीर खरबों कोशिकाओं से बना है और हर कोशिका में डीएनए होता है जैसे कि डेटा। जीन एडिटिंग इसी डेटा को बदलने की प्रक्रिया है।

सीआरआईएसपीआर तकनीक कैंची की तरह काम करती है जो डीएनए के खास हिस्से को पहचानकर उसे काट सकती है। ठीक, कट-पेस्ट की तरह।

अगर किसी बच्चे को विरासत में कोई गंभीर बीमारी मिलने वाली है जैसे सिकल सेल एनीमिया तो भ्रूण अवस्था में ही उस खराब जीन को ठीक कर सकते हैं।

बीमारियों का अंत हो सकता है, कैंसर, एड्स और अंधापन जैसी असाध्य बीमारियों के इलाज के लिए जीन एडिटिंग को सबसे बड़ा हथियार माना जा रहा है।

जीन एडिटिंग क्यों परिणाम क्या

- **डिजाइनर बेबी**

बड़ी बहस इस बात पर है कि क्या भविष्य में माता-पिता अपने बच्चे की आंखों का रंग, ऊंचाई या बुद्धिमत्ता को चुनने के लिए जीन एडिटिंग कराएंगे। यह प्राकृतिक विविधता को खत्म कर सकता है।

- **अमीर-गरीब की खाई**

यह तकनीक बहुत महंगी है। डर यह है कि भविष्य में केवल अमीर लोग ही सुपर ह्यूमन यानी ज्यादा ताकतवर और बुद्धिमान बच्चों को पैदा कर पाएंगे, जिससे समाज में एक नए किस्म का भेदभाव पैदा हो जाएगा।

- **ऑफ-टारगेट प्रभाव**

जीन एडिटिंग अभी 100% सटीक नहीं है। अगर कैंची ने किसी गलत जीन को काट दिया तो इसके गंभीर और स्थायी दुष्परिणाम हो सकते हैं, जो आने वाली कई पीढ़ियों को प्रभावित कर सकते हैं।

- **कृषि और पर्यावरण**

जीन एडिटिंग का इस्तेमाल इंसानों पर ही नहीं, बल्कि फसलों पर भी हो रहा है। ऐसी फसलें तैयार की जा रही हैं जिन पर कीड़ों का असर न हो, इससे हमारे इकोसिस्टम का संतुलन बिगड़ सकता है।

नैतिक सवाल, चुनौतियां

- बड़ा सवाल है कि क्या इंसानों को जीवन के ब्लूप्रिंट को बदलने का अधिकार है। कई लोग इसे ईश्वर बनना मानते हैं।
- जिस बच्चे के जीन बदले जा रहे हैं, उसकी इसमें सहमति नहीं होती। भविष्य में इससे उसे गंभीर समस्या हो सकती है।
- जब शुक्राणु या अंडे में बदलाव करते हैं तो वह वंशानुगत इतिहास का हिस्सा बन जाता है जो वापस नहीं हो सकता।

दिलचस्प तथ्य

- पहली बार 2018 में चीन के एक वैज्ञानिक ने दुनिया के पहले जीन-एडिटेड बच्चों लुलु और नाना के जन्म का दावा किया था, जिससे दुनिया हैरान रह गई थी।
- अमेरिका की जेनिफर डौडना और फ्रांस के इमैनुएल चार्पेंटियर को 2020 में सीआरआईएसपीआर की खोज के लिए रसायन का नोबेल पुरस्कार दिया गया।
- सीआरआईएसपीआर तकनीक के बाद वैज्ञानिक अब ऐसे बुढ़ापे वाले जीन को ढूंढ रहे हैं जिन्हें एडिट करके इंसान की उम्र को 150 साल या उससे भी ज्यादा बढ़ाया जा सके।
- मच्छरों के खात्मे का मकसद पूरा करने की कोशिश, वैज्ञानिक ऐसे मच्छरों के जीन को एडिट कर रहे हैं जो मलेरिया नहीं फैला पाएंगे, जिससे लाखों जानें बचाई जा सकती हैं।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

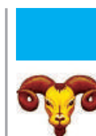

मेष – आज रुके कार्य पूरे होने के संकेत हैं। परिवार में किसी शुभ समाचार से खुशी का माहौल बनेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

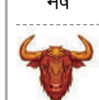

वृष – आज धैर्य और समझदारी से लिया गया निर्णय लाभ देगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं।

मिथुन – आज भाग्य आपका साथ देगा। व्यापार में नई संभावनाएं दिखाई देंगी। बातचीत में मधुरता बनाए रखें, रिश्ते मजबूत होंगे।

कर्क – आज मन थोड़ा भावुक रह सकता है। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतना जरूरी है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

सिंह – आज का दिन अच्छा रहेगा। आपकी नेतृत्व क्षमता लोगों को प्रभावित करेगी। कार्यक्षेत्र में मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा।

कन्या – आज का दिन व्यस्त रहेगा। स्वास्थ्य से जुड़ी छोटी परेशानियों को नजरअंदाज न करें। मित्र की सलाह आपके काम आएगी।

तुला – आज रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। विद्यार्थियों को मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी।

वृश्चिक – आज किसी पुराने काम में सफलता मिलने की संभावना है। घर-परिवार के मामलों में समझदारी से काम लें। नया निवेश सोच-समझकर करें।

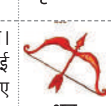

धनु – आज ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर मिल सकते हैं। दोस्तों के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा।

मकर – आज आर्थिक स्थिति होगी। काम के दबाव के बीच खुद के लिए भी समय निकालें। परिवार का सहयोग आत्मविश्वास बढ़ाएगा।

कुंभ – आज का दिन नई शुरुआत के लिए अनुकूल रहेगा। आपकी योजनाएं सफल हो सकती हैं। सामाजिक क्षेत्र में मान-सम्मान बढ़ेगा।

मीन – आज मन में नए विचार आएंगे। किसी प्रिय व्यक्ति से मुलाकात खुशी दे सकती है। सकारात्मक सोच से हर कार्य सफल होगा।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

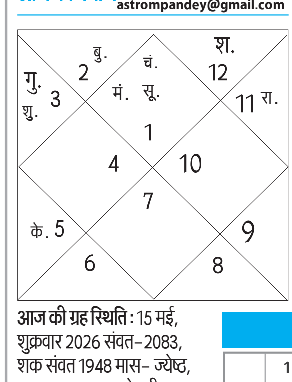

आज की ग्रह स्थिति : 15 मई, शुक्रवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- ज्येष्ठ, पक्ष- कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी 08 .31 तक तत्पश्चात चतुर्दशी 16 मई 05 .11 तक तत्पश्चात अमावस्या।

दिशाशूल-पश्चिम, **ऋतु**-ग्रीष्म।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-अश्विनी 20 .14 तक तत्पश्चात भरणी।

सुडोकू - 149 का हल

1	6	7	8	2	9	3	4	5
8	4	3	5	7	1	6	2	9
9	2	5	6	4	3	7	8	1
6	1	9	4	3	2	5	7	8
7	3	2	1	5	8	9	6	4
5	8	4	7	9	6	2	1	3
4	5	1	3	6	7	8	9	2
3	9	6	2	8	4	1	5	7
2	7	8	9	1	5	4	3	6

सुडोकू -150

	1						2	
			3	4	5			
3	6							
4			8	7				
								5
7				9	4			
		2					9	3
		3		2	6			
	7						8	

अनोखा मामला

बगैर जानकारी दिए पति के नाम ले रखी थीं कई जीवन बीमा पॉलिसी, कमाना चाहती थी 40 लाख डॉलर

पति की मौत पर भावुक करने वाली किताब लिखी, खुद निकली कातिल

पार्क सिटी, एजेंसी

अमेरिका के यूटा राज्य में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां अपने पति की मौत के बाद बच्चों के लिए दुख और शोक से उबरने वाली किताब लिख कर लोगों की सहानुभूति बटोरने वाली एक महिला को ही आखिकार पति की हत्या का दोषी ठहराया गया है। अदालत ने बुधवार को उसे बिना पैरोल के आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए कहा कि ऐसी अपराधी समाज के लिए बेहद खतरनाक होती है।

करीब 35 वर्षीय कूरी रिचिन्स को मार्च में अपने पति एरिक रिचिन्स की हत्या का दोषी ठहराया गया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, कूरी ने 2022 में पार्क सिटी स्थित घर में अपने पति के कॉकटेल में फेंटेनिल की घातक मात्रा से पांच गुना ज्यादा नशीला पदार्थ मिलाकर उसे मार डाला। जूरी ने उसे बीमा धोखाधड़ी, जालसाजी और हत्या के प्रयास समेत चार अन्य गंभीर अपराधों में भी दोषी पाया। अभियोजन पक्ष के अनुसार कूरी रिचिन्स ने अपने पति को मारने की कोशिश पहले भी की थी। अदालत में पेश साक्ष्यों के मुताबिक, उसने 'वैलेंटाइन डे' से कुछ सप्ताह पहले एरिक को फेंटेनिल मिला सैंडविच खिलाकर जहर देने की कोशिश की थी, लेकिन वह बच गया था। अदालत ने सजा सुनाते हुए कहा, ऐसे अपराध करने वाला व्यक्ति आजाद रहने के लायक नहीं है। संयोग से जिस दिन सजा सुनाई गई, उसी दिन एरिक रिचिन्स का 44वां जन्मदिन होता।

अभियोजकों ने अदालत को बताया कि कूरी करोड़ों डॉलर के कर्ज में डूबी हुई थी और किसी और के साथ भविष्य की योजना बना रही थी। उसने अपने पति की जानकारी के बिना कई जीवन बीमा पॉलिसी ली थीं और उसे यकीन था कि पति की मौत के बाद उसे 40 लाख डॉलर से अधिक की संपत्ति मिल जाएगी। गिरफ्तारी से पहले कूरी किताब का प्रचार कर रही थी, जिसमें एक बच्चे के पिता की मौत के दुख को दर्शाया गया था। एरिक के पिता यूजीन रिचिन्स ने अपने पोतों की रक्षा के लिए कूरी को बिना पैरोल के आजीवन कारावास की सजा देने का आग्रह किया था।

बेटों ने कहा- मां जेल से बाहर आई तो हमारे लिए खतरा

पिता की मृत्यु के समय कूरी के बेटों की उम्र नौ, सात और पांच साल थी। सुनवाई के दौरान उसके तीनों बेटों के बयान भी पढ़कर सुनाए गए। बच्चों ने कहा कि अगर उनकी मां कभी जेल से बाहर आई तो वे खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करेंगे। एक बेटे ने कहा, आपने लालच में हमारे पिता को हमसे छीन लिया। बच्चों ने बताया कि जब वे अधपका खाना खाने से मना करते थे, तब रिचिन्स उन्हें उनके पालतू जानवरों को मार डालने की धमकी देती थी और युद्धग्रस्त इलाकों में भूख से तड़पते बच्चों के वीडियो दिखाती थी। उसके सबसे बड़े बेटे ने बताया कि उसकी मां नशे की हालत में उसे लगभग हर रोज कमरे में बंद कर देती थी।

विराट कोहली ने साबित कर दिया है कि पुरानी पीढ़ी अभी भी सर्वश्रेष्ठ है। उसने केकेआर के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। लक्ष्य का पीछा करने में उसका कोई सानी नहीं है। उसने आलोचकों को शतक से जवाब दिया और आरेंज कैप की दौड़ में तीसरे नंबर पर पहुंच गया।
–सुनील गावस्कर

स्टेडियम

लखनऊ, शुक्रवार,15 मई 2026

अमृत विचार
www.amritvichar.com

IPL 2026
आज का मुकाबला

चेन्नई सुपर किंग्स
बनाम
लखनऊ सुपर जाइंट्स

समय - शाम 7:30 बजे

स्थान : लखनऊ

हाईलाइट

इटालवी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में एंड्री रुबलेव को हराने के बाद जश्न मनाते यानिक सिनर। एजेंसी

सिनर ने जोकोविच का रिकॉर्ड तोड़ा

रोम। यानिक सिनर ने गुरुवार को इटालवी ओपन में इतिहास रच दिया, जब उन्होंने एटीपी मास्टर्स 1000 में लगातार 32वीं जीत हासिल करके इस लेवल पर सबसे लंबे समय तक जीतने का नोवाक जोकोविच के साथ अपना रिकॉर्ड तोड़ा। एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 खिलाड़ी ने क्वार्टर फाइनल में आंद्रेई रुब्लेव को 6-2, 6-4 से हराकर इतिहास में अकेले अपना नाम दर्ज कराया। जोकोविच का लगातार 31 मास्टर्स 1000 जीत का पिछला रिकॉर्ड 2011 इंडियन वेल्स के दूसरे राउंड से लेकर 2011 सिनसिनाटी ओपन फाइनल तक था। सिनर ने मंगलवार को रोम में चौथे राउंड में जीत के बाद उस रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। सिनर को मास्टर्स 1000 इवेंट में आखिरी हार अक्टूबर में 2025 रोलेक्स शंघाई मास्टर्स में मिली थी।

प्लेऑफ से बाहर होने के बाद मुंबई इंडियंस ने पंजाब को दिया झटका

आईपीएल-2026 : तिलक वर्मा और शार्दुल ठाकुर ने किया शानदार प्रदर्शन

धर्मशाला, एजेंसी

शार्दुल ठाकुर की धारदार गेंदबाजी बाद तिलक वर्मा के तूफानी अर्धशतक से मुंबई इंडियंस ने आईपीएल में बृहस्पतिवार को यहां पंजाब किंग्स को छह विकेट से हरा दिया जो मेजबान टीम की लगातार पांचवीं हार है।

पंजाब के 201 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी मुंबई की टीम ने तिलक वर्मा (75 रन, 33 गेंद, छह चौके, छह छक्के) के तेजतर्रार अर्धशतक और विल जैक्स (10 गेंद में नाबाद 25, दो चौके, दो छक्के) के साथ उनकी पांचवें विकेट की 20 गेंद में 56 रन की अटूट साझेदारी से 19.5 ओवर में चार विकेट पर 205 रन बनाकर जीत दर्ज की। सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन (48) ने भी उम्दा पारी खेली। तिलक ने शेरफेन रदरफोर्ड (20) के साथ भी चौथे विकेट के लिए 61 रन जोड़े।

इससे पहले सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह (57 रन, 32 गेंद, छह चौके, चार छक्के) ने अर्धशतक जड़ने के अलावा प्रियांश आर्य (22) के साथ पहले विकेट के लिए 50 और कूपर कोनोली (21) के साथ दूसरे विकेट के लिए 57 रन जोड़कर पंजाब को ठोस मंच प्रदान किया लेकिन शारदुल (39 रन पर चार विकेट) ने बीच के ओवरों में मुंबई को जोरदार वापसी दिलाई। दीपक चाहर ने भी 36 रन देकर दो विकेट चटकाए।

नाबाद अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते तिलक वर्मा।

अजमतुल्लाह उमरजई ने हालांकि अंत में 17 गेंद में दो चौकों और चार छक्कों से 38 रन की पारी खेलकर टीम का स्कोर आठ विकेट पर 200 रन तक पहुंचाया। लगातार पांचवीं बार के बाद पंजाब की टीम 12 मैच में 13 अंक के साथ चौथे स्थान पर है। मुंबई की टीम नौवें स्थान पर है। उसके 12 मैच में आठ अंक हैं।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे मुंबई इंडियन्स को रेयान रिकेल्टन (48) ने तेज शुरुआत दिलाई। रिकेल्टन ने अजमतुल्लाह (36 रन पर दो विकेट) पर छक्के के साथ शुरुआत की और फिर मार्को यानसेन की लगातार गेंदों पर दो चौके और एक छक्का मारा। उन्होंने जेवियर बार्टलेट की लगातार गेंदों पर भी छक्का और चौका मारा। रोहित शर्मा ने भी बार्टलेट पर छक्का जड़ा। मुंबई ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 59 रन बनाए। रिकेटल्टन हालांकि इसके बाद उमरजई की गेंद पर प्रियांश को कैच दे बैठे। उन्होंने 23 गेंद की अपनी पारी में चार छक्के और इतने ही चौके मारे। नमन धीर (09) ने आते ही अजमतुल्लाह पर छक्का जड़ा लेकिन यानसेन की गेंद पर अर्शदीप को कैच दे बैठे। रोहित भी 25 रन बनाने के बाद युजवेंद्र चहल (32 रन पर एक विकेट) की गेंद पर बोल्ड हो गए। तिलक वर्मा ने बार्टलेट पर लगातार दो चौके मारे। मुंबई के रनों का शतक 12वें ओवर में पूरा हुआ। मुंबई को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 72 रन की दरकार थी। तिलक ने चहल पर छक्के और चौके के साथ रन गति में इजाफा किया जबकि रदरफोर्ड ने भी इस ओवर में छक्का जड़ा। अजमतुल्लाह ने रदरफोर्ड को बार्टलेट के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा। इस ओवर में सिर्फ दो रन बने। तिलक ने 18वें ओवर में यानसेन की लगातार गेंदों पर छक्के और चौके के साथ 25 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने इस ओवर की अंतिम गेंद को भी दर्शकों के बीच पहुंचाया। मुंबई को अंतिम दो ओवर में 28 रन की जरूरत थी। जैक्स ने अर्शदीप पर छक्का और चौका मारा जिससे ओवर में 13 रन बने। बार्टलेट को अंतिम ओवर में 14 रन का बचाव करना था। जैक्स ने पहली गेंद पर छक्का जड़ा जबकि तिलक ने लगातार दो छक्कों के साथ टीम को जीत दिला दी।

पंजाब किंग्स

200/8 (20 ओवर)

प्रियांश आर्य बो चाहर	22
प्रभसिमरन सिंह का बॉश बो शारदुल	57
कूपर कोनोली बो बावा	21
श्रेयस अय्यर बो शारदुल	04
सूर्यांश शेडगे का बावा बो शारदुल	08
शशांक सिंह पगबाधा बो बॉश	02
अजमतुल्लाह का जैक्स बो चाहर	38
मार्को यानसेन बो शारदुल	02
विष्णु विनोद नाबाद	15
जेवियर बार्टलेट नाबाद	18

अतिरिक्त : 13, **विकेट पतन :** 1-50, 2-107, 3-111, 4-111, 5-123, 6-135, 7-140, 8-166, **गेंदबाजी :** चाहर 4-0-36-2, बुमराह 4-0-35-0, शार्दुल 4-0-39-4, बॉश 4-0-42-1, रघु 2-0-22-0, जैक्स 1-0-9-0, बावा 1-0-11-1

मुंबई इंडियंस

205/4 (19.5 ओवर)

रेयान रिकेल्टन का प्रियांश बो उमरजई	48
रोहित शर्मा बो चहल	25
नमन धीर का अर्शदीप बो यानसेन	09
तिलक वर्मा नाबाद	75
शेरफेन रदरफोर्ड का बार्टलेट बो उमरजई	20
विल जैक्स नाबाद	25

अतिरिक्त : 03, **विकेट पतन :** 1-61, 2-81, 3-88, 4-149, **गेंदबाजी :** अर्शदीप 4-0-29-0, उमरजई 4-0-36-2, यानसेन 4-0-55-1, बार्टलेट 3.5-0-53-0, चहल 4-0-32-1

05 वीं लगातार यह हार है मेजबान पंजाब किंग्स की

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	12	8	4	0	16	1.053
2. गुजरात टाइटंस	12	8	4	0	16	0.551
3. सनराइजर्स हैदराबाद	12	7	5	0	14	0.331
4. पंजाब किंग्स	12	6	5	1	13	0.355
5. चेन्नई सुपर किंग्स	11	6	5	0	12	0.185
6. राजस्थान रॉयल्स	11	6	5	0	12	0.082
7. दिल्ली कैपिटल्स	12	5	7	0	10	-0.993
8. कोलकाता नाइट राइडर्स	11	4	6	1	9	-0.198
9. मुंबई इंडियंस	12	4	8	0	8	-0.504
10. लखनऊ सुपर जाएंट्स	11	3	8	0	6	-0.907

ऑरेंज कैप

- हेनरिक क्लासेन हैदराबाद–508 रन
- साई सुदर्शन गुजरात–501 रन
- विराट कोहली बेंगलुरु –484 रन

पर्पल कैप

- भुवनेश्वर कुमार बेंगलुरु–22 विकेट
- कागिसो रबाडा गुजरात–21 विकेट
- अंशुल कंबोज चेन्नई–19 विकेट

प्रतिष्ठा बचाने उतरेगा लखनऊ सुपर जाएंट्स

- चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबला आज

लखनऊ, एजेंसी

लचर प्रदर्शन के बावजूद प्लेआफ की दौड़ में कायम चेन्नई सुपर किंग्स शुक्रवार को आईपीएल के मैच में लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ शानदार जीत दर्ज करके अपना दावा बनाये रखना चाहेगी जबकि दौड़ से बाहर हो चुकी लखनऊ के लिए यह महज प्रतिष्ठा का मुकाबला है।

चेन्नई ने टूर्नामेंट के दूसरे चरण में समय पर जीत दर्ज करके अपनी उम्मीदें कायम रखी है जबकि लखनऊ की टीम का प्रदर्शन बेहद ही खराब रहा। चेन्नई को अपने बाकी सारे मैच जीतने के अलावा दूसरे मैचों के नतीजे भी अनुकूल रहने की दुआ करनी होगी। चेन्नई फिलहाल 11 मैचों में से छह जीतकर पांचवें स्थान पर है।

अच्छी 'फिनिशिंग' नहीं होने के कारण आलोचना झेलने वाली पांच बार की चैम्पियन चेन्नई टीम ने संजू सैमसन, उर्विल पटेल, कप्तान रूतुराज गायकवाड़ और कुछ उदीयमान खिलाड़ियों के दम पर अच्छी वापसी की। दूसरी ओर लखनऊ को कप्तान ऋषभ पंत के लगातार खराब फॉर्म का खामियाजा भुगतना पड़ा। उसके गेंदबाज विरोधी टीमों पर दबाव बनाने में नाकाम रहे और चेन्नई के खिलाफ पहले चरण के मैच में तो वे 203 रन बनाकर भी हार गए।

लगातार शून्य पर आउट होने से नर्वस था : कोहली

- केकेआर के खिलाफ शतक लगाने पर विराट बोले-रन नहीं बनने से हो जाता हूं बैचेन

रायपुर, एजेंसी

भारत के सुपरस्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा कि प्रदर्शन के दबाव को लेकर बैचेनी उन्हें भी होती है और आईपीएल में पिछले दो मैचों में शून्य पर आउट होने से वह नर्वस हो गए थे। 37 वर्ष के कोहली ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए 60 गेंद में नाबाद 105 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की।

आरसीबी छह विकेट से जीत दर्ज करके आईपीएल की अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। कोहली ने आईपीएल में नौवां शतक जड़ा और महेंद्र सिंह धोनी तथा रोहित शर्मा (279) को पछाड़कर लीग में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए। प्लेयर आफ द मैच कोहली ने बाद में प्रसारक से कहा पिछले दो मैचों में रन नहीं बना पाने से मैं काफी बेचैन था। मुझे पता था कि मैं अच्छा खेल सकता हूं और रन बना सकता हूं। उन्होंने कहा ऐसे में जब आप रन नहीं बना सके और टीम के लिये योगदान नहीं दे सके तो बेचैनी होती है। मेरा हमेशा से लक्ष्य टीम के लिये योगदान देने का रहा है। मैं लगातार बेहतर प्रदर्शन की कोशिश करता हूं ताकि अपना सर्वश्रेष्ठ टीम को देकर छाप छोड़ सकूं। कोहली ने स्वीकार किया कि पिछले दो मैचों में खाता नहीं खोल पाने से वह नर्वस थे लेकिन यह भी कहा कि नाकामी खिलाड़ी के विकास में भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा शतक जमाने के बाद जश्न बड़ा नहीं था क्योंकि हमें अंकों की अहमियत पता है।

शकीरा और मैडोना विश्व कप फाइनल के हाफ-टाइम में बिखेरेंगी जलवा

मैडोना।

मनीष श्रीवास्तव, खेल डेस्क

अमृत विचार। फीफा विश्व कप फुटबॉल के फाइनल में इस बार दर्शकों को रोमांच के साथ मनोरंज का तड़का भी देखने को मिलेगा। पहली बार हाफ-टाइम शो होने जा रहा है, जिसमें शकीरा, मैडोना और के-पॉप के दिग्गज कलाकार सुपर बाउल शैली में प्रस्तुति देंगे। फाइनल 19 जुलाई को ईस्ट रदरफोर्ड, न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में होगा। फीफा ने गुरुवार को हाफ-टाइम शो की घोषणा कर दी है। कोल्डप्ले के क्रिस मार्टिन इस शो का संचालन कर रहे हैं। हालांकि फुटबॉल विश्व कप फाइनल में पहली बार होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर इस बात को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं कि हाफ-टाइम कितना लंबा होगा।

19 जुलाई को फाइनल ईस्ट रदरफोर्ड, न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में होगा

ध्यान रहे विश्व कप 11 जून को संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में शुरू होगा।

इसमें 48 टीमें भाग लेंगी, जो अब तक सबसे बड़ा दल होगा। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने पिछले साल मार्च में घोषणा की थी कि फीफा विश्व कप फाइनल में पहली बार हाफ-टाइम शो होगा। उन्होंने उस समय यह नहीं बताया कि कौन-कौन कलाकार प्रस्तुति देंगे या शो कितने समय तक चलेगा। उनका कहना है कि यह फीफा विश्व कप के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा और दुनिया के सबसे बड़े खेल आयोजन के अनुरूप एक शानदार प्रदर्शन होगा। यह कदम मियामी में 2024 कोपा अमेरिका के फाइनल के दौरान आयोजित शो की तरह ही है, जब कोलंबियाई स्टार शकीरा ने हार्ड रॉक स्टेडियम में हाफ-टाइम के दौरान प्रस्तुति दी थी। पिछले साल मेटलाइफ स्टेडियम में हुए फीफा क्लब विश्व कप के फाइनल में भी हाफ-टाइम शो हुआ था, जिसने निर्धारित 15 मिनट के ब्रेक से अधिक समय तक खेल को खींच दिया था। शकीरा का विश्व कप के साथ लंबा जुड़ाव रहा है, उन्होंने 2006 और 2014 के विश्व कप फाइनल में प्रस्तुति देने के अलावा 2010 के टूर्नामेंट के लिए 'वाका वाका' गीत का निर्माण भी किया था। विश्व कप में जीत हासिल करने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।

शकीरा।

खिलाड़ियों और प्रशंसकों को बेहाल कर सकती है गर्मी

विश्व कप में खिलाड़ियों को भीषण गर्मी का करना पड़ सकता है। मियामी में आयोजित होने वाले प्रत्येक मैच में तापमान निर्धारित सीमा से अधिक होने की आशंका है, जबकि मेक्सिको सिटी के एज्टेका स्टेडियम को छोड़कर बाकी सभी स्थानों पर पिछले 30 वर्षों में तापमान का स्तर बढ़ा है। शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि कई मैच खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए असुरक्षित होंगे। अत्यधिक गर्मी और नमी से प्रदर्शन पर असर पड़ेगा। वेट बल्ब ग्लोब टेम्परेचर (डब्ल्यूबीजीटी) इस जोखिम को मापने का एक तरीका है। फीफा के नियमों के अनुसार, यदि मैच से पहले डब्ल्यूबीजीटी का स्तर 32 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, तो मैच के स्थगन पर विचार होना चाहिए।

साक्षात्कार

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष बोले- 'फूट डालो और राज करो' नहीं चलेगा

श्रीजेश के लिए दरवाजे हमेशा खुले हैं : दिलीप टिर्की

नई दिल्ली, एजेंसी

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा है कि पी आर श्रीजेश के लिये दरवाजे हमेशा खुले हैं और वह बेहतर अनुभव के साथ वापसी कर सकते हैं लेकिन भारतीय हॉकी में ''फूट डालो और राज करो'' का खेल अब बंद होना चाहिए। टिर्की ने भाषा को दिये विशेष इंटरव्यू में कहा हॉकी इकोसिस्टम में कुछ लोग हैं जो ''फूट डालो और राज करो'' की रणनीति पर काम कर रहे हैं । लेकिन वे भूल जाते हैं कि मैं खिलाड़ी पहले हूं और खेल प्रशासक बाद में , तीन ओलंपिक और 412 अंतराष्ट्रीय मैच खेल चुका हूं।

उन्होंने कहा मेरे अध्यक्ष रहते हॉकी इंडिया में सारे फैसले सामूहिक रूप से लिए गए। मेरा पहला दायित्व खिलाड़ियों के प्रति है और मनप्रीत सिंह हो या श्रीजेश, मैने हमेशा खिलाड़ियों से सीधे बात की है । ये ओलंपिक कप्तान रहे हैं और भारतीय हॉकी की अनमोल धरोहरें हैं। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता श्रीजेश ने सोशल मीडिया पर बुधवार को एक तल्ख पोस्ट में आरोप लगाया था कि विदेशी कोच को तरजीह देने के लिये उन्हें जूनियर टीम के कोच के पद से हटाया गया है। यूरोप के अनुभवी कोच फ्रेडरिक सोयेज को बृहस्पतिवार को जूनियर पुरूष टीम का नया कोच बनाया गया। टिर्की ने कहा भारत के लिए खेल चुके खिलाड़ियों के लिए हॉकी इंडिया के दरवाजे हमेशा खुले हैं। हम भविष्य के बारे में सोच रहे हैं व भारतीय कोचों को बढावा देने के खेल मंत्रालय के विजन पर काम कर रहे हैं । हमारी नजरें 2032 तथा 2036 ओलंपिक पर है। इसमें श्रीजेश भारतीय सीनियर टीम के कोच हो सकते हैं पर उन्हें अभी अनुभव की जरूरत है।

उन्होंने कहा श्रीजेश का कार्यकाल खत्म होने पर हॉकी इंडिया ने तय किया था कि नया अनुभवी कोच लाया जाए क्योंकि टीम का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा है । यह फैसला मेरे अकेले का नहीं बल्कि सर्वसम्मति से हॉकी इंडिया का था।

भारत के महान फुलबैक और पूर्व कप्तान रहे टिर्की ने कहा कि अंडर 21 टीम काफी अहम है और इसे एक अनुभवी कोच की जरूरत है। कहा कि हॉकी इंडिया को आनन फानन की बजाय सोच समझकर कोच की नियुक्ति करनी चाहिए थी । भारतीय हॉकी में कभी ऐसा नहीं हुआ था कि खिलाड़ी को संन्यास के बाद बिना अनुभव के तुरंत कोच बना दिया गया हो। श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने के बाद खेल से संन्यास ले लिया था जिसके बाद उन्हें जूनियर टीम का कोच बनाया गया।

दिलीप टिर्की।

सोयेज बने जूनियर पुरुष हॉकी टीम के नए कोच

नई दिल्ली। फ्रांस के फ्रेडरिक सोयेज को बृहस्पतिवार को भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम का नया कोच बनाया गया जो दो बार के ओलंपिक पदक विजेता पी आर श्रीजेश की जगह लेंगे। पूर्व स्टार गोलकीपर श्रीजेश का अनुबंध पिछले साल चेन्नई और मदुरै में एफआईएच जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीतने के बाद खत्म हो गया था। हॉकी इंडिया ने उनके अनुबंध का नवीनीकरण नहीं किया। सोशल मीडिया पर एक तल्ख पोस्ट में श्रीजेश ने निराशा व्यक्त करते हुए बुधवार को कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान पांच टूर्नामेंटों में पांच पदक जीतने के बावजूद उनका अनुबंध नहीं बढ़ाया गया, लेकिन हॉकी इंडिया ने तर्क दिया कि यह फैसला 2036 ओलंपिक की मेजबानी की भारत की महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप एक टिकाऊ और दीर्घकालिक दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए लिया गया था।

श्रीलंका में त्रिकोणीय सीरीज के लिए सूर्यवंशी भारत 'ए' टीम में

नई दिल्ली। युवा बल्लेबाजी सनसनी वैभव सूर्यवंशी को नौ जून से श्रीलंका में शुरू हो रही 50 ओवर की त्रिकोणीय सीरीज के लिए बृहस्पतिवार को भारत 'ए' टीम में शामिल किया गया। भारत और मेजबान श्रीलंका के अलावा टूर्नामेंट की एक अन्य टीम अफगानिस्तान 'ए' है। मैच दाम्बुला में खेले जाएंगे।

भारत 'ए' गॉल में दो बहु दिवसीय (चार दिन के) 'टेस्ट' मैच भी खेलेगी लेकिन उसके लिए टीम की घोषणा बाद में की जाएगी। माना जा रहा है कि सूर्यवंशी को टीम में इसलिए शामिल किया गया है क्योंकि चयनकर्ता उन्हें भारत 'ए' टीम के साथ परखना चाहते हैं। चयनकर्ता 26 जून से शुरू होने वाले ब्रिटेन दौरे के लिए सीनियर टीम में चुने जाने से पहले उन्हें आजमाना चाहते हैं।

सिंधु और लक्ष्य सेन क्वार्टर फाइनल में, श्रीकांत बाहर

थाईलैंड ओपन

बैंकॉक, एजेंसी

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन बृहस्पतिवार को यहां सीधे गेम में जीत के साथ पांच लाख डॉलर इनामी राशि के थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और छठी वरीयता प्राप्त सिंधू ने महिला एकल के दूसरे दौर में 28 मिनट के भीतर डेनमार्क की अमेली शूल्ज को 21-13, 21-15 से हराया। सातवीं वरीयता प्राप्त सेन ने चीन के झू शुआन चेन को 21-12, 21-13 से मात दी। सिंधू का सामना अब शीर्ष वरीयता प्राप्त तीसरी रैंकिंग वाली जापान की अकाने यामागुची से होगा। वहीं सेन दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुंलावुत वितिदसर्न के बीच होने वाले मैच के विजेता से खेलेंगे। पुरुष युगल में सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी अंतिम आठ में पहुंच गए। उन्होंने मलेशिया के ब्रायन जेरेमी और मुहम्मद हाइकल को 21-12, 21-19 से मात दी। अब उनका सामना छठी वरीयता प्राप्त जापान के ताकुमी नोमूरा और युइची शिमोगामी से होगा। हालांकि दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत चीनी ताइपै के दुनिया के 47वें नंबर के खिलाड़ी सू ली यांग के खिलाफ कड़े मुकाबले में एक घंटा 10 मिनट में 16-21, 21-11, 18-21 की हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए। देविका सिहाग को थाईलैंड की पिचामोन ओपात्निपुत ने 23-21, 21-11 से मात दी।